नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जन-जन की आवाज
द न्यूज फिफ्टीन
RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 206 | नई दिल्ली, गुरुवार 24 अक्टूबर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |
अपनी छवि को पीआर की बनावट कहने पर... पेज-12

एक नजर

बिरला ने चेन्नम्मा की प्रतिमा पर अर्पित किये श्रद्धासुमन

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर कित्तूर रानी चेन्नम्मा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी, जल शक्ति और रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और अन्य विशिष्टजनों ने भी इस अवसर पर रानी चेन्नम्मा को श्रद्धांजलि दी।

रानी चेन्नम्मा ने 19वीं शताब्दी की शुरूआत में ब्रिटिश सेना के खिलाफ उस समय युद्ध का नेतृत्व किया, जब अधिकतर भारतीय शासक अंग्रेजों के बुरे इरादों से परिचित नहीं थे। वह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व करने वाली पहली भारतीय महिला स्वतन्त्रता सेनानियों में शामिल थीं। ग्यारह सितंबर, 2007 को भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने संसद परिसर में रानी चेन्नम्मा की प्रतिमा का अनावरण किया था। रानी चेन्नम्मा स्मारक समिति द्वारा भेंट की गयी इस प्रतिमा के शिल्पकार श्री विजय गौड़ हैं।

चक्रवात 'दाना' के मद्देनजर वायु सेना और तटरक्षक बल हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली। ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों पर चक्रवात दाना के आने से पहले भारतीय वायु सेना और भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) हाई अलर्ट पर हैं। वायु सेना ने दो विमानों के जरिए एनडीआरएफ की टीमों को राहत सामग्री के साथ बठिंडा और पुद्दुचेरी से आज सुबह ओडिशा पहुंचा दिया है। इसी तरह तटरक्षक बल ने अपने जहाजों और विमानों को समुद्र में किसी भी आपातकालीन स्थिति का तुरंत जवाब देने के लिए रणनीतिक रूप से तैनात किया है। चक्रवात के 24-25 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटों पर आने का अनुमान है, इसलिए समुद्र में जान-माल की सुरक्षा के लिए कई निवारक उपाय लागू किए गए हैं। वायु सेना के अनुसार चक्रवात 'दाना' के मद्देनजर पूर्व की तैयारियों के तहत दो विमानों ने बुधवार को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के 150 कर्मियों और राहत सामग्री को भुवनेश्वर पहुंचाया। एनडीआरएफ कर्मियों और राहत सामग्री को लेकर एक आईएल 76 और एएन 32 विमान बठिंडा से आए और आज सुबह भुवनेश्वर में उतरे। एनडीआरएफ के डीआईजी मोहसेन शाहेदी ने कहा कि ओडिशा में 20 टीमें, पश्चिम बंगाल में 17 टीमें रिजर्व में रखी गई हैं। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में तैयारी की गई है तथा झारखंड में 9 टीमें हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि कल चक्रवात के आने से पहले आज अधिकतम निकासी कर ली जाएगी। जरूरत पड़ने पर वायु सेना की मदद से एनडीआरएफ की और टीमों को बुलाया जायेगा।

महाराष्ट्र चुनाव: एमवीए गठबंधन में बनी सहमति

85-85 सीटों पर लड़ेंगी तीनों पार्टियां

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने बुधवार को कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) के बीच सीटों के बंटवारे पर सहमति बन चुकी है। संजय राउत ने बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एमवीए के सहयोगी दल 85-85 सीट पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की 288 विधानसभा सीटों में से 270 सीट पर सहमति बनी है। एमवीए गठबंधन में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (SP) शामिल हैं।

गठबंधन नेताओं ने बताया कि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी (सपा) को भी कुछ सीटें दी जाएंगी। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, "हमने तय किया है कि कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (यूबीटी) 85-85 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और बाकी 18 सीटों पर हम समाजवादी पार्टी सहित अपने गठबंधन दलों से बात करेंगे और कल तक उन्हें मंजूरी मिल जाएगी। हम महा विकास अघाड़ी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं और हम सरकार बनाएंगे।"

85-85 सीटों के लिहाज से तीनों दलों के बीच 255 सीटें ही हुईं। बाकी की बची 33 का गणित क्या है? इस सवाल के जवाब में शिवसेना के अनिल देसाई ने कहा, "हमें फॉर्म भरने की तैयारी करनी है और अइ फॉर्म देना है, इसलिए 85-85-85 पर सहमति बनी है। बाकी हिस्सा कुछ चर्चा के बाद छोटे मित्र दलों को दे दिया जाएगा। जो बचेगा, वह हम आपस में बांट लेंगे।"

राउत ने कहा, हम समाजवादी पार्टी, पीडब्ल्यूपी, माकपा, भाकपा और 'आप' को शामिल करेंगे। शेष सीट के लिए अब भी चर्चा चल रही है। हम सौहार्दपूर्ण ढंग से 270 सीट पर सहमति पर पहुंचे हैं। महायुति सरकार को हराने के लिए एमवीए एकजुट है। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि बाकी सीट छोटी पार्टियों के लिए छोड़ी जाएंगी।

गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने पिछले दिनों कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उनकी पार्टी ने विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) से 12 सीट की मांग की है। उत्तर महाराष्ट्र के धुले जिले में संवाददाताओं से बात करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी ने पांच सीट पर अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं। उन्होंने कहा कि सपा एक ऐसी पार्टी है जो कुछ सीट के साथ संतुष्ट है। अखिलेश ने कहा, हमने (एमवीए के तहत) 12 सीट की मांग की है। उन्होंने कहा कि सपा ने उन सीट का विवरण साझा किया है जहां वह अपनी स्थिति मजबूत मानती है।

इस बीच शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 65 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची बुधवार शाम जारी कर दी, जिसमें पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे को मध्य मुंबई में वर्ली विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। युवा सेना नेता एवं ठाकरे के रिश्तेदार वरुण सरदेसाई शहर की बांद्रा (पूर्व) सीट से चुनाव लड़ेंगे। महाराष्ट्र में 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

20 नवंबर को होना है चुनाव

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे. नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे. पिछले चुनाव में बीजेपी को 105, शिवसेना को 56, एनसीपी को 54 और कांग्रेस को 44 सीटें मिली थीं. हालांकि, चुनाव के बाद शिवसेना एनडीए से अलग हो गई और उसने एनसीपी-कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बना ली. शिवसेना के उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने. जून 2022 में शिवसेना में आंतरिक कलह हो गई. इसके बाद एकनाथ शिंदे ने पार्टी के 40 विधायकों को तोड़ दिया. एकनाथ शिंदे बीजेपी के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए. अब शिवसेना दो गुटों में बंट चुकी है. शरद पवार की एनसीपी भी दो गुट- शरद पवार और अजित पवार में बंट गई है.

उद्धव गुट ने जारी की पहली लिस्ट

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए शिवसेना (यूबीटी) ने पहली लिस्ट जारी कर दी है. इसमें 65 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है. आदित्य ठाकरे वर्ली से चुनाव लड़ेंगे, जबकि ठाणे सीट से राजन विचारे को टिकट दिया गया है. रत्नागिरि से सुरेंद्रनाथ माने को चुनावी मैदान में उतार गया है.
बता दें कि महा विकास अघाड़ी के बीच सीटों को लेकर लंबे समय से घमासान चल रहा था. लेकिन अब इस पर सहमति बन गई है. उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस, शरद गुट और उद्धव गुट यानी तीनों दल अब 85-85 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे.
उद्धव गुट की ओर से चालीसगांव सीट से उन्मेश पाटिल, पाचोरा से वैशाली सूर्यवंशी, मेहकर से सिद्धार्थ खरात, बालापुर से नितिन देशमुख, अकोला ईस्ट से गोपाल दातकर, वाशिम से सिद्धार्थ देवले, बडनेरा से सुनील खराटे, रामटेक से विशाल बरबटे, वणी विधानसभा सीट से संजय देरकर, लोहा सीट से एकनाथ पवार, परभणी से राहुल पाटिल, गंगाखेड़ से विशाल कदम, सिल्लोड से सुरेश बनकर, कन्नड सीट से उदयसिंह राजपूत, संभाजीनगर मिडिल से किशनचंद तनवाणी, संभाजीनगर पश्चिम से राजू शिंदे, वैजापुर से दिनेश परदेशी, नांदगांव से गणेश छात्रक, मालेगांव बाह्य से अद्वय हिरे, निफाड़ से अनिल कदम, नाशिक मध्य से वसंत गीते, नाशिक पश्चिम से सुधाकर बडगूजर, पालघर से जयेंद्र दुबला, बोईसर से डॉ. विश्वास वलवी, भिवंडी ग्रामीण से महादेव घाटल, अंबरनाथ से राजेश वानखेड़े डोंबिवली से दिपेश म्हात्रे, कल्याण ग्रामीण से सुभाष भोईर, ओवला-माजिवड़ा से नरेश मणेरा को टिकट दिया गया है.

मैदान में मुख्य रूप से दो गठबंधन आमने-सामने

महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी ने मिलकर महा विकास अघाड़ी का गठन किया था. इस बार के महाराष्ट्र चुनाव में मुकाबला पार्टियों के बजाय दो गठबंधनों के बीच देखने को मिलेगा. सत्तारूढ़ महायुति और महा विकास अघाडी आमने-सामने होंगे. दरअसल, महायुति में भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं. इस बार के विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन (टश्अ) महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के अपने प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी, जिसमें उसे महायुति पर बढ़त हासिल हुई थी.

चीन के साथ समझौते को लेकर देश को विश्वास में ले सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर चीन के साथ एक समझौता होने की घोषणा का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि इस विषय पर सरकार को देश को विश्वास में लेना चाहिए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के दृष्टिकोण के कारण इस मामले के समाधान में अवरोध पैदा हुआ। भारत ने सोमवार को घोषणा की थी कि भारतीय और चीनी वातार्कार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए एक समझौते पर सहमत हुए हैं।

रमेश ने एक बयान में कहा, मोदी सरकार की इस घोषणा को लेकर कई सवाल बने हुए हैं कि एलएसी पर गश्ती की व्यवस्था को लेकर चीन के साथ समझौता हो गया है। विदेश सचिव ने कहा है कि इस समझौते से सैनिकों की वापसी हो रही है और इन क्षेत्रों में 2020 में पैदा हुए गतिरोध का अंततः समाधान हो रहा है।

उन्होंने कहा, हम आशा करते हैं कि दशकों में भारत की विदेश नीति को लगे इस झटके का सम्मानजनक ढंग से हल निकाला जा रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि सैनिकों की वापसी से पहले वही स्थिति बहाल होगी, जैसी मार्च 2020 में थी।

रमेश ने दावा किया, यह दुखद गाथा पूरी तरह से चीन के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नासमझी और भोलेपन का नतीजा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी जी की चीन ने तीन बार भव्य मेजबानी की थी।

प्रियंका गांधी ने वायनाड से भरा पर्चा

वायनाड/नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आगामी 13 नवंबर को होने वाले वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को अपना नामांकन दाखिल किया।

सुश्री वाड्रा ने कलेक्ट्रेट में जिला कलेक्टर डी. आर. मेघश्री के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया। वह दोपहर करीब 12 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचीं और नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी करने में करीब 35 मिनट का समय लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, राज्यसभा सदस्य एवं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और एआईसीसी के संगठन सचिव के सी वेणुगोपाल नामांकन दाखिल करने के दौरान उनके साथ रहे। बाद में सुश्री वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के प्रदेश अध्यक्ष पनक्कड़ शिहाबली थंगल भी उनके साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे।

श्रीमती सोनिया गांधी और सुश्री वाड्रा मंगलवार को वायनाड पहुंच गयी थीं, जबकि श्री खरगे और श्री राहुल गांधी आज सुबह यहां पहुंचे।

नामांकन दाखिल करने से पहले कलपेट्टा नए बस स्टैंड से कलपेट्टा तक करीब 10.30 बजे रोड शो शुरू हुआ। कांग्रेस के सभी प्रमुख नेता करीब 1.5 किलोमीटर लंबे सामूहिक रोड शो में शामिल हुए, जो करीब तीन घंटे तक चला। रोड शो के दौरान हजारों की संख्या में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रितक मोर्चा (यूडीएफ) के कार्यकर्ता और महिलाओं और बच्चों सहित सभी क्षेत्रों के लोग पार्टी के झंडे, ढोल, तख्तियां लेकर अपने प्रिय नेताओं को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर उमड़ पड़े।

सुश्री वाड्रा ने नामांकन दाखिल करने से पहले कलपेट्टा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ह्लमैंने 1989 से लेकर पिछले 35 सालों तक अपने पिता राजीव गांधी, मां सोनिया गांधी और भाई राहुल गांधी के लिए प्रचार किया है, लेकिन यह पहली बार है कि मैं अपने लिए प्रचार कर रही हूं। मैं कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे और कांग्रेस पार्टी को वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने का अवसर देने के लिए धन्यवाद देती हूं।

इस मौके पर श्री राहुल गांधी ने कहा, वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से दो सांसद हैं, एक आधिकारिक और दूसरा अनौपचारिक होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रियंका गांधी और वह दोनों मिलकर काम करेंगे और लोकसभा में वायनाड के लोगों के मुद्दों को उठाएंगे।

17 लड़की संग 4 लड़के और 'वो' वाला खेल

बंगाल कनेक्शन जान भागलपुर पुलिस के उड़े होश

संवाददाता

भागलपुर। बिहार की भागलपुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने शहर में चल रहे एक साइबर फ्रॉड गिरोह का पदार्फाश किया है। यह गिरोह एक एडवर्टाइजमेंट फर्म की आड़ में एक कॉल सेंटर चला रहा था और लोगों को लुभावने ऑफर का झांसा देकर ठगी कर रहा था। पुलिस ने छापेमारी के दौरान 17 लड़कियों और 4 लड़कों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए आरोपियों में से कई पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं, जिससे यह मामला अंतर्राज्यीय स्तर का होने का शक है।

पुलिस के अनुसार, शुरूआती जांच में पता चला है कि यह गिरोह लोगों को फर्जी लोन, इनाम और अन्य लुभावने ऑफर का झांसा देकर उनके बैंक खाते से पैसे उड़ा लेता था। पुलिस ने मौके से कई मोबाइल फोन, लैपटॉप, एटीएम कार्ड और अन्य सामग्री बरामद की है। यह पूरा मामला उस वक्त सामने आया जब नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर भागलपुर से साइबर फ्रॉड की कई शिकायतें मिलीं। शिकायतों के आधार पर भागलपुर पुलिस ने जांच शुरू की और तकनीकी जानकारी के जरिए इस कॉल सेंटर का पता लगाया।

पुलिस ने बताया कि यह कॉल सेंटर घुरन पीर बाबा चौक स्थित मनाली होटल के पीछे चलाया जा रहा था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह गिरोह बहुत ही शातिराना ढंग से काम कर रहा था। यह लोग लड़कियों के जरिए लोगों को कॉल करते थे और उन्हें विभिन्न प्रलोभन देते थे। एक बार जब कोई व्यक्ति इनके जाल में फंस जाता था तो यह उससे उसका ओटीपी और अन्य जरूरी जानकारी हासिल कर लेते थे। इसके बाद यह उनके खाते से पैसे उड़ा लेते थे।

साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने बताया कि लोगों को कॉल कर प्रलोभन देने वाले साइबर अपराधियों के गिरोह तक भागलपुर पुलिस पहुंची है। मामले में करीब दो दर्जन लड़के और लड़कियों से पूछताछ की जा रही है। साइबर अपराधियों का इस नेटवर्क के भागलपुर ही नहीं बल्कि दूसरे जिलों औ? राज्यों में फैले होने के बिंदु पर भी जांच की जा रही है। जल्द ही पूरे मामले में से पर्दा उठाया जाएगा।

भारत ब्रिक्स के विस्तार का समर्थक आम राय से हो फैसला : प्रधानमंत्री

कजान/नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विस्तारित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान अपने वक्तव्य में नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ब्रिक्स के विस्तार का समर्थक है। उन्होंने यह भी कहा कि विस्तार का निर्णय सर्वसम्मति से होना चाहिए। इसके अलावा संस्थापक सदस्य देशों की राय का सम्मान भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स एक विविधतापूर्ण और सर्वसमावेशी मंच है तथा यह विभाजनकारी नहीं बल्कि लोगों की भलाई के लिए प्रेरित समूह है।

रूस के शहर कजान में आज आयोजित 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बैठक एक ऐसे समय में हो रही है जब विश्व युद्धों, संघर्षों, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद जैसी अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ है। विश्व में नार्थ-साउथ और पूर्व-पश्चिम विभाजन की बात हो रही है। ऐसे में ब्रिक्स की सकारात्मक भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विश्व समस्याओं के बारे में हमारा रवैया मानव केंद्रित होना चाहिए। हमें विश्व को यह संदेश देना चाहिए कि ब्रिक्स विभाजनकारी नहीं बल्कि जनहितकारी समूह है। ब्रिक्स समय के साथ खुद को बदलने की इच्छा-शक्ति रखने वाला संगठन है। हमें अपना उदाहरण पूरे विश्व के सामने रखते हुए वैश्विक संस्थानों में सुधार के लिए एकमत होकर आवाज उठानी चाहिए।

आतंकवाद और युवाओं में बढ़ते उग्रवादी विचारों के प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए हमें दोहरे मापदंड नहीं अपनाने चाहिए। आतंकवाद की फंडिंग से निपटने के लिए हम सभी को एक मत होकर दृढ़ता से सहयोग देना होगा। हमारे देशों के युवाओं में उग्रवाद को रोकने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठाने चाहिए।

उल्लेखनीय है कि विस्तारित ब्रिक्स का आज पहला शिखर सम्मेलन है। इसमें भारत, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील के साथ ही नए सदस्य देशों में ईरान, इथोपिया, यूएई और मिस्त्र के नेता शिरकर कर रहे हैं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मेजबान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा था कि 30 से अधिक देश ब्रिक्स में शामिल होने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के सदस्य देश संगठन के विस्तार पर विचार करेंगे तथा इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि यह संगठन कार्यकुशल बना रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, बहुपक्षीय विकास बैंक, डब्ल्यूटीओ जैसे वैश्विक संस्थानों में बदलाव के लिए समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए।

सीबीपीआरओ ने अपनी मांगों का ज्ञापन वित्त मंत्रालय को सौंपा : अशवनी राणा

२नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर से आए हजारों बैंक पेंशनभोगियों और सेवानिवृत्त संगठनों के समन्वय (सीबीपीआरओ) और अखिल भारतीय बैंक पेंशनभोगी एवं सेवानिवृत्त परिसंघ (एआईबीपीएआरसी) ने अपनी मांगों को लेकर बुधवार को राजधानी नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया। इसके साथ ही उन्होंनने मांगों का एक ज्ञापन डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज, वित्त मंत्रालय को सौंपा है। वॉयस ऑफ बैंकिंग के फाउंडर अशवनी राणा ने बताया कि बैंक पेंशनभोगियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों अधिकारियों ने अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर धरना दिया है। उन्होंतने कहा कि देशभर के हजारों बैंक पेंशनभोगियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अधिकारियों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की है। उन्होंने कहा कि सीबीपीआरओ ने अपनी मांगों को लेकर का एक ज्ञापन डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज, वित्त मंत्रालय को सौंपा है। उन्होंने कहा कि सरकार को सोचना चाहिए कि वरिष्ठ पेंशनर्स को अपनी मांगों को मनवाने के लिए सड़क पर क्यों उतरना पड़ा है। हालांकि, राणा ने कहा कि सरकार कह चुकी है कि इन मांगों पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ मांगों जैसे फैमिली पेंशन और 2003 तक के पेंशनर्स के 100 फीसदी डीए को सरकार पहले ही मान चुकी है। राणा ने कहा कि वॉयस ऑफ बैंकिंग की मांग है कि इससे पहले कि वरिष्ठ पेंशनर्स ज्यादा वरिष्ठ हो जाएं या दुनिया से चले जाएं, सरकार को इनकी मांगों को मान लेना चाहिए।

राणा ने कहा कि सीबीपीआरओ की अगुवाई में सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अधिकारियों की मुख्य मांगें इस प्रकार हैं:

-आरबीआई, नाबार्ड के समान बैंकों के पेंशनर्स की पेंशन को भी रिवाइज किया जाए।

-सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों को रियायत दरों पर हेल्थ इंश्योरेंस उपलब्ध कराया जाए।

-सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों अधिकारियों की मांगों पर बातचीत के लिए पेंशनर्स संगठनों को बुलाया जाए।

-स्पेशल अलाउंस को पेंशन और ग्रेच्युटी की गणना के लिए बेसिक वेतन में शामिल किया जाए।

-पेंशन की कम्यूटेड राशि को 15 वर्ष की जगह 10 वर्षों में ही रिकवर किया जाए।

आतिशी के बयान पर भाजपा का पलटवार

कहा कि 'भ्रम न फैलाएं, प्रदूषण के लिए यूपी, हरियाणा नहीं, पंजाब है जिम्मेवार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण को लेकर आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है. अब दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पराली से होने वाले प्रदूषण के आंकड़ों पर आम आदमी पार्टी को घेरा है. उन्होंने पर्यावरण मंत्री गोपाल राय से पंजाब सरकार को बचाने और दिल्ली की जनता को गुमराह करने के लिए इस्तीफे की मांग की. सचदेवा ने कहा कि गोपाल राय 10 साल से दिल्ली के मंत्री और गत कई वर्ष से पर्यावरण जैसा महत्वपूर्ण विभाग देखते हैं, पर दिल्ली वालों के स्वास्थ हित की सोचने की जगह पंजाब सरकार के राजनीतिक हित संरक्षण की सोचते हैं. अब समय आ गया है कि या तो वह पंजाब सरकार पर कार्रवाई की मांग करें या इस्तीफा दें. सचदेवा ने कहा कि गोपाल राय ओछी राजनीति करते हुए दिल्ली को गैस चेम्बर बनाने का दोष हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकार पर डाल रहे हैं. जबकि, वास्तविकता यह है कि पंजाब सरकार पराली से होने वाले प्रदूषण का असली दोषी है. सचदेवा ने कहा कि वर्तमान सीजन को देखें या गत वर्षों के साफ है कि पंजाब उत्तर भारत को पराली प्रदूषण की आग में झोंकने का सबसे बड़ा दोषी है. गत 24 घंटे यानी बीते 22 अक्टूबर को पंजाब में पराली जलाने की 71 नई घटनाएं हुई. वहीं, हरियाणा में 10 और उत्तर प्रदेश में केवल 17 नई घटनाएं हुई. वर्तमान सीजन यानी 15 सितंबर से 22 अक्टूबर तक आईएआरआई आंकड़ों अनुसार, पंजाब में 1581 पराली जलाने की घटनाएं हुई. जबकि, हरियाणा में 665 एवं उत्तर प्रदेश में 740 खेत जलाए गए. यहां तक की गोपाल राय के दावों के विपरीत दिल्ली में भी 11 खेत जलाने की घटनाएं सामने आई है. सचदेवा ने कहा कि आईएआरआई आंकड़े के मुताबिक, 2023 में पंजाब में पराली जलने की 9000 के आसपास घटनाएं हुई. जबकि, हरियाणा में 1000 से भी कम. यह आंकड़े बताते हैं प्रदूषण के लिए सबसे बड़ा जिम्मेदार पंजाब है. इसी तरह पंजाब में खेत जलाने का क्षेत्रफल भी तेजी से बढ़ रहा है. 2022 में पंजाब में 15.43 लाख हेक्टेयर खेत जले, जो 2023 में बढ़ कर 19 लाख हेक्टेयर हो गए और वर्तमान वर्ष में और भी बढ़ेगा. पंजाब में पहले छोटे किसान खेत जलाते थे, लेकिन जबसे आम आदमी पार्टी सत्ता में आई है पंजाब के बड़े किसान "आप" के संरक्षण में खेत जला रहे हैं.

सचदेवा ने कहा है कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज भी पंजाब सरकार को फटकार लगाई है और पूछा है कि आखिर क्यों वह पराली जलाने वाले किसानों को बचा रही है, क्यों उन्हें जुमार्ने में छूट दे रही है. साफ है पंजाब सरकार की लापरवाही उत्तर भारत ही नहीं, खुद पंजाब के पंजाबियों के स्वास्थ की दुश्मन बन गई है.

आईआईटी दिल्ली के छात्र ने आत्महत्या की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के 21 वर्षीय छात्र ने अपने छात्रावास के कमरे में पंखे से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि उन्हें एम.एससी द्वितीय वर्ष के छात्र कुमार यश के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। झारखंड के देवघर का निवासी कुमार मानसिक उपचार करा रहा था। कुमार मंगलवार को भी आईआईटी अस्पताल गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, मंगलवार को रात करीब 11 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को एक फोन आया, जिसमें बताया गया कि आईआईटी के एक छात्र ने अरावली हॉस्टल के कमरा नंबर डी57 में आत्महत्या कर ली है। तुरंत एक कर्मी को मौके पर भेजा गया। कमरा अंदर से बंद था, इसलिए कुमार के दोस्त और आईआईटी कर्मचारी खिड़की तोड़कर उसके कमरे में घुसे। अधिकारी ने बताया कि कुमार ने फंदा लगाने के लिए दो तौलिये का इस्तेमाल किया था। उसके दोस्त और संस्थान के कर्मी ने तौलिये को काटा और उसे नीचे उतारा। उन्होंने बताया, कुमार को आईआईटी की एंबुलेंस में सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने बताया कि उसकी अस्पताल लाने से पहले ही मौत हो गयी है। शव को शवगृह में रखा गया है। मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। छात्रावास के जिस कमरे में कुमार ने आत्महत्या की, उसकी ह्यमोबाइल अपराध टीम ने जांच की है। पुलिस के अनुसार, वहां कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन कुमार की चिकित्सा स्वास्थ्य रिपोर्ट कार्ड के अनुसार वह मानसिक उपचार करा रहा था और मंगलवार को आईआईटी अस्पताल भी गया था। उन्होंने कहा, उसका उपचार किया गया और 29 अक्टूबर को मनोचिकित्सक से मिलने का समय दिया गया था। उसके दोस्तों के बयान दर्ज किए गए हैं। इस मामले में किसी साजिश की आशंका नहीं है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

दिवाली समारोह के दौरान जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्र समूहों के बीच झड़प, पुलिस तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया में दिवाली समारोह के दौरान छात्रों के दो समूहों के बीच झड़प हुई जिसके बाद एहतियात के तौर पर परिसर के द्वार के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना मंगलवार रात को हुई लेकिन इस संबंध में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। दिवाली कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय कला मंच (आरकेएम) ने किया था, जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ समर्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़ा है। एबीवीपी ने कहा है कि वह बुधवार शाम को फिर से दीप महोत्सव आयोजित करेगी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कार्यवाहक कुलपति मोहम्मद शकील से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने संदेशों और फोन कॉल का कोई जवाब नहीं दिया। पुलिस के अनुसार छात्रों के एक समूह ने दिवाली समारोह में बाधा डाली जिसके बाद दोनों समूह के बीच झड़प हुई। विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मियों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति पर काबू पाया गया और छात्र वहां से चले गए। कुछ ऐसे कथित वीडियो सोशल मीडिया में आए हैं जिनमें परिसर के अंदर छात्र सांप्रदायिक नारे लगा रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय के अंदर तनाव की सूचना मिलने के बाद एहतियात के तौर पर गेट के बाहर और परिसर के आसपास पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस को परिसर के आसपास निगरानी बढ़ाने को कहा गया है। एबीवीपी के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशुतोष सिंह के अनुसार इस घटना का छात्रों पर कोई असर नहीं पड़ा है और वे बुधवार शाम को परिसर में दीप महोत्सव आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, शैक्षणिक संस्थानों में सभी त्योहार मनाने की आजादी होनी चाहिए। यदि परिसर में इफ्तार पार्टी आयोजित की जा सकती है तो दिवाली समारोह की भी अनुमति दी जानी चाहिए। हमें इस कार्यक्रम (जो मंगलवार शाम को आयोजित किया गया था) के लिए प्रॉक्टर कार्यालय से अनुमति मिली थी। सिंह ने कहा, वहां मुस्लिम छात्रों के अलावा अन्य छात्र भी हमारे साथ जश्न मना रहे थे लेकिन कुछ कट्टरपंथी तत्व वहां आ गए और मारपीट की। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए विश्वविद्यालय ने हिंसा को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। सिंह ने कहा कि एबीवीपी इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी।

एक नजर

कक्षा 12वीं के अंकपत्र जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2024 में कक्षा 12वीं की कंपार्टमेंट परीक्षा देने वाले छात्रों के अंकपत्र जारी कर दिए गए हैं। इस संबंध में शिक्षा निदेशालय के पत्राचार विद्यालय ने सूचना जारी की है। जीटीबी नगर स्थित पत्राचार विद्यालय से सुबह 10 बजे से लेकर शाम चार बजे तक अंकपत्र प्राप्त किए जा सकते हैं।

आईआईटी ने छात्र की असामयिक मृत्यु पर परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली ने बुधवार को कहा कि एमएससी द्वितीय वर्ष के छात्र की दुर्भाग्यपूर्ण और असामयिक मृत्यु से संस्थान को गहरा दुख हुआ है। संस्थान ने छात्र के परिवार और मित्रों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

आईआईटी ने एक बयान जारी कर कहा कि मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के एमएससी संज्ञानात्मक विज्ञान के द्वितीय वर्ष के छात्र की दुर्भाग्यपूर्ण और असामयिक मृत्यु से संस्थान को गहरा दुख हुआ है। बयान के अनुसार, दिल्ली पुलिस 22 अक्टूबर को परिसर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जांच कर रही है। संस्थान इस दुख की घड़ी में उनके परिवार का समर्थन करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। आईआईटी दिल्ली अपने छात्रों की मानसिक और शारीरिक भलाई सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

आईओ के खिलाफ एसीपी स्तर की जांच के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी कोर्ट ने साक्ष्यों के बदल जाने के एक मामले में जांच अधिकारी के खिलाफ एसीपी स्तर की जांच के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि सबसे पहले डकैती के दौरान हत्या के एक मामले में प्रस्तुत किए गए सबूतों से भरे बैगों के विरोधाभासी विवरण थे। फिर, कार्यवाही के दौरान साक्ष्य बैगों की संख्या तीन से बढ़कर पांच हो गई। मामला 30 सितंबर, 2017 को बाहरी दिल्ली के मुंडका में एक प्लास्टिक दाना फैक्ट्री में सुरक्षा गार्ड बजरंग (65) की हत्या से संबंधित है। दोषियों ने कथित तौर पर सात लाख रुपये मूल्य के 217 बैग प्लास्टिक दाने चुराए थे। मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों में से एक के वकील ने दावा किया कि रखे गए तीन नमूनों में से दो संपत्ति के विवरण से मेल नहीं खा रहे थे। अदालत ने एसएचओ को गलत केस प्रॉपर्टी पेश करने और रखे गए प्लास्टिक बैग की संख्या में विसंगतियों के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया। हालांकि, अदालत में एसएचओ ने इसे मानवीय भूल मानते हुए अगली सुनवाई में प्रस्तुत करने का दावा किया है।

दिल्ली के शाहदरा में हाई-वोल्टेज बिजली के खंभे पर चढ़ा एक व्यक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शाहदरा के यमुना खादर इलाके में मानसिक रूप से विक्षिप्त 40 वर्षीय एक व्यक्ति बुधवार को हाई-वोल्टेज वाले बिजली के एक खंभे पर चढ़ गया। पुलिस ने बताया कि दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) ने मधुसूदन विश्वास को सुरक्षित नीचे उतारा। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया, ह्यह्यहमें सुबह साढ़े 10 बजे एक व्यक्ति के हाई-वोल्टेज वाले बिजली के एक खंभे पर चढ़ने के संबंध में सूचना मिली। हमने तुरंत घटनास्थल पर एक बचाव दल भेजा। हमारे दल ने उसे बचा लिया और सुरक्षित नीचे उतारा। हमने उसे पुलिस को सौंप दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शुरूआती जांच में व्यक्ति मानसिक रूप से अस्थिर पाया गया और एक मनोचिकित्सक को परामर्श के लिए बुलाया गया है।

'पत्नी है ट्रांसजेंडर', मेडिकल जांच के लिए पति ने दिल्ली हाईकोर्ट में डाली याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। अलग रह रही पत्नी ट्रांसजेंडर है या नहीं, यह पता लगाने के लिए उसकी चिकित्सकीय जांच कराने की मांग को लेकर एक पति द्वारा दायर याचिका पर विचार करने से दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने टिप्पणी की कि मामला विशुद्ध रूप से वैवाहिक विवाद का है और याचिकाकर्ता पति द्वारा मांगी जा रही राहत के व्यापक प्रभाव हैं। याचिकाकर्ता को उचित कानून उपाय खोजने के लिए कहते हुए अदालत ने कहा कि कोई भी रिट याचिका किसी निजी व्यक्ति के खिलाफ नहीं हो सकती। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी एक ट्रांसजेंडर है और यह तथ्य शादी के समय धोखे से छुपाया गया था। इसके कारण उन्हें मानसिक आघात पहुंच रहा है। याची पति ने दावा किया कि उसे अपनी ट्रांसजेंडर" पत्नी से शादी करने के लिए धोखा दिया गया था और यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत वैध वैवाहिक संबंध के उसके अधिकार का उल्लंघन किया। याचिका में कहा गया है कि पत्नी ने उसके खिलाफ भरण-पोषण, घरेलू हिंसा और दहेज के आरोपों के लिए कई मामले दर्ज किए हैं, लेकिन वे चलने योग्य नहीं हैं, क्योंकि वह महिला के बजाय एक ट्रांसजेंडर है। किसी भी केंद्रीय सरकारी अस्पताल में अपनी पत्नी की मेडिकल जांच की मांग करते हुए याची ने कहा कि पत्नी द्वारा दी गई गलत जानकारी के

दिल्ली में एक मकान में आग लगने से किशोर की मौत, परिवार के चार सदस्य झुलसे

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणपश्चिम दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में बुधवार तड़के एक मकान में आग लगने से 16 वर्षीय लड़के की मौत हो गयी और उसके परिवार के चार सदस्य झुलस गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी के अनुसार, बुधवार तड़के तीन बजकर 22 मिनट पर शनि बाजार रोड पर स्थित एक आवासीय इमारत में आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि दमकल की दो गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया और आग पर काबू पाने में दो घंटे लगे। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) सुरेंद्र चौधरी ने बताया, शुरूआत में ऐसा संदेह था कि गैस सिलेंडर लीक होने की वजह से आग लगी लेकिन सिलेंडर सुरक्षित पाया गया, आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चला है। उन्होंने बताया कि आवासीय इमारत की चौथी मंजिल पर आग लगी। मृतक की पहचान 16 वर्षीय आकाश के रूप में हुई है। उसके पिता लक्ष्मी मंडल (42), मां अनीता मंडल (40) और भाई सन्नी (22) तथा दीपक (20) झुलस गए हैं। लक्ष्मी, अनीता और दीपक को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि सन्नी का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ट्रामा सेंटर में उपचार जारी है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि सन्नी की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि लक्ष्मी मंडल माली के रूप में काम करता है और उसका परिवार इस रिहायशी इमारत में किराये पर रह रहा था। पुलिस ने बताया कि संबंधित धाराओं में एक मामला दर्ज किया गया है और आग लगने की वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

दिल्ली में एक युवक का शव मिला, शरीर पर चाकू से घाव के निशान

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के कल्याण पुरी इलाके में बुधवार को एक दुकान के पास 25 वर्षीय एक युवक का शव बरामद किया गया जिसके शरीर पर चाकू से घाव के निशान हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अजीत के रूप में हुई है। उसने बताया कि छह बजकर 44 मिनट पर पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली कि कल्याण पुरी में एक दुकान के पास एक युवक का शव पड़ा है जिसकी जांघ पर चाकू से घाव के निशान हैं। पुलिस ने बताया कि एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए अपराध शाखा के एक दल को भी बुलाया गया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया, इस मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और अपराधी की पहचान करने तथा उसे गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जामिया में गूंजे फिलीस्तीन जिंदाबाद का नारे, हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया परिसर में मंगलवार को दिवाली के आयोजन के दौरान छात्रों के दो गुटों में हंगामा हो गया। एक पक्ष ने दिवाली के कार्यक्रम को रोका और फिलीस्तीन जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। दीये बुझाने और नारे लगाने के बाद हंगामा शुरू हो गया। दोनो गुटों के बीच हाथापाई हुई। दिवाली पर कार्यक्रम का आयोजन कर रहे छात्रों का आरोप है कि दूसरे पक्ष ने रंगोली हटवाते हुए दीये बुझा दिए। बताया गया है कि इस घटना पर जामिया परिसर में करीब आधा घंटा तक हंगामा हुआ। एक वीडियो देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। तब तक दोनों गुट वहां से जा चुके थे। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार ने कहा कि किसी भी पक्ष की ओर से देर रात तक कोई शिकायत नहीं मिली। शिकायत मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय परिसर के अंदर का मामला है। उसे जल्द शांत करा दिया गया था।

दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराने की योजना को मंजूरी देने के लिए बैठक बुलाए केंद्र सरकार: गोपाल राय

नई दिल्ली, एजेंसी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कृत्रिम रूप से बारिश कराने के सिलसिले में ह्यक्लाउड सीडिंगह्न के प्रस्ताव को मंजूरी देने को लेकर सभी हितधारकों की बैठक बुलाने का अनुरोध दोहराया है। राय ने दिल्ली में खराब होती वायु गुणवत्ता के बीच यह पत्र लिखा है। बुधवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की मोटी परत छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक 363 रहा, जो ह्यबहुत खराबह्न श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) का दूसरा चरण लागू किया, जिसके तहत कोयले और जलाऊ लकड़ी के साथ-साथ डीजल जनरेटर के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को लिखे अपने पत्र में राय ने खतरनाक धुंध और प्रदूषण के स्तर से उत्पन्न स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिए क्लाउड सीडिंग समेत आपातकालीन उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यादव को इस संबंध में 30 अगस्त और 10 अक्टूबर को लिखे गए उनके पिछले पत्रों की भी याद दिलाई। राय ने कहा, ह्यदिल्ली की वायु गुणवत्ता पहले ही खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है और सरकार ने प्रदूषण से निपटने के लिए 25 सितंबर, 2024 से शीतकालीन कार्य योजना लागू की है। हालांकि, स्थिति बिगड़ने पर हम तत्काल राहत के लिए वैकल्पिक समाधान तलाश रहे हैं। दिल्ली सरकार ने पहले भी क्लाउड सीडिंग की प्रक्रिया पर विचार किया है, जिसमें वातावरण से प्रदूषकों को हटाने के लिए कृत्रिम रूप से वर्षा करायी जाती है। हालांकि, इसके लिए रक्षा मंत्रालय, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण समेत विभिन्न केंद्रीय सरकारी एजेंसियों से मंजूरी की आवश्यकता हो सकती है। राय ने कहा कि नवंबर में वायु गुणवत्ता के गंभीर स्तर पर पहुंचने की आशंका को देखते हुए इस समस्या से निपटने के लिए सभी संबंधित हितधारकों की बैठक बुलाई जानी चाहिए। उन्होंने संभावित आपातकालीन उपाय के रूप में क्लाउड सीडिंग को लागू करने के लिए सीपीसीबी, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और नागरिक उड्डयन ब्यूरो जैसी एजेंसियों के बीच समन्वय के महत्व को रेखांकित किया।

निवेशकों के साथ धोखाधड़ी मामले में पूर्व विधायक रणबीर सिंह खर्ब बरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट की सेशंस अदालत ने निवेशकों के साथ धोखाधड़ी के मामले में पूर्व विधायक रणबीर सिंह खर्ब और उनकी पत्नी अनीता को ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई सात साल कैद की सजा को निरस्त कर दिया है. स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने दोनों आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया. केस की सुनवाई के दौरान आरोपियों के वकील ने कोर्ट में इस बात का हवाला दिया कि 29 फरवरी को दिए गए फैसले में एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी के तहत दोषी ठहराने का उल्लेख नहीं किया है. जबकि, इन पर इस धारा के तहत आरोप लगाया गया था. न्यायाधीश ने इस बात को ध्यान में रखते हुए दोनों की सजा निलंबित कर रिहा करने का आदेश दिया. साथ ही व्यक्तिगत मुचलके के रूप में 25-25 हजार रुपये और जमानती की शर्त पर रिहाई का निर्देश दिया.

दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बुधवार सुबह धुंध की मोटी चादर छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 363 के साथ बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया जबकि कई क्षेत्रों में यह खराब श्रेणी में रही। जहांगीरपुरी निगरानी स्टेशन ने 418 एक्यूआई दर्ज किया, जो गंभीर श्रेणी में आता है जबकि विवेक विहार में 407 और आनंद विहार में 402 एक्यूआई दर्ज किया गया। सोनिया विहार में सुबह नौ बजे एक्यूआई 398 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी के करीब था जबकि वजीरपुर में एक्यूआई 396 रहा। पूरी दिल्ली में सुबह नौ बजे एक्यूआई 363 दर्ज किया गया। शहर में धुंध की मोटी परत छाई हुई है, क्योंकि लगभग सभी मौसम निगरानी स्टेशन लाल क्षेत्र में आ गए हैं, तथा कई क्षेत्र केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रंग-कोडित चेतावनियों के अनुसार मैरून क्षेत्र में आ गए हैं। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब तथा 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। बोर्ड ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता के बिगड़ते स्तर के बीच क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के दूसरे चरण को लागू कर दिया है, जिसके तहत कोयला और लकड़ी जलाने के साथ-साथ डीजल जनरेटर सेट का उपयोग न करने सहित कई प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। यदि प्रदूषण का स्तर बढ़ता रहा तो विद्यालयों को बंद करने जैसे और भी उपाय लागू किए जा सकते हैं।

समझौते के बाद संयुक्त किसान मोर्चा का आंदोलन खत्म

गौतम बुद्ध नगर। संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में 9 दिन चले आंदोलन के संबंध में एनटीपीसी, डीएमआईसी, सेतु निगम, डीएफसीसी, अंसल बिल्डर, शिवनाडर यूनिवर्सिटी, हाईटेक वेव सिटी, ईस्टर्न पेरीफेरल वे के संबंध में जिलाधिकारी गौतम बुध नगर के साथ 22 अक्टूबर को लिखित मीटिंग मिनट के साथ समझौता संपन्न हुआ।

एनटीपीसी के किसान परिषद के नेता अनूप राघव ने समझौते के बारे में बयान जारी करते हुए कहा कि एनटीपीसी के 24 गांव के विस्थापित परिवारों के सदस्यों के रोजगार के लिए नोएडा ग्रेटर नोएडा में स्थित उद्योगों में जिलाधिकारी संबंधित प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिका अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर रोजगार मेला एक माह की अवधि में लगवाएंगे और किसान परिषद द्वारा रोजगार के लिए दी गई सूची से सेवायोजन करायेंगे। एनटीपीसी के संबंध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक कमेटी का नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है जिसका लेटर भी सौंप दिया गया है जिसकी बैठक 5 नवंबर को तय कर दी गई है कमेटी समान मुआवजा एनटीपीसी में परमानेंट रोजगार के मुद्दे पर विचार करेगी और अपनी सिफारिशें एनटीपीसी को देगी। जय जवान जय किसान मोर्चा के नेता सुनील फौजी ने लिखित समझौते के संदर्भ में बयान जारी करते हुए कहा कि डीएमआईसी, सेतु निगम, डीएफसी, अंसल बिल्डर, शिवनादर यूनिवर्सिटी, हाईटेक वेव सिटी, ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से संबंधित एवं प्रभावित किसानों के संबंध में पूर्व में हुए समझौता को लागू करने नए कानून को लागू करने के संबंध में एवं लंबित अन्य मुद्दों के संबंध में एक माह के अंदर जिलाधिकारी के माध्यम से वार्ता कराई जाएगी जिससे कि उक्त समस्याओं का समाधान हो सके। संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में 9 दिन चले आंदोलन के बारे में किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉक्टर रुपेश वर्मा ने बयान जारी करते हुए कहा कि जिन मुद्दों को लेकर हम आंदोलन में गए थे उन सभी मुद्दों पर जिलाधिकारी के साथ लिखित में सहमति बनी है इस संबंध में आंदोलन पूरी तरह सफल रहा। किसान परिषद के नेता सुखबीर खलीफा ने कहा कि एनटीपीसी के किसानों के संबंध में जिन मुद्दों को लेकर हम लोग 9 दिन तक आंदोलन में रहे उन सभी मुद्दों पर लिखित सहमति बनी है जहां तक हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट का सवाल है उस पर संयुक्त किसान मोर्चा के सभी संगठन 6 नवंबर को बैठकर आगे के आंदोलन की रणनीति बनाकर घोषणा करेंगे।

भवदीय, डॉक्टर रुपेश वर्मा, अध्यक्ष, अखिल भारतीय किसान सभा, गौतम बुद्ध नगर।

पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने के दोषियों को 7-7 वर्ष की कैद

गुरुग्राम, एजेंसी। पुलिस टीम पर गोली चलाकर जानलेवा हमला करने के मामले की सुनवाई करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तरुण सिंघल की अदालत ने दोनों दोषियों को सजा सुनाई है। अदालत ने पुख्ता सबूतों व गवाहों के आधार पर दोषी करार देते हुए 7-7 वर्ष की कैद व जुमार्ने की सजा सुनाई है। जुमार्ने का भुगतान न करने पर दोषियों को अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। जानकारी के अनुसार 16 अप्रैल 2022 को थाना सेक्टर 29 की पुलिस टीम गलेरिया मार्किट के निकट संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर 2 संदिग्ध युवक आते हुए दिखाई दिए, जिन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक सवार भागने लगे। पुलिस ने पीछाकर एक युवक को काबू कर लिया। इसी दौरान बाइक गिर गई तथा दूसरा युवक भागने लगा तो पकड़े हुए युवक ने भागते हुए अपने साथी को गोली चलाने को कहा, जिस पर भागते हुए युवक ने वापस आकर पुलिस टीम पर गोली चलाई जो सिपाही गौरी शंकर के पैर में लग गई।

चाऊ दा रेस्टोरेंट में शुरू हुआ इंडियन खाना- गंगेश्वर दत्त शर्मा

नोएडा, सेक्टर- 41, (नियर- प्रयाग अस्पताल सेक्टर- 41) के पास स्थित चाऊ दा एशियन रेस्टोरेंट में इंडियन खाना खिलाने की शुरूआत हुई। उक्त की ओपनिंग के अवसर पर रेस्टोरेंट के संचालक विशाल कुमार ने बताया कि हमारे रेस्टोरेंट में बेहतरीन क्वालिटी के चाइनीस व्यंजन बनाए जाते हैं। ग्राहकों की मांग को देखते हुए हमने आज से चीनी आइटमों के साथ-साथ अच्छी क्वालिटी और किफायती दरों पर इंडियन खाना खिलाने की शुरूआत किया है। साथ ही हमारे रेस्टोरेंट में शादी की सालगिरह, जन्मदिन, किटी पार्टी आदि कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त जगह है। ऑर्डर/ बुकिंग पर घर नाश्ता/ खाना भिजवाने की व्यवस्था है! आप हमारे मोबाइल नंबर- 8076414798 - 9971735720 पर कॉल कर खाना/ नाश्ता मंगवा सकते हैं! ओपनिंग पार्टी में मुख्य अतिथि सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि उक्त रेस्टोरेंट का विस्तार होने से आसपास के लोगों को सुविधा होगी।

सड़क हादसे में एक की मौत व एक घायल

पलवल, एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर बंचारी फ्लाईओवर के पास ट्रक और स्कूटी में टक्कर में स्कूटी सवार की मौत और दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल होने का मामला प्रकाश में आया है। टक्कर के बाद दोनों को उपचार के लिए दिल्ली अस्पताल में ले जाया गया। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर ट्रक के चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार संगम विहार (दक्षिण दिल्ली) निवासी राकेश ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि 14 अक्टूबर को वह, उसका भाई पवन, दोस्त सुनील और रंकज दिल्ली से आगरा जा रहे थे। वह और सुनील बाइक पर थे। पवन और रंकज स्कूटी पर सवार होकर नेशनल हाईवे-19 पर होते हुए आगरा की तरफ जा रहे थे। उनकी बाइक पीछे चल रही थी, जबकि पंकज की स्कूटी उनसे आगे चल रही थी। लेकिन जब शाम करीब साढ़े सात बजे वे नेशनल हाईवे-19 पर बंचारी गांव के पास बने फ्लाईओवर पर पहुंचे तभी सामने चल रहे एक ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे उसके भाई पवन की स्कूटी ट्रक से टकरा गई। टक्कर लगने से पवन और रंकज गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत उपचार के लिए होडल सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से दोनों को दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। उसी दिन से दोनों का सफदरजंग अस्पताल में उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान 21 अक्टूबर को पवन ने दम तोड़ दिया। मुंडकटी थाना प्रभारी सुंदरपाल ने बुधवार को बताया कि 22 अक्टूबर को मुंडकटी थाना में शिकायत मिली तो पुलिस ने ट्रक के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर 23 अक्टूबर को शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया।

सीवर के ढक्कनों ने 4 अफसरों का कटवाया वेतन

कार्य में कोताही पर चार अधिकारियों के विरुद्ध निगमायुक्त ने की कार्रवाई

गुरुग्राम, एजेंसी। जनसमस्याओं का समय पर समाधान नहीं करने और काम में कोताही बरतने पर चार अधिकारियों पर गाज गिरी है। नगर निगम आयुक्त ने चारों अधिकारियों का आधा वेतन काटने के आदेश दिए। यह कार्रवाई निगमायुक्त ने बुधवार को समाधान शिविर में आई शिकायत पर की। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ बुधवार को जोन-1 क्षेत्र में आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता कर रहे थे। समाधान शिविर में उन्होंने शिकायतों को सुना। राजेंद्रा पार्क की एकता वाली गली से कुछ शिकायतकर्ता पहुंचे। जिन्होंने बताया कि उनकी गली में सीवर के ढक्कन टूटे हुए हैं। बार-बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। निगमायुक्त ने मौके पर ही कनिष्ठ अभियंता को बुलाकर जवाब-तलब किया। कनिष्ठ अभियंता द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। कार्य में कोताही बरतने पर कार्यकारी अभियंता संजीव कुमार, सहायक अभियंता दलीप सिंह यादव, कनिष्ठ अभियंता सतेन्द्र व जसविन्द्र 4 अधिकारियों का 15-15 दिन का वेतन काटने के आदेश दिए। निगमायुक्त ने तुरंत ही टीम भेजकर सीवर के टूटे ढक्कनों को बदलने के निर्देश दिए। दूसरे दिन प्राप्त हुई 37 शिकायतें नगर निगम गुरुग्राम द्वारा सिविल अस्पताल के सामने स्थित पुराना कार्यालय सेक्टर-42 कार्यालय तथा सेक्टर-34 कार्यालय में प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 11 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को दूसरे दिन आयोजित समाधान शिविरों में 37 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार से संबंधित 2 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। अन्य शिकायतों के लिए समय सीमा निर्धारित करके शिकायतकताओं को अवगत कराया गया। उनके साथ अतिरिक्त आयुक्त एवं सीटीपी सतीश पाराशर व संयुक्त आयुक्त प्रदीप कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। मात्र 35 सेकेंड में हुआ समस्या का समाधान गुरुग्राम के जोन-2 में स्थित सिग्नेचर सोलेरा सोसायटी निवासी नितिन गर्ग बुधवार को अपने प्रॉपर्टी टैक्स डाटा में सुधार से संबंधित शिकायत लेकर समाधान शिविर में पहुंचे।

उन्होंने बताया कि वे पिछले कई दिनों से इधर-उधर चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनकी शिकायत का समाधान नहीं हो पा रहा था।

नोएडा-ग्रेनो के बीच एनएमआरसी ने मेट्रो स्टेशनों पर शुरू की पावर बैंक की सुविधा

नोएडा, एजेंसी। नोएडा-ग्रेनो के बीच एक्वा लाइन मेट्रो में मोबाइल-लैपटॉप चार्ज करने के लिए आज से सभी मेट्रो स्टेशन पर पावर बैंक मिलने शुरू हो गए हैं। इस सुविधा का शुभारंभ आज सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन से एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. लोकेश एम ने किया। यात्री सुविधा बढ़ाने के लिए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने कमर कस ली है। आज से नोएडा-ग्रेनो के बीच एक्वा लाइन मेट्रो में मोबाइल-लैपटॉप चार्ज करने के लिए सभी मेट्रो स्टेशन पर पावर बैंक मिलने शुरू हो गए। पावर बैंक लेने वाले यात्रियों को इस सुविधा के लिए समयानुसार 50 रुपये से लेकर 999 रुपये तक किराये का भुगतान करना होगा। इसके बाद मेट्रो स्टेशन पर लगाई गई मशीनों पर अपने मोबाइल से स्कैन कर पावर बैंक लिया जा सकेगा। एनएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक मेट्रो स्टेशन पर तीन पावर बैंक मशीनें लगाई गई हैं। प्रत्येक मशीन की क्षमता 24 पावर बैंक की है। इसमें 12 चार्ज और 12 उपयोग के बाद वाले पावर बैंक रखे जा सकेंगे। यात्री जब पावर बैंक जमा करेगा तो मशीन में उसकी चार्जिंग शुरू हो जाएगी। एक्वा लाइन पर 21 स्टेशन हैं। सुविधा का ट्रायल किया गया जो सफल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि लोगों को यह पावर बैंक सीधे किराये पर दिए जाएंगे। एक दिन के लिए 50 रुपये का किराया देना होगा। अधिकतम 999 रुपये किराया रहेगा। पावर बैंक का प्रयोग होने के बाद वह इस लाइन के किसी भी स्टेशन पर उसको जमा किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कियह पावर बैंक सिर्फ मेट्रो स्टेशनों पर लगी मशीन में ही चार्ज होंगे। इसलिए अगर जानबूझकर चोरी के इरादे से कोई घर ले गया तो उसके किसी काम का नहीं होगा।

नोएडा में प्रॉपर्टी डीलर की फॉर्च्यूनर कार में लगी आग, मौत

नोएडा, एजेंसी। थाना दादरी क्षेत्र में एक प्रॉपर्टी डीलर की फॉर्च्यूनर कार में आग लगने से उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत हो गई। कार कोट पुल के पास सड़क से 100 मीटर दूर जंगल में मिली है। इस मामले में उसके परिजनों ने कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाना दादरी में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि बीती रात 11 बजे के करीब थाना दादरी पुलिस को सूचना मिली कि थाना दादरी क्षेत्र के कोट पुल के पास जीटी रोड से 100 मीटर के अंदर जंगल में एक फॉर्च्यूनर कार में आग लग गई है। मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग की सहायता से आग पर काबू पाया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि फॉर्च्यूनर कार के अंदर एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई है।

उन्होंने बताया कि युवक की पहचान संजय यादव निवासी गाजियाबाद के रूप में हुई है। वह प्रॉपर्टी डीलर का काम करता था। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह हादसा है या उक्त व्यक्ति की कार में जलाकर हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की कर रही है। मृतक के परिजनों से पुलिस ने संपर्क किया है। उनसे भी पुलिस को कुछ अहम जानकारी मिली है।

गाजियाबाद में पुलिस की गोकशों से मुठभेड़, दो के पैर में लगी गोली

गाजियाबाद, एजेंसी। फरीदनगर के जंगल में कांबिंग के दौरान भोजपुर थाना पुलिस की गोकशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने दो गोकशों के पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया जबकि उनका एक साथी पुलिस को गच्चा देकर भाग निकला। पुलिस तीसरे फरार गोकश की तलाश कर रही है। पकड़े गए दो आरोपियों ने पूछताछ के दौरान 20 अक्टूबर की रात फरीदनगर बस स्टैंड के पास गोकशी की वारदात को अंजाम में देने की बात कबूल की है। दानिश और यूनुस को को टांग में लगी है गोली एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि देर करीब एक बजे भोजपुर थाना पुलिस अमराला गांव में जंगल में थी, सामने से तीन संदिग्ध आते दिखे। बदमाशों ने खुद को पुलिस से घिरता देख गोली चला दी। जवाबी कार्यवाही में पुलिस ने दो को पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया और तीसरा मौके से फरार हो गया। घायलों ने अपने नाम दानिश पुत्र रियाजुद्दीन (31 वर्ष) और अय्यूब पुत्र यूनुस (28 वर्ष) बताए हैं। दोनों से पुलिस ने एक- एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। अभि युक्तों ने बताया कि मौके से फरार बदमाश दानिश का भाई सारून है।

नोएडा में साइबर ठगों ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर इंजीनियर से 1.39 करोड़ ठगे

नोएडा, एजेंसी। साइबर ठगों ने एक आईटी इंजीनियर को शेयर मार्केट में निवेश कराने के नाम पर 1.39 करोड़ रुपये की साइबर ठगी कर ली। ठगों ने पीड़ित को व्हाट्सएप ग्रुप पर जोड़कर मुनाफे का झांसा दिया और ठगी कर की। पीड़ित ने घटना की शिकायत थाना साइबर क्राइम पुलिस से की है। साइबर थाने की टीम मामले की जांच कर रही है। थाना साइबर क्राइम के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार गौतम ने बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी विश्वदीप सरकार एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में आईटी इंजीनियर हैं। करीब चार महीने पहले उनके व्हाट्स एप पर कॉल आई और कॉलर ने खुद को एक शेयर ट्रेडिंग कंपनी का अधिकारी बताया। उसने कहा कि उसकी कंपनी अच्छी ट्रेनिंग व जानकारी देकर मुनाफा दिलाती है। इसके बाद जालसाज ने एक व्हाट्स एप ग्रुप में पीड़ित को जोड़ लिया। उसपर कई लोग पहले से जुड़े थे। व्हाट्स ग्रुप में सभी लोग मुनाफे के बारे में बताते रहते थे। इस पर विश्वदीप का विश्वास और बढ़ गया। इसके बाद एक के बाद एक करके कई बार में 1 करोड़ 39 लाख रुपये जालसाजों के बताए अलग-अलग खातों में उसने भेज दिया। वहीं व्हाट्स ग्रुप पर जालसाज काफी अधिक रकम मुनाफे का दिखा रहे थे। जब शख्स ने रकम वापसी के लिए जालसाजों से कहा तब अलग-अलग मदों में और रकम मांगी गई। तब पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ और पुलिस से शिकायत की। उन्होंने बताया कि इस मामले में साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस उन खातों की जांच कर रही है। जिनमें ठगी की रकम गई है। थाना साइबर क्राइम के प्रभारी ने बताया कि इस मामले की जब जांच की गई तब पता चला कि ठगी की रकम कई खातों में गई है।

इनमें अधिकतर खाते महाराष्ट्र व पश्चिम बंगाल के हैं। पुलिस अब उन खातों के बारे में पता लगा रही है। आशंका जताई जा रही है कि पश्चिम बंगाल के गैंग ने इस ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। साइबर टीम इसके लिए काम कर रही है। बता दें कि पिछले कुछ महीनों से निवेश, रिव्यू, टास्क पूरा कराने समेत कई अन्य नाम पर सबसे अधिक ठगी की वारदात हो रही है। इस ठगी की ट्रेंड में अब फर्जी स्टॉक एक्सचेंज जैसा सेटअप भी शामिल हो गया है। जानकारों ने बताया कि साइबर जालसाज सबसे पहले इस तरह की ठगी के लिए सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप, एक्स, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, फेसबुक आदि के माध्यम से लोगों से संपर्क करते हैं। इसके बाद ऐसे लोगों को घर बैठे लाखों रुपये की कमाई का झांसा देकर विश्वास में ले लेते हैं।

एक नजर

नशा तस्कर गिरफ्तार, कब्जे से कोकीन बरामद

फरीदाबाद, एजेंसी। पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-65 की टीम ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपी से कोकीन भी बरामद किया है। जिले को नशा मुक्त करने के लिए एसपी द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी रिंकेश उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के गांव लोहली का रहने वाला है। फिलहाल सुरजकुंड क्षेत्र में रहता है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर आर्ट विलेज फॉर्म हाउस से काबू किया है। आरोपी से 3.65 ग्राम कोकीन बरामद हुई है। जिसके खिलाफ थाना सुरजकुण्ड में नशा तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि वह कोकीन को किसी व्यक्ति से 15000 रुपये में खरीद कर लाया था। आरोपी आर्ट विलेज फॉर्म हाउस में नौकरी करता है। जिसको पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है। आरोपी को कोकीन उपलब्ध कराने वाले मुख्य सप्लायर को भी जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

किसान सेना ने निजी बैंकों की मनमानी के खिलाफ ज्ञापन दिया

गाजियाबाद, एजेंसी। किसान सेना ने बुधवार को निजी बैंकों के खिलाफ कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। प्रदेश सचिव शारिक अंसारी ने जिलाधिकारी के नाम दिए ज्ञापन में बताया कि निजी बैंक लोगों को परेशान कर रहे हैं।

उनकी मनमानी बढ़ती जा रही है। जिलाध्यक्ष आरिफ अली और पवन गुर्जर ने बताया बैंकों की वजह से लोग मानसिक रूप से परेशानी झेल रहे हैं। उनकी मनमानी के चलते परेशान लोग घर बेचकर बैंकों का ऋण उतार रहे हैं। ऐसा करने वालों पर शिकंजा कसा जाए। ज्ञापन देने के बाद किसान सेना के कार्यकर्ता लौट गए।

दो वाहन चोर गिरफ्तार, सात बाइक बरामद

लोनी, एजेंसी। पुलिस ने दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की सात बाइक बरामद की हैं। आरोपी दिल्ली एनसीआर में सक्रिय थे तथा चोरी के वाहनों को सस्ती कीमत पर लोगों को बेच देते थे। एसीपी सूर्यबली मोर्या ने बताया कि ट्रॉनिका सिटी पुलिस ने बुधवार चेकिंग के दौरान सन्नी और विजय उर्फ विक्की को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह दोपहिया वाहन चोरी कर उन्हें सस्ती दर पर बेच देते थे।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। नोएडा पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने के वाले गिरोह के तीन लोगों को बुधवार को गिरफ्तार करने का दावा किया। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गुप्ता सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस की टीम ने सेक्टर-63 में संचालित किए जा रहे एक अवैध कॉल सेंटर पर छापा मारा जहां से उसके संचालक मनोज, उसकी साथी कोमल तथा योगेंद्र को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से 6.90 लाख रुपये, छह फोन, टैबलेट आदि बरामद किए गए। अवस्थी ने दावा किया, पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे विभिन्न माध्यम से बेरोजगार लोगों से संपर्क करते थे और उन्हें दुबई तथा अन्य खाड़ी देशों में नौकरी दिलाने के नाम पर जाल में फंसाते थे। वीजा और हवाई यात्रा की टिकट आदि के नाम पर वे पीड़ितों से रुपये ऐंठ लेते थे। उन्होंने कहा, आरोपी उन्हें फर्जी वीजा और हवाई टिकट देकर हवाई अड्डे पर भेज देते थे। वहां पहुंचकर जांच कराने पर पीड़ितों को पता चलता था कि उनके टिकट और वीजा फर्जी हैं।

सोसाइटी के बेसमेंट से कार चोरी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेनो वेस्ट की पंचशील ग्रीन्स-2 सोसाइटी के बेसमेंट में बनी पार्किंग से कार चोरी का मामला सामने आया है। सोसाइटी की पार्किंग से कार चोरी होने पर निवासियों ने आक्रोश जताया है। इस मामले में पुलिस से शिकायत की गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सोसाइटी में नूपुर तिवारी परिवार के साथ रहती है। नूपुर ने पुलिस को बताया कि बेसमेंट की पार्किंग में उनकी कार खड़ी थी। एक सप्ताह पहले पार्किंग से उनकी कार चोरी कर ली गई। इसकी शिकायत उन्होंने पुलिस से की। सीसीटीवी में चोर कार ले जाते हुए दिखाई दिए। अब इस मामले में पुलिस ने कार चोरी का मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से चोरों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस द्वारा जल्द कार बरामद की जाएगी। सोसाइटी की पार्किंग से हुई कार चोरी की यह घटना गंभीर है। जिसको लेकर सोसाइटी की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। सोसाइटी में रहने वाले लोगों ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

निजी स्कूल पर सरकारी जमीन-ट्यूबवेल कब्जाने का आरोप, जीडीए को दिया ज्ञापन

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन शास्त्री नगर के एक निजी स्कूल द्वारा कब्जाई जमीन को मुक्त कराने के लिए जीडीए को ज्ञापन दिया है। जीपीए का आरोप है कि जानकारी होने के बावजूद भी जीडीए कार्रवाई से बच रहा है। अब अगर 15 दिन में जीडीए ने कोई कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन किया जाएगा। जीपीए सचिव अनिल सिंह ने बताया कि शास्त्री नगर स्थित निजी स्कूल ने न सिर्फ सर्विस लेन पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया हुआ है बल्कि सरकारी ट्यूबवेल भी कब्जाया हुआ है। इस बात का पता तब चला जब जुलाई माह में अभिभावकों ने आरटीई दाखिलों की मांग को लेकर स्कूल के बाहर धरना दिया। उसी वक्त जीडीए उपाध्यक्ष को स्कूल को आवंटित भूमि की पैमाइश करने और अवैध रूप से कब्जाई सरकारी जमीन को मुक्त कराने के लिए पत्र लिखा था, मगर तीन महीने बाद भी जीडीए ने कोई कार्रवाई नहीं की है। जीपीए अध्यक्ष सीमा त्यागी ने आरोप लगाया कि नामी स्कूल होने के चलते अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं। अब अगर 15 दिन में स्कूल पर कार्रवाई नहीं हुई तो जीपीए सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

पुत्रवधू पर बेटे के अपहरण का आरोप, केस दर्ज

नोएडा, एजेंसी। एक व्यक्ति ने पुत्रवधू पर बेटे के अपहरण का आरोप लगाया है। उन्होंने बेटे की हत्या की आशंका भी जताई है। पीड़ित पक्ष ने कोर्ट के आदेश पर पुत्रवधू समेत छह लोगों के खिलाफ फेज-3 में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जिला संभल के गांव हत्यावली निवासी सुरेंद्र सिंह ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया कि उनके बेटे योगेश का विवाह 26 नवंबर 2019 को गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र के मोहल्ला आकाश नगर निवासी मधु से हुआ था। शादी के बाद से ही योगेश की पत्नी मधु, सास गीता, ससुर वीरेंद्र सिंह, साला शिवम, अमन और रुद्र प्रताप सिंह दबाव बनाने लगे कि योगेश अपने माता-पिता को छोड़कर गाजियाबाद में घर जमाई बनकर रहे। उन्होंने मधु के परिवार वालों को कई बार समझाया, लेकिन वे जिद पर अड़े रहे।

आरोप है कि मधु 28 सितंबर 2022 को योगेश को गाजियाबाद ले गई। वह अपने साथ गहने और कपड़े भी ले गई। इसके कुछ दिन बाद ही योगेश का मोबाइल फोन बंद हो गया। उसके ससुराल वालों से पूछने पर कोई संतोषजनक जबाव नहीं मिला। 15 अक्तूबर 2022 सभी आरोपी पीड़ित के गांव पहुंचे और योगेश की छानबीन न करने का दबाव बनाने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की।

केले को कुशीनगर का ओडीओपी घोषित कर सीएम योगी ने इसकी खेती और इससे जुड़े कार्यों को नवजीवन दे दिया

लखनऊ, एजेंसी। रवि प्रसाद कुशीनगर के हरिहरपुर (तमकुहीराज) के रहने वाले हैं। साल 2015 में जब वह इकोनॉमिक्स से एमए कर रहे थे तभी एक गंभीर हादसे में उनके पिता को एक पैर गंवाना पड़ा। घर का इकलौता बेटा होने के कारण इस हादसे के बाद उनकी पढ़ाई छूट गई। सामने घर की जिम्मेदारी। ऐसे में रवि को चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा नजर आ रहा था।

रवि को रोजी-रोटी के लिए दिल्ली जाना पड़ा। इसी दौरान प्रगति मैदान की प्रदर्शनी में दक्षिण भारत के एक स्टॉल पर केले के रेशे से बने तमाम उत्पाद देखकर मन में आया कि यह काम तो कुशीनगर में भी संभव है। कुछ

बेसिक जानकारी लेकर वह घर लौटे। 2017 के अंत में काम शुरू किया। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) के नाम से एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की। योजना के तहत केले को कुशीनगर का ओडीओपी घोषित होने से उनका हौसला बढ़ा। उन्होंने पीएमईजीपी योजना से पांच लाख का लोन लिया। उनका काम चल निकला।

आज केले के रेशे से उनकी ही नहीं, उनसे जुड़ी करीब पांच दर्जन से अधिक महिलाओं की जिंदगी भी रोशन हो रही है। हाल ही वह अपने उत्पादों के साथ ग्रेटर नोएडा में योगी सरकार द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो में भी गए थे। उनका सारा सामान बिक गया। आज न केवल वह आत्मनिर्भर हैं, बल्कि उनकी एक सामाजिक पहचान भी है। अभी अगस्त में जिले के डीएम और सीडीओ ने उनकी इकाई का दौरा किया था। उनके मुताबिक केले को कुशीनगर का (ओडीओपी) घोषित कर योगी जी ने इसकी खेती और इससे जुड़े बाकी कामों को नवजीवन दे दिया।

फिलहाल वह केले के रेशे से महिलाओं और पुरुषों के लिए बैग, टोपी, गुलदस्ता, पेन स्टैंड, पूजा की आसनी, योगा मैट, दरी, कैरी बैग, मोबाइल पर्स, लैपटॉप बैग, चप्पल आदि बनाते हैं। केले का कुछ रेशा वह गुजरात की कुछ फर्मों को भी निर्यात करते हैं।

यही नहीं केले से रेशे को अलग करने के दौरान जो पानी निकलता है वह भी 15 से 20 रुपये लीटर की दर से बिक जाता है। इसके ग्राहक मछली उत्पादन करने वाले लोग हैं। इस पानी में कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, मैग्नेशियम और विटामिन बी-6 मिलता है। इसे जिस तालाब में मछली पाली गई है, उसमें डाल देते हैं। इससे मछलियों की बढ़वार अच्छी होती है। यही नहीं बाकी अपशिष्ट की भी कम्पोस्टिंग करके बेहतरीन जैविक खाद बनाई जा सकती है।

रवि केले के रेशे से सामान और अन्य उत्पाद बनाने के बाबत करीब 600 लोगों को ट्रेनिंग दे चुके है। इसके अलावा अलग-अलग स्वयं सहायता समूह से जुड़ी करीब 60 से 65 महिलाएं भी उनके साथ जुड़ी हैं। रवि के मुताबिक सबसे पहले तने को 'बनाना ट्री कटर' में डालते हैं। फिर तने के अलग फाड़ को रेशा बनाने वाली मशीन में डालते हैं। इससे रेशा निकल आता है। इस दौरान जरूरत भर केले के तने से निकले रस में थोड़ा नमक डालकर गर्म कर लेते हैं। इसके बाद इस रेशे को मनचाहे रंग में रंग कर उत्पाद बनाने में प्रयोग करते हैं। रंग बिल्कुल पक्का होता है और रेशे से तैयार उत्पाद जूट के उत्पादों से करीब 30 फीसद मजबूत होते हैं।

गोंडा के दो गांवों में दीपावाली पर होगा वनटांगिया महोत्सव

गोंडा (उप्र), एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'जीरो पॉवर्टी' परिकल्पना के तहत गोंडा जिला प्रशासन 'वनटांगिया महोत्सव 2.0' के रूप में महेशपुर और रामगढ़ गांवों के वनटांगिया समुदाय के परिवारों को दीपावाली का खास तोहफा देगा।

आगामी 27 अक्टूबर को आयोजित होने वाले इस महोत्सव का उद्देश्य वनटांगिया समुदाय के लोगों को न केवल त्योहार की खुशियां बांटना है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने का प्रयास करना है।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बुधवार को बताया कि वनटांगिया महोत्सव के तहत तरबगंज तहसील के महेशपुर और रामगढ़ गांव के सभी वनटांगिया परिवारों को रोजमर्रा में काम आने वाली चीजें, कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री उपहार के रूप में दी जाएंगी।

उन्होंने बताया कि इससे पूर्व 24 और 25 अक्टूबर को गांव में विशेष स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसका उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य और साफ-सफाई के प्रति जागरूक करना है।

शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में आंखों की जांच सहित अन्य जरूरी स्वास्थ्य जांच की सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाएगा।

राष्ट्रीय आर्य संवर्धनीय सभा की हुई बैठक

आर्य समाज ही एक ऐसी संस्था जो समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने के लिए कार्यरत – मुकेश आर्य

चंदक (बिजनौर)। राष्ट्रीय आर्य संवर्धनीय सभा जनपद बिजनौर के अध्यक्ष मुकेश आर्य ने कहा कि आर्य समाज ही वैदिक धर्म की वह संस्था है जो मनुष्य मात्र के लिए सम भाव रखता है। गुण कर्म स्वभाव से ही किसी को समझना सम भाव ववैदिक वर्ण व्यवस्था है। यह उद्गार उन्होंने ग्राम दिनों डी में आयोजित बैठक में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आर्य समाज ही एक ऐसी संस्था है जो समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने के लिए कार्य करती है उन्होंने कहा कि आर्य समाज मनुष्य मात्र के उत्थान के लिए हमेशा प्रयशरत रहता है भारतीय संस्कृति को बचाने समाज में व्याप्त अंधविश्वास रूढ़िवादिता एवं बुराइयों को दूर करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसी संस्थाएं मौजूद है जो भारतीय संस्कृति को छीन भिन्न करना चाहती है और वे ईसाई मिशनरी के तहत समाज के लोगों को बरगलाकर परमात्मा के नाम से सत्संग के माध्यम से सनातन धर्म एवं भारतीय संस्कृति को कमजोर कर रहे हैं हमें ऐसे लोगों से सावधान रहना है और अपने वैदिक धर्म को बचाना है।

इंजीनियर प्रशांत आर्य ने कहा कि जनपद में अनेक स्थानों पर परमात्मा सत्संग की आड़ में हिंदू समाज के भोले भाले लोगों को पर गला कर बाइबल की शिक्षा दी जा रही है जो हिंदू समाज को कमजोर करने की एक योजना है युवाओं को चाहिए कि वह ऐसे सत्संग का पुरजोर विरोध करें और आर्य समाज की विचारधारा को अपनाकर देश राष्ट्र समाज को मजबूत करें। राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने विश्व के समक्ष विस्तृत वैदिक कार्य प्रस्तुत किया हमें सत्यार्थ प्रकाश जैसे ग्रंथ को पढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशाखोरी पर चिंता जताते हुए कहा कि नशा समूल विनाश की जड़ है हमे नशा त्याग कर अपना जीवन खुशियों भरा बनाना होगा तभी राष्ट्र का भला होगा राष्ट्र अगर सुरक्षित होगा तो हम भी सुरक्षित होंगे।

आर्य विचार गोष्ठी की अध्यक्षता रामकुमार सैनी ने की तथा संचालन देवेंद्र सैनी ने किया। गोष्ठी में शौकीन सैनी अशोक कुमार सैनी बुध सिंह सैनी जय सिंह फूल सिंह लेख राम सिंह अरविंद कुमार पंकज सैनी खुशीराम सिंह बाबू सिंह गरीबदास सिंह विकास कुमार प्रधान पति है डॉक्टर रविंद्र सैनी हिमांशु सैनी गफ्फार अहमद मोहम्मद इसरार नंदराम पुजारी शेर सिंह सैनी राम अवतार सिंह घसीटा सिंह आदि मौजूद रहे।

वर्ष 2025 की विजयादशमी को विशेष रूप से मनाएगा संघ

मथुरा, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक 25 एवं 26 अक्टूबर को मथुरा जिले के फरह इलाके के गऊ ग्राम परखम स्थित दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में होगी।

संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने बुधवार को गऊ ग्राम परखम में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सभी छह सह सरकार्यवाह- डा. कृष्ण गोपाल, अरुण कुमार, रामदत्त चक्रधर, अतुल लिमये, आलोक कुमार और केसी मुकुंद उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा सभी कार्य विभागों के प्रमुख एवं अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य

उपस्थित रहेंगे। बैठक में अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल में संघ रचना के सभी 46 प्रांतों के संघचालक एवं सह संघचालक, कार्यवाह एवं सह कार्यवाह और प्रांत प्रचारक एवं सह प्रांत प्रचारक अपेक्षित हैं।

उन्होंने बताया कि कार्यकारी मंडल की बैठक में समूचे समाज को एक साथ कैसे रहना चाहिए, उसके लिए करणीय प्रयास क्या होंगे उस पर चर्चा होगी। संघ के शताब्दी वर्ष और कार्यविस्तार की समीक्षा होगी। शाखा, साप्ताहिक मिलन एवं अधिकारियों के प्रवास पर चर्चा होगी। इसके अलावा कार्य विस्तार की दृष्टि से सभी अखिल भारतीय अधिकारियों के प्रवास तय किए जाएंगे।

आम्बेकर ने बताया कि बैठक में पंच परिवर्तन के विषय सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, स्व का जागरण और नागरिक कर्तव्य के विषय पर चर्चा होगी। इसके अलावा विजयादशमी पर्व पर सरसंघचालक के उद्बोधन में उल्लेखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी। सरसंघचालक ने अपने उद्बोधन में कहा था कि ओटीटी प्लेटफार्म के जरिए पहुंचने वाली सामग्री पर नियंत्रण लगना चाहिए। समाज में एक शांति का भाव व परस्पर सौहार्द कैसे रह सकता है इस पर चर्चा होगी। इसके अलावा अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी, महारानी दुर्गावती की 500वीं जयंती, आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती आदि की भी उन्होंने अपने उद्बोधन में उल्लेख किया था।

मूकबधिर महिला से दुष्कर्म, उसकी बच्ची से छेड़छाड़

बांदा (उप्र), एजेंसी। बांदा से सटे चित्रकूट जिले में एक मूकबधिर महिला के साथ उसके परिचित व्यक्ति ने ही कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया और उसकी नवजात बच्ची के साथ छेड़छाड़ भी की। पुलिस के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है लेकिन वह घटना के बाद से फरार है।

चित्रकूट के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरुण कुमार सिंह ने बताया कि घटना मंगलवार को भरतकूप थाना क्षेत्र के एक गांव की है। पुलिस अधीक्षक ने शिकायत के हवाले से बताया, 'मंगलवार को जब महिला घर में खाना पका रही थी और उसका पति किसी काम से बाहर गया हुआ था, तभी आरोपी राज नारायण घर में घुसा और कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया।'

अधिकारी ने कहा, 'बाद में उसने महिला की नवजात बेटी के साथ भी छेड़छाड़ की। जब पति वापस लौटा तो महिला ने इशारों में उसे पूरी घटना के बारे में बताया। इसके बाद पति ने पुलिस से संपर्क किया।' सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपी का पता लगाने के लिए पुलिस टीम तैनात कर दी गई हैं।

महाकुंभ 2025 : तीर्थराज प्रयागराज बन रहा देश की आस्था का केंद्र

प्रयागराज, एजेंसी। महाकुंभ-2025 को दुनिया का सबसे भव्य सांस्कृतिक आयोजन बनाने जा रही योगी सरकार ने प्रयागराज के घाट पर अपने सबसे कुशल अफसरों को तैनात किया है। सरकार की धर्म-कर्म को लेकर स्पष्ट नीति के परिणामस्वरूप देश के कोने-कोने से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है। यहां तक कि विदेश से भी लोग अपनी सात-सात पीढ़ियों को मोक्ष दिलाने के लिए संगम नगरी पहुंचने लगे हैं।

योगी सरकार का अधिकारियों को सख्त निर्देश है कि बाहर से बड़ी संख्या में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की समस्या ना आने पाए। महाकुंभ को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। आस्था और विश्वास को लेकर प्रतिदिन उमड़ते लोगों के मद्देनजर तीर्थराज प्रयाग एक तरह से देश का धार्मिक केंद्र बनता जा रहा है।

प्रयागराज में संगम घाट के पुरोहित पंडित महेंद्र नाथ शर्मा ने

बताया कि महाकुंभ से पहले ही देश-विदेश से अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए आने वाले अप्रवासियों की संख्या अचानक बढ़ने लगी है। यहां बड़ी संख्या में लोग अपनी सात-आठ पीढ़ियों को मुक्ति दिलाने के लिए कर्मकांड करने आ रहे हैं। इसके अलावा भारत के बाहर से भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग आते हैं, जिन्हें इतनी लंबी पीढ़ियों की जानकारी नहीं होती। प्रयागराज के घाट पर मौजूद पुरोहित उन्हें इस तरह की लिखित जानकारी भी उपलब्ध करा रहे हैं।

प्रयागराज के प्रसिद्ध प्रयागवाल सुब्रह्मण्यम शास्त्री उर्फ चारी जी के अनुसार, योगी सरकार के रात-दिन चल रहे नवनिर्माण को देखकर स्थानीय लोगों के साथ-साथ अप्रवासियों में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रयागराज के घाट पर ब्राह्मण, पुरोहित और पंडा के पास आने वाले लोगों की लंबी कतार लगने लगी है।

महाकुंभ की तैयारियों के मद्देनजर उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है। आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना के अलावा कई राज्यों से हजारों लोगों का अनुष्ठान प्रयागराज के पुरोहित प्रतिदिन करा रहे हैं। इनके अलावा अमेरिका, कनाडा, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, रूस में भी रहने वाले भारतीय मां गंगा को प्रणाम करने आने लगे हैं। इनमें बड़ी संख्या में लोग अपने पूर्वजों की अस्थियां भी लेकर आ रहे हैं।

संगम के तट पर धार्मिक कार्यों के कुशल प्रबंधन के लिए पूरा टीम वर्क किया जा रहा है। इसी तरह की जिम्मेदारी देख रहे पंकज पांडे बताते हैं कि यहां आने वाले लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए अनुष्ठान करते हैं। ब्राह्मणों को दान देते हैं, जिससे यहां बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है।

ऐसी मान्यता है कि इक्ष्वाकुवंशीय राजा भगीरथ ने कड़ी तपस्या से गंगा को पृथ्वी पर अवतरित किया। जिसके बाद कपिल मुनि के श्राप से भस्म साठ हजार सागरपुत्रों को मुक्ति दिलाई। मां गंगा को पृथ्वी पर लाने का श्रेय भगीरथ को ही है। इनके नाम पर ही माता को भागीरथी भी कहा गया है।

अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को लुभाएगा टिकरी जंगल और पार्वती अरगा पक्षी विहार

गोंडा, एजेंसी। भगवान राम के दर्शन के लिए राम नगरी अयोध्या आने वाले देश और विदेश के श्रद्धालुओं को गोंडा जिले की ओर आकर्षित करने के लिए टिकरी जंगल और पार्वती अरगा पक्षी विहार को विकसित करने की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए न केवल जिले के टिकरी जंगल और पार्वती अरगा पक्षी विहार को 'ईको-टूरिज्म' केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की तैयारी है, बल्कि ऋषि मुनियों की इस पावन धरती पर अनेक पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने की योजना है।

केंद्रीय वन, पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री एवं सांसद कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा, '1084 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला पार्वती अरगा पक्षी विहार रामसर परियोजना का हिस्सा है। यहां साइबेरियन पक्षियों को शरण मिलती है। यह झील पूरे वर्ष 30 से अधिक स्थानीय और सर्दियों के मौसम में तिब्बत, चीन, यूरोप और साइबेरियन पक्षियों से गुलजार रहती है।' सिंह ने कहा कि सर्दी का मौसम शुरू होते ही अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में विदेशी पक्षी यहां आने लगते हैं और करीब चार महीने तक प्रवास के बाद मौसम बदलते ही स्वदेश लौट जाते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए कुछ पक्षी 5000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हैं। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले प्रमुख प्रवासी पक्षियों में यूरेशियन कूट और मलार्ड, ग्रेलैग कलहंस, नार्दर्न पिंटेल, नार्दर्न साल्वर, रेड-क्रेस्टेड पोचार्ड, गड़वाल शामिल हैं। सिंह ने बताया कि इस क्षेत्र का विकास होने से यह अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन सकता है। सरकार द्वारा वर्ष 1990 में पार्वती-अरगा झीलों को पक्षी अभयारण्य घोषित किया गया था।

एक नजर

फिरौती के लिए अपने ही अपहरण का नाटक रचने वाला छात्र और उसके दो साथी गिरफ्तार

शाहजहांपुर (उप्र), एजेंसी। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में परिजन से रुपये ऐंठने के लिए अपने ही अपहरण का नाटक करने और दो लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले एक छात्र और उसके साथियों को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक राजेश एस. ने बुधवार को बताया कि कटरा कस्बे में रहने वाला बीबीए का छात्र संजीव त्यागी (22) गत सोमवार को बरेली से अपना अंकपत्र लेने की बात कह कर घर से निकला था लेकिन वह देर रात तक घर नहीं लौटा। उन्होंने बताया कि छात्र की मां के व्हाट्सएप नंबर पर देर रात एक फोन आया जिसमें कहा गया कि तुम्हारे बेटे का अपहरण हो गया है और अगर दो लाख रुपए फिरौती के रूप में नहीं दिये तो उसकी हत्या कर दी जाएगी। इसके बाद परिजन थाने पहुंचे और पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इसके बाद उनके आदेश पर एक दल गठित किया गया और संजीव के परिजन बहगुल नदी के पास बताए गये स्थान पर फिरौती की रकम लेकर पहुंचे। इस दौरान फिरौती की रकम लेने के लिये संजीव के साथी मंगेश कुमार और गुरुसान सिंह पहुंचे, तभी पुलिस ने उन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस से पूछताछ में यह खुलासा किया है कि वे संजीव के दोस्त हैं और उसने खुद अपने अपहरण का नाटक रचा था। संजीव फिरौती के नाम पर मिलने वाली रकम से अपनी जरूरतें पूरी करना चाहता था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस मामले में मंगेश और गुरुसान के साथ संजीव को भी गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की तस्वीर लगाकर आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

सहारनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की तस्वीर का इस्तेमाल कर आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात क्षेत्र) सागर जैन ने बताया कि पुलिस ने रामपुर कलां निवासी लवेश सैनी (27) को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया जिस पर करवा चौथ के दिन हाथ में छलनी और लोटा लिये महिला के चेहरे पर बसपा प्रमुख मायावती का चेहरा लगाकर वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि इससे नाराज बसपा के समर्थकों ने थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कर सैनी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

'सत्ताईश का सत्ताधीशङ्ग', अखिलेश यादव के जन्मदिन पर लगे पोस्टर की हो रही चर्चा

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव का बुधवार को जन्मदिन है, जिसको लेकर उनके समर्थकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर पार्टी के कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। उनके समर्थकों द्वारा प्रदेशभर में जन्मदिन की बधाईयों की होर्डिंग लगाए गई हैं। इसी में से एक होर्डिंग चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, सपा नेता जयराम पांडेय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पार्टी प्रमुख को जन्मदिन की बधाई दी और सपा कार्यालय के बाहर विशेष होर्डिंग लगाई, जो चर्चित हो गई। सपा कार्यालय के बाहर जयराम पांडेय द्वारा लगाई गई होर्डिंग में अखिलेश यादव को प्रभावशाली नेता के रूप में दिखाया गया है। उन्होंने सिर पर समाजवादी पार्टी की पारंपरिक लाल टोपी पहनी हुई है। होर्डिंग पर लिखा है, '24 में बरसा जनता का आशीष, दिवारों पर लिखा है, कौन होगाङ्गसत्ताई का सत्ताधीश'

अंत में संस्कृत भाषा में जन्मदिन की बधाई दी गई है। 'त्वं जीव शतं वर्धमानः। जीवनं तव भवतु सार्थकम इति सर्वदा मुदं प्रथयामहे। जन्मदिवसस्य अभिनन्दनानि।' इसका हिंदी में अर्थ है, 'आप सौ वर्ष जीवित रहो। आपका जीवन सार्थक हो। हम हमेशा अपनी खुशी जाहिर करते हैं। आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं।' ज्ञात हो कि, साल 2024 में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। पार्टी 90 लोकसभा सीटों में 37 पर जीत दर्ज करके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। लोकसभा में बेहतरीन प्रदर्शन से पार्टी का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है और आगामी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सपा अपनी तैयारी कर रही है। सपा नेताओं का मानना है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में 2027 विधानसभा चुनाव में भी समाजवादी पार्टी को जीत मिलेगी और प्रदेश के मुखिया की कमान अखिलेश यादव को दी जाएगी।

फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए सपा उम्मीदवार मुज्तबा सिद्दीकी ने नामांकन पत्र दाखिल किया

प्रयागराज (उप्र), एजेंसी। फूलपुर विधानसभा सीट पर अगले महीने होने वाले उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी ने बुधवार दोपहर जिला समाहरणालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस बीच, नामांकन कक्ष में प्रवेश को लेकर सपा पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच नोकझोंक भी हुई। हालांकि अधिकारियों के समझाने पर पार्टी पदाधिकारी मान गए और उम्मीदवार ने पर्चा जमा किया। फूलपुर सीट से सपा उम्मीदवार मुज्तबा सिद्दीकी ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने पार्टी महासचिव इंद्रजीत सरोज और जिलाध्यक्ष समेत कई वरिष्ठ नेताओं को नामांकन कक्ष में जाने से रोका जिस पर पार्टी से जुड़े कई अधिवक्ता नाराज हो गए और पुलिसकर्मियों से उनकी नोकझोंक हुई। सिद्दीकी ने कहा, 'हम सपा के सिपाही हैं और नियम-कायदों का पूरा सम्मान करते हैं। लेकिन ये नियम सभी पर लागू होते हैं। भाजपा के उम्मीदवार को नामांकन के समय कई मंत्रियों और विधायकों को कक्ष में प्रवेश करने दिया जाता है। यह ठीक नहीं है।' उन्होंने कहा, 'भाजपा उम्मीदवार के नामांकन के समय हम देखेंगे कि ये अधिकारी कितना नियम-कानून का पालन करते हैं।' उल्लेखनीय है कि फूलपुर से भाजपा विधायक प्रवीण पटेल के बीते लोकसभा चुनाव में फूलपुर लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित होने के बाद यह सीट खाली हुई है जिस पर 13 नवंबर को उपचुनाव होने जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की तस्वीर लगाकर आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

सहारनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की तस्वीर का इस्तेमाल कर आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात क्षेत्र) सागर जैन ने बताया कि पुलिस ने रामपुर कलां निवासी लवेश सैनी (27) को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया जिस पर करवा चौथ के दिन हाथ में छलनी और लोटा लिये महिला के चेहरे पर बसपा प्रमुख मायावती का चेहरा लगाकर वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि इससे नाराज बसपा के समर्थकों ने थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कर सैनी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एक नजर

हथियार के साथ सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट करना पड़ा महंगा

युवक को भेजा जेल

मोतिहारी,संवाददाता। जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो डालने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार युवक हरसिद्धि थाना क्षेत्र की मुरारपुर पंचायत के जैल मुरारपुर के खेदु राम का पुत्र दारोगा कुमार है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि एक युवक का सोशल मीडिया पर हथियार लहराने का फोटो वायरल हुआ था। जिसकी शिनाख्त कर पुलिस ने उसे हरपुर पकड़ी चौक से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर पकड़े गए युवक को पुलिस न्यायिक हिरासत में भेजेगी।उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शन कर लोगों में दहशत फैलाने का काम कर रहा था। हथियार के बारे में उससे पूछताछ की जा रही है।

भाजपा सांसद के भड़काऊ बयान पर नीतीश कुमार ने दी सुरक्षा, तेजस्वी यादव ने जताया कड़ा विरोध

पटना,संवाददाता। आज बिहार में एक भाजपा सांसद ने माहौल को अस्थिर करने वाला भड़काऊ बयान दिया, जिसने राज्य में सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने की आशंका पैदा कर दी है। इस बयान के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तत्परता दिखाते हुए उस सांसद को अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराई है। वहीं, इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भाजपा सांसद के बयान की कड़ी निंदा की है। तेजस्वी यादव ने कहा, "इस देश की मिट्टी में सबकी महक और आजादी में सबका योगदान है। मैं हरेक व्यक्ति को भरोसा दिलाता हूँ कि जब तक मेरी साँस है, मैं बिहार को सांप्रदायिकता की आग में झोंकने वाले हरेक व्यक्ति के सामने डट कर खड़ा रहूँगा। मुसलमानों की तरफ बुरी नजर से देखने वालों की ईंट से ईंट बजा देंगे। इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में तनाव और बढ़ने की संभावना है, जहाँ तेजस्वी यादव ने सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का संदेश दिया है।

सुंदरपुर रतवारा से 27 लीटर चुलाई शराब के साथ पंकज सहनी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। जिले के हत्था थाना पुलिस ने बड़ी कार्यवाई करते हुए सुंदरपुर रतवारा गांव से 27 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष शशि रंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति पंकज सहनी, पिता राम दयाल सहनी, घर रामपुर दयाल का रहने वाला है। पुलिस ने पंकज सहनी को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की इस कार्यवाई को इलाके में शराब तस्करी पर नकेल कसने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

दिल्ली के मंदिर में शादी,नालंदा आते युवती को मिला बड़ा धोखा!

इंस्टाग्राम पर शुरू हुई लव स्टोरी

नालन्दा,संवाददाता। बिहार के नालंदा में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती प्यार में बदली और फिर धोखे में। हरनौत की रहने वाली एक युवती की मुलाकात शेखपुरा के एक युवक से इंस्टाग्राम पर हुई। पांच महीने तक चली ऑनलाइन बातचीत प्यार में बदल गई और दोनों ने घर से भागकर शादी कर ली। लेकिन शादी के दो दिन बाद ही युवक ने युवती को बरबीघा बाजार में छोड़ा और बहाना बनाकर फरार हो गया। पीड़ित युवती हरनौत थाने पहुंची और इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

मामला मंगलवार का है, जब पीड़ित युवती हरनौत थाने पहुंची और अपनी आपबीती सुनाई। युवती ने बताया कि उसकी पिछले पांच महीनों से इंस्टाग्राम के जरिए युवक से बातचीत हो रही थी। इसी दौरान दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। युवती ने बताया कि युवक ने उसे अपने घर शेखपुरा ले जाने का वादा किया था, लेकिन बरबीघा बाजार में छोड़कर फरार हो गया। युवती ने बताया कि रविवार को दोनों ने दिल्ली के किसी मंदिर में शादी की थी। शादी के बाद दोनों ट्रेन से बिहारशरीफ लौटे थे। लेकिन मंगलवार को युवक उसे बहाने से बरबीघा ले गया और वहीं छोड़कर भाग गया। युवती ने बताया, 'इंस्टाग्राम पर पिछले पांच महीनों से जुड़े थे, इसी दौरान में प्यार हो गया था।' युवती ने हरनौत थाना प्रभारी अबू तालिब अंसारी को बताया कि इंस्टाग्राम पर प्यार होने के बाद दोनों ने भागकर शादी की थी। उसने यह भी बताया कि वह मूल रूप से हरनौत के मिरदाहाचक की रहने वाली है और उसके पिता अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहते हैं। दिल्ली में ही उनका अपना घर भी है। युवती ने बताया कि उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम पर धीरज नाम के युवक से हुई थी। धीरज भी दिल्ली में ही रहकर काम करता था। हालांकि धीरज ने युवती को बताया था कि वह मूल रूप से बरबीघा के आस-पास के किसी गांव का रहने वाला है। हरनौत थानाध्यक्ष अबू तालीब अंसारी ने बताया कि युवती के परिजनों से बात की गई है। उन्होंने बताया, 'युवती के परिजनों से बात की गई है, गांव में जो परिवार हैं, उनसे भी संपर्क किया गया है। युवक का पता लगाया जा रहा है, दिल्ली से भागकर दोनों यहां आए हैं। फिर युवक यहां युवती को छोड़ फरार हो गया है। मामला जो भी हो जांच की जा रही है। जल्द युवती के परिवार वाले आएंगे।

बिहार उपचुनाव में और गहरे होने लगे परिवारवाद और बाहुबल के रंग

सेट हुआ फॉमूर्ला यह है ताजा समीकरण

पटना,दीपक कुमार तिवारी। बिहार की राजनीति अब बदलते मुद्दे पर उड़ान भरने लगी है। इस नए रंग में न तो परिवारवाद कोई मुद्दा रह गया है और न ही बाहुबल। लगभग हर दल इस उपचुनाव में किस्मत आजमा रहा है। अब उन्हें इस परिवारवाद और बाहुबल से कोई परहेज नहीं है। बिहार में चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में परिवारवाद और बाहुबल के रंग कुछ ज्यादा ही गहरे हो गए हैं। हद तो यह है कि कल तक बेहतर सुशासन जिनका मुद्दा था, आज बाहुबल के वे भी कायल हो गए हैं। चुनाव का यह रंग तब दिख रहा है, जब इसे आगामी विधानसभा चुनाव के पहले का सेमीफाइनल माना जा रहा है।

राज्य में चार विधानसभा सीटों तरारी, इमामगंज, बेलगंज और रामगढ़ में 13 नवंबर को चुनाव होने जा रहा है। वजह यह है कि तरारी के विधायक सुदामा प्रसाद, इमामगंज के विधायक जीतन राम मांझी, रामगढ़ के विधायक सुधाकर सिंह और बेलागंज विधानसभा के विधायक सुरेंद्र यादव सांसद बन गए हैं। और इस चुनाव का नजारा है कि प्रमुख दलों ने जीत के समीकरण में परिवारवाद का सहारा लिया है। बेलागंज विधानसभा की पहचान बाहुबली सुरेंद्र यादव से बनी है। लगभग 8 बार के विधायक रहे सुरेंद्र यादव के जीतने के बाद यह विधानसभा क्षेत्र सुरेंद्र यादव के लिए विरासत जैसा हो गया। यही वजह भी है कि सुरेंद्र यादव जब सांसद बने तो अपने 'युवराज' विश्वनाथ यादव को बेलागंज की विरासत सौंप दी। इनके विरुद्ध दम दिखा रही जदयू की मनोरमा देवी पर भी परिवारवाद का आरोप लगता है। जदयू उम्मीदवार मनोरमा देवी गया के चर्चित बाहुबली बिंदेश्वरी प्रसाद यादव की पत्नी हैं। हालांकि मनोरमा देवी आपने पुत्र रॉकी यादव को बेलागंज विधानसभा से स्थापित करना चाहती थीं, पर एक हत्या कांड के अभियुक्त बन जाने के कारण जदयू नेतृत्व ने मनोरमा देवी को टिकट दिया।

मनोरमा देवी को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी आवाज उठने लगी है कि आखिर सुशासन की बात करने वाली पार्टी ने उस मनोरमा देवी को टिकट क्यों दी, जिसके घर पर एनआईए का छपा पड़ा। और इस छापेमारी में 4.3 करोड़ रुपये और 10 हथियार मिले थे। इसके साथ साथ मनोरमा देवी के नक्सल कनेक्शन का भी आरोप लगाया था। बहरहाल मनोरमा देवी को चुनावी मैदान में उतरकर जदयू का सुशासन सवालों के घेरे में आ गया। रामगढ़ विधानसभा सीट की पहचान भी वर्तमान में राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह से थी। जगदानंद सिंह वर्ष 1985 से 2005 तक लगातार यहां से विधायक रहे। बीच में अंबिका यादव विधायक रहे, लेकिन 2020 के रामगढ़ विधानसभा चुनाव में राजद ने परिवारवाद का परचम लहराते जगदानंद सिंह के बड़े बेटे सुधाकर सिंह को खड़ा किया। सुधाकर सिंह ये चुनाव जीते और कृषि मंत्री भी बने।

अब बक्सर लोकसभा से सुधाकर सिंह सांसद बने तो अपनी गद्दी अपनी ही विरासत यानी छोटे भाई अजीत सिंह को सौंप दी। राजद नेतृत्व ने भी परिवारवाद का समर्थन करते रामगढ़ विधान सभा से जगदानंद सिंह के छोटे बेटे अजीत सिंह को चुनावी रण में उतार दिया है। एनडीए की राजनीति के तहत तरारी भाजपा के खाते में आई। भाजपा ने तरारी के कड़े संघर्ष में बाहुबली सुनील पांडे पर भरोसा की। हत्या के आरोप से घिरे सुनील पांडे पर जब भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने सहमति नहीं जताई तो उन्होंने अपने पुत्र विशाल प्रशांत को आगे कर तरारी की लड़ाई को परिवारवाद की जंग में तब्दील कर दिया। इमामगंज विधानसभा सीट को लेकर तो जीतन राम मांझी के घर में ही घमासान मचा था।

जीतन राम मांझी के परिवार में उनका बेटा, बहू और समधिन का बेटा यानि जीतन राम मांझी का दामाद भी इमामगंज से लड़ने का दावा ठोक रहे थे। और अंततः जीतन राम मांझी ने अपनी बहू दीपा मांझी को विधान सभा का टिकट थमाया। दरअसल जिस तरह से किसी भी चुनाव में महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी मुद्दा नहीं बनता ठीक वैसे ही परिवारवाद, बाहुबल अब चुनाव में मुद्दा नहीं बनता। लोकतंत्र में अब परिवारवाद और बाहुबल को भी स्वीकृति दे दी है। गौर करें तो आने वाले दिनों में कहीं कार्यकर्ता सिर्फ वोट देने के दावेदार ही न रह जाएं। सामान्य कार्यकर्ता टिकट के दावेदार नहीं हो सकते, बस लोकतंत्र में यह देखना शायद शेष रह जाएगा। हैरतअंगेज तो यह है कि जिस पार्टी ने परिवारवाद के विरुद्ध रह कर लोकतंत्र में जगह बनाई, अब उनकी गाड़ी भी परिवारवाद की पटरी पर दौड़ने लगी है। सत्ता के खेल में अब सब जायज है, ठीक युद्ध और प्यार की जंग की तरह।

गजब है ट्रैफिक पुलिस! सीट बेल्ट न लगाने पर बाइक सवार का कटा कार वाला चालान

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से ट्रैफिक चालान का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बाइक सवार को सीट बेल्ट नहीं लगाने पर कार वाला चालान काट दिया गया। विश्वजीत आनंद नाम के इस शख्स को वैशाली से मुजफ्फरपुर आते समय ट्रैफिक पुलिस ने रोका और 1000 रुपये का चालान काट दिया। हैरानी की बात यह है कि चालान मोटरसाइकिल के लिए नहीं बल्कि कार के लिए काटा गया था, और उसमें सीट बेल्ट नहीं पहनने का हवाला दिया गया था।

3 फरवरी को हुई इस घटना के बाद से विश्वजीत आनंद परिवहन विभाग के चक्कर काट रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह अपनी हीरो स्पलेंडर मोटरसाइकिल से वैशाली से मुजफ्फरपुर आ रहे थे, तभी मिठनपुरा थाना क्षेत्र के शेरपुर में ट्रैफिक पुलिस ने उनकी बाइक की जांच की। जांच के बाद अधिकारियों ने उन्हें 1000 रुपये का चालान थमा दिया, जिसमें सीट बेल्ट नहीं पहनने का उल्लेख था। चालान में कार की फोटो है, लेकिन नंबर बाइक का है। चालान देखकर विश्वजीत आनंद हैरान रह गए। उन्होंने बताया, 'जुमार्ना लगाने के बाद से मैं चालान में सुधार के लिए परिवहन विभाग के कार्यालय के चक्कर काट रहा हूं।' उन्होंने कहा कि उन्हें यातायात नियम 194इ के तहत चालान दिया गया है, जो कार में सीट बेल्ट नहीं पहनने पर लागू होता है, जबकि वह तो बाइक चला रहे थे। विश्वजीत ने बताया कि उन्होंने इस गलती को सुधारने के लिए परिवहन विभाग में आवेदन दिया था, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस वजह से बाइक का पॉल्यूशन सर्टिफिकेट भी नहीं बन पा रहा है। इधर इस घटना की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वैशाली ट्रैफिक विभाग की जमकर किरकिरी हो रही है। हालांकि विभाग के कर्मचारी इसे मानवीय भूल बता रहे हैं, लेकिन इस घटना ने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आई फोन के लिए ऐसी दीवानगी!

नालन्दा,संवाददाता। बिहार के नालंदा जिले से आईफोन की दीवानगी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिससे हर कोई हैरान है। मामला जिले के दीपनगर का है। यहां एक स्कूल संचालक के बेटे ने आईफोन खरीदने के लिए अपने ही घर में डकैती करवा दी। बेटे ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के 12 घंटे के अंदर ही पुलिस ने बेटे और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने लूटे गए पैसे और जेवरात भी बरामद कर लिए हैं।

नाबालिग बेटे ने घर में किया ऐसा 'कांड'

जानकर पुलिस भी हैरान

घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के सर्वोदय नगर मोहल्ले की है। 22 अक्टूबर की शाम को स्कूल संचालक शिवशंकर पांडेय ने दीपनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि '15-16 वर्षीय बेटे को घर में बाहर से ताला बंद कर विद्यालय गए थे। लौटने पर उनके बेटे ने बताया कि चार नकाबपोश बदमाश घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और उसे बंधक बनाकर अलमारी से 1 लाख 6 हजार रुपये नकद और आभूषण लूट लिए। पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पुलिस को अलमारी का लॉकर कटर से कटा हुआ मिला। इससे पुलिस को शक हुआ कि यह लूट की साजिश हो सकती है। शुरूआत में पीड़ित शिवशंकर पांडेय ने अपनी बहू पर शक जताया, लेकिन पुलिस को पिता और बेटे के बयानों में अंतर दिखाई दिया। पुलिस ने जब बेटे से सख्ती से पूछताछ की तो पूरा मामला खुल गया। बेटे ने बताया कि उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई थी। वह आईफोन-15 खरीदना चाहता था। इसके लिए उसने घर की नकली चाबियां बनवाईं और अपने दोस्तों को बुलाया। फिर उन्होंने कटर से अलमारी काटकर रुपये और गहने चुराए। अपने पिता को गुमराह करने के लिए उसने खुद को बंधक बनाए जाने की झूठी कहानी गढ़ी थी। पुलिस ने बताया कि 'बेटे की निशानदेही पर तीन दोस्तों को गिरफ्तार किया। इसके पास से 1 लाख 780 रुपए और जेवरात बरामद हुआ।' सदर डीएसपी नुरुल हक ने इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिहारवालों...इस वायरस से बचकर रहिएगा!

एक दिन में 234 लोग हो गए पॉजिटिव

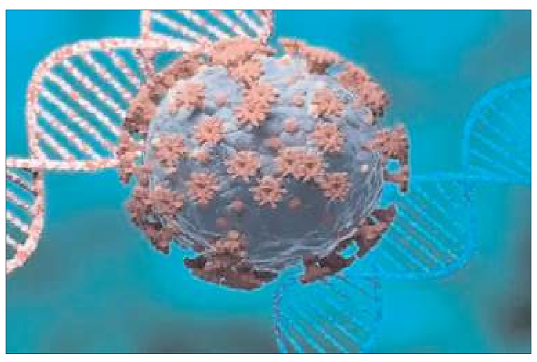

पटना,संवाददाता। बिहार में डेंगू मरीजों की लगातार बढ़ रही संख्या ने त्योहार के इस मौसम में लोगों में डर बैठा दिया है। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन हालांकि डेंगू से बचने को लेकर सभी तरह की सावधानी बरतने में जुटी है। सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो प्रदेश में डेंगू मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इस साल प्रदेश में अब तक डेंगू के 5,888 मरीज सामने आ चुके हैं, जिसमे सिर्फ पटना के 2,920 लोग शामिल हैं। बिहार में सिर्फ मंगलवार को एक दिन में सबसे अधिक 234 डेंगू मरीजों की पुष्टि हुई है। इधर, सरकारी अस्पतालों में डेंगू के संभावित मरीजों की संख्या जांच के लिए पहुंच रही है। कई डेंगू मरीजों का इलाज घर पर ही चल रहा है। आंकडों के अनुसार, 14 अक्टूबर को राज्य में 130 डेंगू मरीजों की पहचान की गई थी जबकि 15 अक्टूबर को 146 डेंगू से पीड़ित लोग सामने आए थे। 18 और 19 अक्टूबर को 198 - 198 मरीजों की पहचान की गई थी।

इधर, स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू से निबटने के लिए सभी जिलों को अलर्ट किया है। बताया गया कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 30 बेड, जिला अस्पतालों में पांच बेड, प्राथमिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी दो -दो बेड डेंगू मरीजों के लिए आरक्षित रखने के लिए कहा गया है। पटना जिला संक्रामक रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र प्रसाद ने बताया कि पटना के कई इलाकों में डेंगू मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि पटना में 14 अक्टूबर को 58 मरीज सामने आए थे। जबकि 19 अक्टूबर को 105 मरीज सामने आए थे। दावा किया जा रहा है कि जो लोग डेंगू की चपेट में आये हैं उनके घर और आसपास के क्षेत्रों में फॉगिंग और लावार्साइडल का छिड़काव किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पाटलिपुत्र अंचल में अब तक 425 से अधिक मरीजों के घरों और उसके आसपास फॉगिंग की जा चुकी है। इधर, सरकारी अस्पतालों के ओपीडी में भी मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

विधायक ने किया सड़क और चबूतरा निर्माण कार्य का शिलान्यास

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। जिले के बन्दरा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना (विधायक कोष) के तहत लगभग 10 लाख रुपये की लागत से एक सड़क और दो चबूतरा निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस योजना के अंतर्गत सिमरा पंचायत, वार्ड संख्या 8 के सहनी टोला में सुरेंद्र राम के घर से रामश्रेष्ठ राम के घर तक पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य,नुनफारा पंचायत के मोहनपुर गांव में ब्रह्मस्थान के निकट चबूतरा निर्माण कार्य एवं ब्रह्मोतरा गांव में ब्रह्मस्थान के निकट चबूतरा निर्माण कार्य का शिलान्यास शामिल है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से आतिथ्य स्वागत किया, जिससे आयोजक अभिभूत हुए। इस अवसर पर राजद प्रखंड अध्यक्ष रविन्द्र सहनी, जिला महासचिव विनय कुमार यादव, पूर्व मुखिया मनोज गुप्ता, दिलीप कुमार चौधरी,राहुल यादव, अजय कुमार चौधरी, नागेश्वर साहनी, अमरेश कुमार पप्पू, दिनेश राय, महिला अध्यक्ष रीना रजक, मिथिलेश यादव, रामबाबू राय आदि उपस्थित थे।

वरिष्ठ साहित्यकार अंजनी कुमार पाठक 'जगन्नाथ प्रसाद मिश्र गौड "कमल" सम्मान' से सम्मानित

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। शहर के वरिष्ठ साहित्यकार और चर्चित गीतकार अँजनी कुमार पाठक को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन, पटना के 106वें स्थापना दिवस एवं 43वें महाधिवेशन में 'जगन्नाथ प्रसाद मिश्र गौड "कमल" सम्मान' से विभूषित किया गया। अँजनी कुमार पाठक अपनी साहित्यिक उपलब्धियों के लिए जाने जाते हैं और इस सम्मान ने उनके साहित्यिक योगदान को और प्रतिष्ठित किया है। इस सम्मान के बाद मुजफ्फरपुर के साहित्य जगत में खुशी का माहौल है। उन्हें बधाई देने वालों में डॉ. हरिकिशोर प्रसाद सिंह, डॉ. सोनी सुमन, डॉ. अनु शाण्डिल्य, डॉ. जगदीश शर्मा, सविता राज, उमेश राज, हेमा सिंह, मधुमंगल ठाकुर, प्रमोद नारायण मिश्र, आदित्य रहबर, मोहन सिंह, उदय नारायण सिंह, नरेश कुमार, आदर्श विक्रम, आनंद गौरव, और दुर्गेश मोहन शामिल हैं।

बिहार पैक्स चुनाव: हर पद के लिए अलग रंग के बैलेट पेपर से होगी वोटिंग

25 अक्टूबर को आएगी फाइनल वोटर लिस्ट

पटना,संवाददाता। बिहार में अगले महीने से शुरू होने वाले पैक्स चुनाव की तैयारी पूरी हो चुकी है। दावा-आपत्ति की समय सीमा खत्म हो चुकी है और 25 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी। चुनाव 26 नवंबर से 3 दिसंबर तक पांच चरणों में होंगे। इस बार 6422 पैक्स के लिए वोटिंग बैलेट पेपर से होगी। पैक्स चुनाव में इस बार मतगणना को आसान बनाने के लिए हर पद के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्रों (बैलेट पेपर) का इस्तेमाल किया जाएगा। अध्यक्ष पद के लिए लाल, पिछड़ा वर्ग (एनेक्सर-2) से प्रबंध समिति सदस्य के लिए हरा, अति पिछड़ा वर्ग (एनेक्सर-1) से प्रबंध समिति सदस्य के लिए सफेद, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से प्रबंध समिति सदस्य के लिए आसमानी और सामान्य वर्ग से प्रबंध समिति सदस्य के लिए नारंगी रंग के मतपत्र होंगे। बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार ने सभी निर्वाचन अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। प्राधिकार ने चुनाव की तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए हैं। पैक्स में कुल 12 पदों के लिए चुनाव होने हैं जिसमें अध्यक्ष और सचिव पद अनारक्षित हैं। बाकी 10 पदों में से 5 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

आरक्षित वर्गों के लिए निर्धारित रंगों वाले मतपत्रों पर एक महिला उम्मीदवार के नाम के सामने मुहर लगाना अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए हरे रंग के मतपत्र पर पिछड़ा वर्ग (एनेक्सर-2) से एक महिला उम्मीदवार और बाकी उम्मीदवारों में से किसी एक (पुरुष या महिला) के सामने मुहर लगानी होगी। इसी तरह सफेद और आसमानी रंग के मतपत्रों पर भी एक महिला उम्मीदवार के साथ-साथ किसी एक अन्य उम्मीदवार को वोट देना होगा।अध्यक्ष पद के लिए लाल रंग के मतपत्र पर अपनी पसंद के उम्मीदवार के नाम के सामने स्वास्तिक चिन्ह वाली मुहर लगानी होगी।

चरण सिंह

विचार

उप चुनाव में यूपी से बड़ा संदेश देंगे योगी आदित्यनाथ!

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने वह जगह बनाई है कि उप चुनाव में वह ही सब फैसले ले रहे हैं। सहयोगी दल निषाद पार्टी के मुखिया संजय निषाद भले ही दिल्ली तक के चक्कर लगा आये हों पर उनको ही नहीं बल्कि भाजपा के दूसरे नेताओं को भी यह समझ लेना चाहिए कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी मतलब योगी आदित्यनाथ है। योगी आदित्यनाथ इन उप चुनाव में यह संदेश देना चाहते हैं कि लोकसभा चुनाव में यदि उनके हिसाब से चुनाव लड़ा जाता तो सीटें कम न होती। योगी आदित्यनाथ का प्रयास है कि उपचुनाव में नौ सीटों में से अधिकतम सीटें जीतकर २०२७ के विधानसभा चुनाव के लिए एक बड़ा दबाव बनाया जाए। यही वजह है कि वह सभी नौ सीटों पर बीजेपी सिंबल पर चुनाव लड़ाना चाहते हैं।

दरअसल संजय निषाद चाहते हैं कि मंझवा और कटेहरी सीट पर उनका प्रत्याशी लड़ाया जाए। वह भी उनके सिंबल पर। यही वजह है कि उन्होंने ये सीटें उनको मिलने की स्थिति में हारने की बात भी कह दी। देखने की बात यह है कि संजय निषाद की वार्ता बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी हो चुकी है पर कोई राहत नहीं मिली। मतलब उत्तर प्रदेश में उप चुनाव के सभी निर्णय योगी आदित्यनाथ को लेने हैं। दरअसल संजय निषाद उस समय केशव प्रसाद मौर्य के साथ थे जब केशव प्रसाद ने योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। हालांकि बीच में संजय निषाद योगी आदित्यनाथ से भी मिले थे फिर भी उन्हें सीट नहीं मिल पा रही है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या सीटें न मिलने की स्थिति में संजय निषाद अपनी पार्टी से गठबंधन से अलग चुनाव लड़ सकते हैं? ऐसे में लगता नहीं है कि संजय निषाद गठबंधन से बगावत करेंगे।

दरअसल गत लोकसभा चुनाव में जब बीजेपी ३६ सीटों पर सिमट कर रह गई और सपा ३७ सीटें जीत गई तो योगी आदित्यनाथ गृह मंत्री अमित शाह लॉबी के निशाने पर आ गये थे। यह माना जा रहा था कि यदि बीजेपी की अपने दम पर केंद्र में सरकार नहीं बनी तो उसकी बड़ी वजह उत्तर प्रदेश में सीटें कम आना था। बीजेपी को एनडीए को मिले बहुमत पर ही संतोष करना पड़। ऐसे में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक, यूपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह सभी नेता हार का ठीकरा योगी आदित्यनाथ के सिर फोड़ने में लग गये थे। तब जानकारी मिली थी कि गृहमंत्री अमित शाह की मनमानी के चलते योगी आदित्यनाथ की बिना सहमति के ३२ ऐसी सीटों पर चुनाव लड़ाया गया था जहां पर योगी आदित्यनाथ चुनाव लड़ाना नहीं चाहते थे। योगी अपनी बात पर अड़े रहे। अंततज आरएसएस ने हस्तक्षेप कर योगी आदित्यनाथ का बचाव किया और केशव प्रसाद मौर्य लॉबी पर शिकंजा कसा गया। बीजेपी नेतृत्व ने निर्णय लिया कि उत्तर प्रदेश का उप चुनाव योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में लड़ा जाएगा। उप चुनाव में योगी ही सभी निर्णय लेने के लिए अधिकृत होंगे। ऐसे में सहयोगी दलों के इधर-उधर हाथ पैर मारने से कोई फायदा नहीं होने वाला है। जो भी निर्णय लेना है वह योगी आदित्यनाथ को ही लेना है।

संजय निषाद को यह समझ लेना चाहिए कि जब गृहमंत्री और प्रधानमंत्री का हर प्रदेश में हस्तक्षेप था उ समय योगी आदित्यनाथ ने अपने हिसाब से उत्तर प्रदेश को चलाया। दरअसल आरएसएस का हाथ योगी आदित्यनाथ के सिर पर है। उप चुनाव में भी आरएसएस की टीम पूरी तरह से लग गई है। खुद मोहन भागवत ने योगी आदित्यनाथ के साथ मीटिंग की है।

देश की प्रगति में रोड़ा बनता मधुमेह

-पंकज चतुर्वेदी-

मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन और आइसीएमआर के शोध के अनुसार, चिप्स, कुकीज, केक, फ्राइड फूड और मेयोनीज जैसी चीजों के सेवन से डायबिटीज का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। रिसर्च में कहा गया है कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की वजह से भारत डायबिटीज की राजधानी बनता जा रहा है। भारत की कोई 8.29 करोड़ वयस्क आबादी का 8.8 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह की चपेट में है। अनुमान है कि 2045 तक यह संख्या 13 करोड़ से अधिक हो जायेगी। यह वह काल होगा, जब बुजुर्गों की संख्या भी बढ़ेगी।

मधुमेह वैसे तो खुद एक रोग है, पर इससे मरीजों की जेब भी खोखली हो रही है और मानव संसाधन की कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में लोगों ने एक साल में डायबिटीज या उससे उपजी बीमारियों पर सवा दो लाख करोड़ रुपये खर्च किये, जो हमारे सालाना बजट का 10 फीसदी है। बीते दो दशक में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या में 65 प्रतिशत की बढ़ोतरी बेहद चिंताजनक है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह रोग फिलहाल चिकित्सा जगत के लिए महज कमाई का जरिया है। दर्जनों किस्म के डायबिटीज मॉनिटर, हजारों किस्म की आयुर्वेदिक दवाएं और नुस्खे बेचे जा रहे हैं। लंदन में यदि किसी को मधुमेह है, तो पूरे परिवार का इलाज निशुल्क है। भारत में ऐसा कोई संवेदनशील नजरिया नहीं हैं।

एक अनुमान है कि एक मधुमेह मरीज को औसतन 4, 200 से 5, 000 रुपये दवा पर खर्च करने पड़ते हैं। यह रोग ग्रामीण, गरीब बस्तियों और तीस साल तक के युवाओं को भी शिकार बना रहा है। डायबिटीज खराब जीवन शैली से उपजने वाला रोग है, तभी बेरोजगारी, अधिक भौतिक सुख जोड़ने की अंधी दौड़ खून में शर्करा की मात्रा बढ़ा ही रही है, कुपोषण, घटिया गुणवत्ता वाला पैक्ड भोजन भी मरीजों की संख्या बढ़ाने का बड़ा कारक है। लेह-लद्दाख पहाड़ी इलाका है, जहां लोग खूब पैदल चलते थे, मेहनत करते थे, सो कभी बीमार नहीं होते थे।

पिछले कुछ दशकों में वहां बाहरी प्रभाव और पर्यटक बढ़े। बाहरी दखल के चलते यहां चीनी का इस्तेमाल होने लगा। अब वहां डायबिटीज जैसे रोग घर कर रहे हैं। दवा कंपनी सनोफी इंडिया के एक सर्वे में डरावने तथ्य सामने आये हैं कि मधुमेह की चपेट में आये लोगों में से 14.4 फीसदी को किडनी और 13.1 को आंखों की रौशनी जाने का रोग लग जाता है, 14.4 प्रतिशत मरीजों के पैरों की धमनियां जवाब दे जाती हैं, जिससे उनके पैर खराब हो जाते हैं तथा लगभग 20 फीसदी लोग दिल की किसी बीमारी के चपेट में आ जाते हैं। इतना ही नहीं, 6.9 प्रतिशत लोगों को न्यूरो यानी तंत्रिका से संबंधित दिक्कतें भी होती हैं। अमेरिकी मानक संस्थाओं ने भारत में रक्त में चीनी की मात्रा को कुछ अधिक दर्ज करवाया है, जिससे प्री-डायबिटीज वाले भी दवाओं के फेर में आ जाते हैं। यह सभी जानते हैं कि एक बार डायबिटीज हो जाने पर मरीज को जिंदगी भर दवा खानी पड़ती है। मधुमेह नियंत्रण के साथ-साथ रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की दवाएं लेना आम बात है। किडनी बचाने की दवा भी लेनी पड़ती है। जब इतनी दवा लेंगे, तो पेट में बनने वाले अम्ल के नाश के लिए भी दवा जरूरी है, जिसे नियंत्रित करने के लिए कोई मल्टी-विटामिन भी अनिवार्य है। एक साथ इतनी दवाओं के बाद लीवर पर असर पड़ेगा ही। इसमें शुगर मापने वाली मशीनों व दीगर जांचों को तो जोड़ा ही नहीं गया है। दूरस्थ अंचलों की बात तो जाने दें, महानगरों में ही हजारों ऐसे लैब हैं, जिनकी जांच रिपोर्ट संदिग्ध रहती है। प्रधानमंत्री आरोग्य योजना के तहत इलाज की निशुल्क व्यवस्था में मधुमेह जैसे रोगों के लिए जगह नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं की जर्जरता की बानगी सरकार की सबसे प्रीमियम स्वास्थ्य योजना सीजीएचएस यानी केंद्रीय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा है, जिसके तहत पत्रकार, पूर्व सांसद आदि भी आते हैं।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

> भारतीय शहरों में प्रदूषण की समस्या बेहद आम है। रिसर्च के मुताबिक भारत के करीब 60 फीसदी शहरों में हवा स्वीकार्य सीमा से भी सात गुणा ज्यादा प्रदूषित है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र, जहाँ शहरीकरण जारी है, पर्याप्त परिवहन प्रबंधन, उपयुक्त सड़कें और उद्योगों के अनियोजित वितरण जैसी सेवाओं की कमी के कारण वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्याओं से पीड़ित हैं।

भारतीय शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या

दुनिया के सबसे खराब वायु प्रदूषण वाले 30 शहरों में से 21 भारत में हैं। राजधानी नई दिल्ली में दुनिया भर के राजधानी शहरों में सबसे खराब वायु गुणवत्ता है। नई दिल्ली में पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) की सांद्रता विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से लगभग 10 गुना अधिक है। इन शहरों में मौजूद भारी प्रदूषण यहाँ रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है, जो इन्हें हर गुजरते दिन के साथ कहीं ज्यादा बीमार बना रहा है। यदि जीवन प्रत्याशा के लिहाज से देखें तो भारतीय शहरों में मौजूद प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। जो हर भारतीय से उसके जीवन के औसतन 5.3 वर्ष छीन रहा है। भारतीय शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या के बीच सम्बंध आर्थिक विकास के लिए शहरी विरासत के सतत संरक्षण और उपयोग के विचार पर टिका है। टिकाऊ प्रथाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करके, शहर एक साथ वायु प्रदूषण का समाधान कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, ऐतिहासिक इमारतों का अनुकूली पुनः उपयोग नए निर्माण की आवश्यकता को कम कर सकता है, जिससे धूल और सम्बंधित वायु प्रदूषक कम हो सकते हैं। इसके अलावा, ऐतिहासिक शहरी क्षेत्रों में स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देने से आर्थिक गतिविधियों को प्रदूषण-गहन उद्योगों से दूर पर्यटन जैसी अधिक टिकाऊ प्रथाओं की ओर स्थानांतरित किया जा सकता है।

भारत जैसे विकासशील राष्ट्र, जहाँ शहरीकरण जारी है, पर्याप्त परिवहन प्रबंधन, उपयुक्त सड़कें और उद्योगों के अनियोजित वितरण जैसी सेवाओं की कमी के कारण वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्याओं से पीड़ित हैं। शहरों में भीड़भाड़ वाली सड़कें वाहनों की औसत गति को कम करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप वाहनों से होने वाला उत्सर्जन अधिक होता है, जिससे वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ता है और अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और जनसंख्या वृद्धि के साथ मिलकर वायु प्रदूषण के स्तर को बढ़ाकर मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, जिससे कई स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा हो रही हैं। इसके अतिरिक्त, इन शहरी क्षेत्रों में जटिल और गहन मानवीय गतिविधियाँ प्रदूषकों के उत्सर्जन को बढ़ाकर समस्या को बढ़ा रही हैं। प्रदूषण और धुंध से निपटने के प्रयास अक्सर शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित होते हैं। इनकी रोकथाम के लिए सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना या उद्योगों और निर्माण स्थलों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना जैसे उपायों पर ही ध्यान केंद्रित किया जाता है।

वहीं आमतौर पर इन उपायों में ग्रामीण स्त्रोतों की अनदेखी कर दी जाती है। यही वजह है कि अपने इस अध्ययन में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए शोधकताओं ने क्षेत्रीय स्तर पर प्रयास करने का सुझाव दिया है। निजी स्वामित्व वाली ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण को प्रोत्साहित करने से मौजूदा शहरी परिदृश्य को बनाए रखते हुए, वायु प्रदूषण में योगदान देने वाले शहरी फैलाव को कम किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सतत शहरीकरण के लिए आवश्यक नीतियाँ बनानी अत्यंत जरूरी है। भारतीय शहरों में छोटे व्यवसायों और कारीगरों को समर्थन देने के लिए माइक्रोक्रेडिट और ऋण जैसे वित्तीय उपकरण अधिक से अधिक मात्रा में उपलब्ध कराए जा सकते हैं, जो प्रदूषणकारी गतिविधियों से दूर जाने को प्रोत्साहित करेंगे। इसके अलावा, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के उपयोग के लिए वित्तीय प्रोत्साहन राष्ट्रीय और नगरपालिका दोनों स्तरों पर लागू किया जा सकता है।

पर्यावरण सम्बंधी नीतियों को शहरी नियोजन को विरासत संरक्षण के साथ एकीकृत करना चाहिए, जैसा कि चीन के प्राचीन शहर पिंग याओ जैसे सफल मामलों से उजागर हुआ है। ऐसी एकीकृत नीतियों के माध्यम से शहरी फैलाव का प्रबंधन सीधे वायु प्रदूषण में कमी पर प्रभाव डाल सकता है। सामाजिक आवास या एसएमई के लिए ऐतिहासिक इमारतों के अनुकूली पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करने से निर्माण-सम्बंधी वायु प्रदूषण को कम करने में योगदान मिल सकता है जो भारतीय शहरी केंद्रों में प्रमुख है। ऐतिहासिक शहरी क्षेत्रों के भीतर स्थानीय आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए वित्तीय नीतियों को आगे बढ़ाने से भारी उद्योगों पर निर्भरता कम हो सकती है और सांस्कृतिक उद्यमों और टिकाऊ पर्यटन जैसे कम प्रदूषण वाले क्षेत्रों को बढ़ावा मिल सकता है। भू-स्थानिक तकनीकों के साथ उपग्रह डेटा जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन तथा सम्बंधित स्वास्थ्य प्रभावों के स्थानिक-अस्थायी वितरण पैटर्न की निगरानी और मानचित्रण में बहुत मददगार हो सकता है। इसलिए, भारत जैसे विकासशील देशों में स्मार्ट शहरों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों से बचने के लिए टिकाऊ शहरी पर्यावरण के लिए उचित शहरी नियोजन और टिकाऊ उपाय किए जाने चाहिए।

राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों के बीच नीतिगत सामंजस्य और समन्वय यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि शहरी विरासत संरक्षण के वित्तपोषण के लिए नवीन रणनीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, जिससे स्थायी विकास को बढ़ावा देकर अप्रत्यक्ष रूप से वायु गुणवत्ता प्रभावित हो। शहरी विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो टिकाऊ आजीविका को बढ़ावा देने के लिए नवीन वित्तीय उपकरणों के साथ हमारी ऐतिहासिक शहरी विरासत के संरक्षण को एकीकृत करें। भारतीय शहर अंतरराष्ट्रीय सवोत्तम प्रथाओं से सीख सकते हैं और ऐसी नीतियों को अपना सकते हैं जो संरक्षण प्रयासों को आर्थिक प्रोत्साहन के साथ जोड़ते हैं। इसके अतिरिक्त एक शहरी वातावरण को बढ़ावा दिया जा सकता है जो न केवल अपने अतीत को संरक्षित करता हो बल्कि अपने नागरिकों के लिए एक स्वस्थ, कम प्रदूषित भविष्य भी सुरक्षित करता हो। चूँकि शहरी भारत विरासत के संरक्षण और सतत विकास की आवश्यकता के मध्य खड़ा है, ऐसे में नवीन वित्तपोषण तंत्र और नीतियाँ हैं अपनाना अपेक्षित है, जो इसके शहरों को सभी के लिए लचीले, समावेशी और प्रदूषण मुक्त आवासों में बदलने में सक्षम बनाएंगी।

-राकेश अचल-

अब चांदी ही चांदी, मगर किसकी?

आज कोई पोलटिकल या कम्युनल बात नहीं होगी क्योंकि आज का मुद्दा तेजी से उछल रही चांदी है चांदी को रजत भी कहा जाता है। रजतपट का नाम तो आपने सुना ही होगा। चांदी इतनी तेजी से उछल रही है कि देखने वाले भौंचक हैं। इतना तेज तो हमारे एथलीट भी नहीं उछल पाते चांदी न खाने के काम आती है न आईस्क्रीम बनाने के काम लेकिन चांदी के भाव आसमान छूकर आसमान से भी ऊपर किसी तीसरे -चौथे ग्रह से आगे निकल गए हैं।

चांदी आम आदमी की धातु है। आम आदमी से मतलब गरीब-गुरवों की धातु । आदिवासियों की धातु। दवाओं और मिठाइयों को सजाने के लिए वर्क बनाने के काम आने वाली धातु। लेकिन अब इस चांदी को भी बाजार की नजर लग गयी है। चांदी हो या सोना या पीतल हमारे यहां धनतेरस पर खरीदा जाता है। परम्परा है। ज्योतिषी ऐसे योग बता देते हैं कि हैसियत हो या न हो बिना खरीदारी के मन नहीं मानता। अब धनतेरस और दीपावली से पहले जहां सोने की चमक बढ़ती जा रही है, तो वहीं दूसरी कीमती धातु चांदी भी लगातार उछल रही है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को चांदी ने नया मुकाम छू लिया, जी हां, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी मैक्स पर एक किलो चांदी का भाव 1, 00, 000 रुपये के स्तर को छू गया।

चांदी के बढ़ते दाम ही देश की तरक्की का सबसे बड़ा प्रमाण हैं तो हमारा देश बिला शक तरक्की कर रहा है। इतनी तरक्की देश ने पहले कभी नहीं की। अब नहीं की तो नहीं की। हमें हकीकत को तस्लीम करना ही चाहिए। हम कोई विपक्ष तो हैं नहीं जो इस तरक्की को खारिज कर दें ! हमें हकीकत का समाना करना आता है। हमें पता है कि हमारी हैसियत अपने परिवार की महिलाओं के लिए सोने के आभूषण खरीदने की भी नहीं है लेकिन अब हम शायद चांदी के आभूषण भी खरीदने लायक नहीं रहे। ये बात और है कि आजकल मोटे-ताजे अखबारों में चांदी के आभूषणों का कोई विज्ञापन नहीं छपता। केवल स्वर्ण और हीरे के आभूषणों के विज्ञापन आते हैं।

छात्र जीवन में हमने एक बार चांदी पर निबंध लिखा था। उस निबंध की कुछ पंक्तियाँ हमें आज भी याद हैं। जैसे कि - चांदी सफेद चमकदार धातु है। चांदी ऊष्मा व विद्युत की सबसे अच्छी सुचालक है। चांदी का परमाणु भार 107.88, विशिष्ट घनत्व 10.55 से 9.87 तक, विशिष्ट ऊष्मा लगभग 0.56 तथा रेखीय प्रसारगुणक 1ट से 100ट सें. के बीच 0.0000194 है। दुनिया का तो पता नहीं किन्तु हमारे देश में चांदी का उपयोग सिक्के व आभूषण बर्तन बनाने के अलावा, फोटोग्राफी में काम आने वाले सिल्वर ब्रोमाइड बनाने में किया जाता है। चांदी के द्वारा अमलगम बना कर इससे दर्पण बनाये जाते हैं व दाँतों में भरने के काम आता है। चांदी से बनी मिश्रधातुयें अत्यधिक उपयोगी होती हैं। आयुर्वेद वाले स्वर्ण भस्म की तरह चांदी की रजत भस्म बनाकर रोगियों कि तमाम रोग भस्म करने का दावा करते है। लेकिन अब चांदी इतनी महंगी हो गयी है की आप न इसे दांत में भर सकते हैं और न शहद लगाकर चाट सकते हैं। मिठाइयों पार इसके वर्क लगाने का तो ख्वाब भी मत देखिये। चांदी के अक्षरों से कोई इतिहास भी तो नहीं लिखा जाता।

एक लाख प्रति किलो तक आ पहुंची चांदी हमारे जीवन में ही नहीं बल्कि हमारे साहित्य और कहावतों में भी ससम्मान मौजूद है। हम अक्सर कहते हैं कि - फलां साहब की तो चांदी ही चांदी है। या फलां साहब तो मुंह में चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए है। ये साहब या फिर फलां साहब तो आजकल चांदी काट रहे है। कभी किसी ने नहीं कहा की फलां साहब का तो सोना ही सोना है या फलां साहब आजकल सोना काट रहे हैं। ये चांदी का वैभव है कि वो लोक जीवन में सोने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। समाज में चांदी की सिल्ली रखी जाती है लेकिन सोना बिस्किट से ज्यादा बड़ा नहीं हो पाया। भले ही किलो कि दाम सोने कि चांदी से ज्यादा हों, लेकिन किलो कि हिसाब से लोग सोना नहीं चांदी खरीदते है। चांदी आखिर सुरक्षित निवेश का भी तो माध्यम है।

भारत हालांकि कृषि प्रधान देश है लेकिन यहां चांदी की खपत बहुत ज्यादा है। भारत अपनी जरूरत की चांदी पैदा नहीं कर पाता तो उसे विदेशों से चांदी मंगाना पड़ती है। आखिर जनता का ख्याल तो रखना ही पड़ता है ! भारत में इसका बहुत कम उत्पादन होता है। भारत अक्सर बेल्जियम, ब्रिटेन, इटली, पश्चिमी जर्मनी आदि देशों से चांदी का आयात करता हैं। भारत में चांदी - राजस्थान में जावर माइन्स, कर्नाटक में चित्रदुर्ग तथा बेलारी ज़िले, आन्ध्र प्रदेश में कडपा, गुंटूर तथा कुरनूल ज़िले, झारखण्ड में संथाल परगना तथा उत्तराखण्ड में अल्मोड़ा में मिल जाती है। पहले इसका उत्खनन तमिलनाडु के अन्नतपुर में भी किया जाता था जो अब समाप्त हो गया है। पुराने आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1999-2000 के दौरान देश में कुल 53641 किग्रा. चांदी का उत्पादन हुआ था।

चांदी भी छूई-मुई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि चांदी में ये उछाल मध्य पूर्व में बढ़ते जियो-पॉलिटिकल तनाव और आगामी अमेरिकी चुनावों से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण देखने को मिल रहा है. केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टरअजय केडिया का अनुमान है कि मार्च 2025 तक चांदी का भाव 1.3 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुँच सकता है। यानि चांदी को महंगा करने में हमारे देश की गठबंधन या बैशाखनंदन सरकार का कोई हाथ नहीं है। कोई भूमिका नहीं है, इसलिए उसे इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। वैसे भी हमारी सरकार कोई जिम्मेदारी अपने ऊपर कभी लेती नहीं। उसे राम पर भरोसा है और जनता को भी।

हमारी सरकार देश की जनता के, लिए कोई दूसरी जरूरी चीज का आयात करे या न करे लेकिन चांदी का आयात जरूर करती है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि भारत ने जनवरी से अप्रैल के दौरान रिकॉर्ड 4, 172 मीट्रिक टन चांदी का आयात किया, जो एक वर्ष पहले इसी अवधि आयात से 455 टन से अधिक है। ये हमारी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि जरूर है। पिछले बजट में ही हमारी सरकार ने इसीलिए चांदी कि आयात पर शुल्क बढ़ा दिया। यानी आम कि आम और गुठलियों कि दाम जैसी है चांदी। हम सनातनी हिन्दू मुसलमानों की दुकानों से खाने-पीने की चीजें खरीदें या न खरीदें लेकिन चांदी जरूर खरीद लेते है। आप ये जानकर हैरान होंगे कि भारत का अपने मुक्त व्यापार समझौता) साझेदार संयुक्त अरब अमीरात से सोने और चांदी का आयात 2023-24 में 210 प्रतिशत बढ़कर 10.7 अरब डॉलर हो चुका है। जबकि ये इस्लामिक देश है।

चांदी सोने कि मुकाबले में झाँकने में भी आगे है और उछलने में भी। सोने कि कंगन ही खनकते हैं। वे उछल नहीं सकते, लेकिनचांदी जेवर ही नहीं बल्कि खुद चांदी सोने कि मुकाबले 10 फीसदी ज्यादा उछल सकती है। उछल रही है। सोना 20 फीसदी उछला तो चांदी 30 फीसदी उछल गयी। आप यदि न चौंके तो आपको बता दू कि भारत में भले ही 85 करोड़ लोग सरकार कि पांच किलो अनाज पर आने वाले 2028 तक निर्भर रहेंगे लेकिन चांदी को लेकर भारत की दरियादिली कम होने का नाम नहीं लेती। आप मेरी मानें या न मानें किन्तु जीटीआरआई की रिपोर्ट को तो सच मान लीजिये। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर सात प्रतिशत शुल्क या सीमा शुल्क रियायतें और 160 मीट्रिक टन सोने पर एक प्रतिशत रियायत देता है.

-ललित गर्ग-

जहरीली होती हवा से गहराता सांसों का संकट

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में अभी दीपावली आने में कुछ दिन है, उससे पहले ही जहरीली हवा एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनने लगा हैं और जहरीली होती हवा सांसों पर भारी पड़ने लगी है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआइ बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली में औसत एक्यूआइ 293 पहुंच गया है। दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में यह अभी से 300 पार जा चुका है। अतीत का अनुभव बताता है कि आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। बढ़ते वायु प्रदूषण से जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। दिल्ली सरकार जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुटेगा, बच्चों एवं बुजुर्गों के सामने बड़ा संकट खड़ा होगा, अगर दिल्ली सरकार सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर नहीं हैं, वह गंभीर होती तो पहले से कोई ठोस योजना बनाती। दिल्ली के वायु प्रदूषण एवं हवा के जहरीले होने में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का बड़ा योगदान बताया जाता है। उससे निपटने के प्रयासों के दावे भी राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं पर वांछित परिणाम नजर नहीं आते। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बना आयोग भी जिम्मेदारी के निर्वाह में नाकाम नजर आता है।

प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? वैसे प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

सुप्रीम कोर्ट राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर कठोर टिप्पणियां करने के साथ सरकार को कठोर एवं प्रभावी कदम उठाने के लिये जागरूक करती रही है। हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने से रोकने में पंजाब सरकार की नाकामी पर सख्त टिप्पणी भी की। पंजाब और दिल्ली, दोनों ही राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकारें हैं, इसलिए यह आप और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का मुद्दा भी बनता रहता है। ध्यान रहे कि पंजाब और दिल्ली के बीच स्थित राज्य हरियाणा में भाजपा की सरकार है। उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार है, जिसके पश्चिमी क्षेत्र के किसानों पर पराली जलाने का आरोप लगता रहता है। आम आदमी की सेहत ही नहीं, जीवन से भी जुड़े इस जानलेवा मुद्दे पर राजनीति नहीं, बल्कि ठोस समाधान की राह निकलनी चाहिए। हमारे राजनीति दल संवेदनहीन नहीं बल्कि संवेदनशील बने। दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न किये जाये। क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में पिछले कुछ सालों में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है।

तमाम बंदीशों एवं चेतावनियों के दीपावली की रात आतिशबाजी जमकर होती है, इसके कारण पिछले साल अगले दिन वायु प्रदूषण 999 के बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। यह आम आदमी की सेहत, खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 401 से 500 तक के एक्यूआइ को ही ह्यगंभीरह्व एवं खतरनाक माना जाता है। वायु प्रदूषण से जुड़े आंकडे हमें बार-बार सतर्क एवं सावधान करने के साथ डराते भी है। यह डराने वाला ही आंकड़ा है कि भारत में हर साल वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें होती हैं। देश में होने वाली मौतों का यह पांचवां बड़ा कारण है। दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली और पटाखों की ही तरह वाहनों एवं भवन-निर्माण से जुड़ा प्रदूषण भी खतरनाक होता है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया।

इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मठ्ठा डाल सके। ...नहीं, अब तो प्रत्येक राजनीतिक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है। अभी से हर दिन पराली जलाने की घटनाएं दर्ज होने लगी है। क्या इसे रोकना वाकई इतना कठिन है? आखिर दिल्ली, पंजाब के साथ केंद्र सरकार इसके लिए क्या कर रही है कि किसान पराली न जलाएं? सच यह है कि इसके लिए कोई प्रभावी कोशिश हो ही नहीं रही है। किसानों से बात करने का साहस कोई भी सरकार नहीं दिखा रही है। ऐसा माहौल बना दिया गया है, मानो खेती के नाम पर कुछ भी करने की छूट है। इसका कारण राजनीतिक ही है। कोई किसान है, इसका यह अर्थ नहीं कि उसे वातावरण को दमघोंटू बनाने एवं लोगों के जीवन को संकट में डालने का अधिकार है।

अभी से दिल्ली की आबोहवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। दिल्ली की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाउस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

एक नजर

10 लाख टन धान का उठान, कटारूचक्क

चंडीगढ़। पंजाब के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने बुधवार को कहा कि मौजूद मंडीकरण सीजन 2024-25 के लिये धान भंडारण और मिलिंग के लिये 50 प्रतिशत से अधिक चावल मिलों को अलाट होने के साथ सभी जिलों में अब तक कुल 10 लाख टन धान का उठान हो चुका है। श्री कटारूचक्क ने बताया कि कुछ चावल मिलर समूहों की अलाटमेंट एवं मिलिंग में उपेक्षा के कारण शुरूआती बाधाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन अब राज्य भर के सभी जिलों में धान उठान(लिफ्टिंग) प्रक्रिया शुरू कर दी तेजी हो गयी है, आज प्रदेश में दो लाख टन से अधिक धान की लिफ्टिंग हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब में कुल पांच हजार चावल मिलों में से 3,120 मिलों ने आवंटन के लिये पहले ही आवेदन कर दिया है, जिनमें से 2522 चावल मिलों को आवंटित किया जा चुका है। इसके अलावा 100 मिलों का आवंटन आज शाम तक पूरा हो जायेगा। उन्होंने बताया कि लगभग 1550 चावल मिलों ने खरीदे जाने वाले धान के भंडारण और मिलिंग के लिए राज्य एजेंसियों के साथ समझौते किये है, जबकि लगभग 150 प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि उचित खरीद प्रक्रिया सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसानों को अपनी उपज के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। श्री कटारूचक्क ने कहा कि राज्य भर की मंडियों में अब तक कुल 38 लाख टन धान की आमद हुई है, जिसमें से 34.5 लाख टन धान की खरीद की जा चुकी है। मंडियों में धान की आमद लगभग 4.5 लाख टन प्रतिदिन हो गयी है और राज्य में धान की दैनिक खरीद का औसत भी 4.5 लाख टन प्रतिदिन है। उन्होंने कहा, फिलहाल राज्य में बिना बिके धान की आमद एक दिन से भी कम है। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य भर में बारदाना, लेबर और परिवहन सहित सभी आवश्यक प्रबंध किये गये हैं। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भुगतान के बारे में बात करते हुये कहा कि लगभग 5,683 करोड़ रुपये पहले ही किसानों के खातों में सीधे भेजे जा चुके है।

इंडियन ऑयल मुंबई ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया

जालंधर। पूर्व चैंपियन इंडियन ऑयल मुंबई ने कड़े मुकाबले के बाद भारतीय वायु सेना को 1-0 के अंतर से हराकर 41वें इंडियन ऑयल सर्वो सुरजीत हॉकी टूनामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरे मैच में पंजाब पुलिस जालंधर और भारत पेट्रोलियम मुंबई की टीमें 1-1 से बराबरी पर रहीं और उन्हें एक-एक अंक मिला। ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में चल रहे टूनामेंट के पांचवें दिन लीग राउंड के दो मैच खेले गए। पूल ए में पहला मैच पूर्व विजेता इंडियन ऑयल मुंबई और इंडियन एयर फोर्स के बीच हुआ। खेल के पहले तीन क्वार्टर स्कोर रहित रहे। खेल के चौथे क्वार्टर में 53वें मिनट में इंडियन ऑयल को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गुरजिंदर सिंह ने गोल में बदल कर विजयी गोल किया। इंडियन ऑयल ने इससे पहले लीग मैचों में बीएसएफ को हराया था। लीग राउंड में उन्होंने दो मैच जीते और छह अंक हासिल कर पूल ए में पहला स्थान हासिल किया। दूसरा मैच पूल बी में पंजाब पुलिस जालंधर और भारत पेट्रोलियम मुंबई के बीच खेला गया। खेल के पहले दो क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। खेल के 42वें मिनट में भारत पेट्रोलियम के दिपसान तिर्की ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर 1-0 कर दिया। खेल के 45वें मिनट में पंजाब पुलिस के ओलंपियन रूपिंदरपाल सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर 1-1 कर दिया. भारत पेट्रोलियम मुंबई के दो लीग मैचों में ड्रॉ के कारण 2 अंक हैं, क्योंकि भारत पेट्रोलियम ने दोनों मैच ड्रॉ कराये हैं, जबकि पंजाब पुलिस के खाते में एक अंक है, और रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला के खिलाफ 30 मिनट का मैच है, जो फ्लडलाइट में तकनीकी खराबी के कारण स्थगित कर दिया गया था, जो 24 अक्टूबर को खेला जायेगा, उसके बाद पूल बी की स्थिति होगी स्पष्ट। आज के मैचों के मुख्य अतिथि ओलंपियन सुरिंदर सिंह सोढ़ी और पूर्व विधायक पवन टीनू ने टीमों का परिचय दिया। इस अवसर पर तरलोक सिंह भुल्लर (कनाडा), रणबीर सिंह राणा टुट, नत्था सिंह गाखल (गाखल ग्रुप), राम सरन, दलजीत सिंह आईआरएस, लखविंदर पाल सिंह खैरा, राम प्रताप, गुरविंदर सिंह गुल्लू, इकबाल सिंह संधू, लखबीर सिंह नॉर्वे , ओलंपियन राजिंदर सिंह, सुरिंदर सिंह भापा, गुरचरण सिंह चन्नी, दीपक बाली, विरिंदरप्रीत सिंह, तेजा सिंह, नितीश विज, राजीव वर्मा, कुलविंदर सिंह थियारा विशेष रूप से उपस्थित थे।

आप की चार उम्मीदवारों के साथ बैठक

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी(आप) ने बुधवार को उपचुनावों के चलते बुधवार को वरिष्ठ नेताओं के साथ चारों उम्मीदवारों के साथ बैठक की। आप के राष्ट्रीय संगठन महासचिव और सांसद संदीप पाठक ने मीडिया को जानकारी देते हुये बताया कि आगामी उपचुनावों के लिये पार्टी जमीनी स्तर पर अभियान चला रही है। उन्होंने घोषणा की कि पार्टी के सभी सदस्य गांवों में मतदाताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हैं और उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आप प्रत्याशियों से चुनाव प्रचार की रणनीतियों पर चर्चा की और दावा किया कि आम आदमी पार्टी चारों सीटों पर जीतेगी। उन्होंने कहा कि लोग हमारे साथ हैं, क्योंकि हम उनकी जरूरतों पर ध्यान केंद्रित कर काम कर रहे हैं। श्री पाठक ने विश्वास जताया कि मतदाता उम्मीदवारों को उनके काम और निर्वाचन क्षेत्रों की जरूरतों के आधार पर समर्थन देंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को लोगों की वास्तविक मांगों को प्राथमिकता देने के लिये प्रोत्साहित किया और कहा कि सार्वजनिक मुद्दों के आसपास बनाया गया अभियान मतदाताओं से अवश्य समर्थन प्राप्त करता है। उन्होंने अभियान की रणनीति पर भी चर्चा की, जिसमें अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान सहित आप के शीर्ष नेताओं की भागीदारी के साथ रोड शो और जनसभायें शामिल हैं। पाठक ने कहा कि इस चुनाव में हमें सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

हरियाणा में मेट्रो रेल और आरआरटीएस सुविधाएं देने के लिए डबल इंजन की सरकार प्रयासरत: नायब सैनी

मेट्रो कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए फरीदाबाद–पलवल, बहादुरगढ़–आसौदा, गुरुग्राम के सेक्टर–56 से पंचगांव, गुरुग्राम के सेक्टर–9 व दिल्ली के ढांसा स्टैंड से एम्स बाढसा, गुरुग्राम के पालम विहार को एयरपोर्ट लाइन से दो रूटस पर जोड़ने पर होगा अध्ययन

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि हरियाणा राज्य दिल्ली के साथ सटा है। यहां के लोगों को मेट्रो रेल और रिजनल रैपिट ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) जैसी सुविधाएं देने के लिए डबल इंजन (हरियाणा और केंद्र) की सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में उन्होंने केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल के साथ मेट्रो के विस्तारीकरण और आरआरटीएस को स्थापित करने के लिए चर्चा व विचार-विमर्श किया। इसके बाद विभिन्न मेट्रो रेल व आरआरटीएस परियोजनाओं के अध्ययन के लिए केन्द्रीय मंत्री ने मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री बुधवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल के साथ हरियाणा में मेट्रो रेल परियोजनाओं व आरआरटीएस परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए आयोजित बैठक के उपरांत पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा दिल्ली के साथ लगता है और यहां पर लोग अपना कारोबार इत्यादि करते है, को मेट्रो रेल और आरआरटीएस की सुविधा देने के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की गई और विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट से गुरुग्राम-फरीदाबाद-जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने के लिए आरआरटीएस की संभावनाओं को तलाशा जाएगा। इसका अध्ययन किया जाएगा। इसी प्रकार, दिल्ली के सराय कालेखां से करनाल तक आरआरटीएस, गुरुग्राम से बाढसा के एम्स तक मेट्रो लाइन को जोड़ने पर आज चर्चा की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा को अवश्य ही इन परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में लाभ प्राप्त होगा। इस मौके पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने मैट्रो रेल लाईन और आरआरटीएस की सुविधा लोगों को देने के संबंध में कहा कि मैट्रो को गुरूग्राम के पालम विहार से एयरपोर्ट को जोडने पर अध्ययन किया जाएगा और दो अलग अलग लाईनें बिछाने पर भी संभावनाओं को तलाशा जाएगा। उन्होंने बताया कि बहादुरगढ से असौदा मैट्रो लाईन का अध्ययन, बल्लभगढ से पलवल, गुरूग्राम के सैक्टर-9 से बाढसा एम्स तथा दिल्ली के ढांसा से बाढसा एम्स का अध्ययन, सराय कालेखां से पानीपत तक जाने वाली आरआरटीएस को करनाल तक बढाने का अध्ययन करवाया जाएगा। इसी प्रकार, उन्होंने बताया कि सराय कालेखां से धारूहेडा तक जाने वाली आरआरटीएस को बावल व राजस्थान के शाहजहांपुर तक चालू करने पर प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि गुरूग्राम से फरीदाबाद के बीच मैट्रो रेल लाईन की व्यवर्हारता नहीं बन रही थी इसलिए अब यहां पर आरआरटीएस को क्रियान्वित करने के लिए अध्ययन करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली के पालम एयरपोर्ट से गुरूग्राम, फरीदाबाद होते हुए जेवर एयरपोर्ट तक लाईन बिछाने के लिए अध्ययन होगा। उन्होंने बताया कि गुरूग्राम के सैक्टर-56 से पंचगांव तक की प्रस्तावित मैट्रो लाईन को बिछाने का खर्च हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा और इसकी परियोजना की डीपीआर प्राप्त होने के बाद मंजूरी केन्द्रीय मंत्रालय द्वारा 15 दिन के भीतर दे दी जाएगी।

राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म शासकीय कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं:नीलकंठ

चंडीगढ़। पंजाब के जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव नीलकंठ एस. अव्हाड़ ने कोलैबफाइल्स, ईटीएएल और गवर्नमेंट सिक्योर इंट्रानेट वेब पोर्टल पर एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुये कहा कि राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म वास्तव में कुशल, पारदर्शी और सुरक्षित प्रणालियों को सक्षम करके शासन को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे डेटा-संचालित निर्णय लेने के लिये रीढ़ की हड्डी के रूप में काम करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि नीतियां और सेवायें अधिक उत्तरदायी हैं।

यह कार्यशाला राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा पंजाब के शासन सुधार विभाग (डीजीआर) के सहयोग से एमजीएसआईपीए में आयोजित की गयी थी। कार्यशाला में पंजाब सरकार के विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री नीलकंठ एस. अव्हाड़ ने इस बात पर जोर दिया कि इन प्लेटफॉर्म की पूरी क्षमता का उपयोग तभी किया जा सकता है, जब विभागों के बीच निर्बाध सहयोग हो। कई बार, विभिन्न सरकारी निकायों की अलग-अलग कार्यप्रणाली इन प्लेटफॉर्म के लाभों को सीमित कर देती है। उनकी पूरी क्षमता का दोहन करने के लिये, बेहतर डेटा एकीकरण, अंतर-विभागीय संचार और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा-संचालित शासन के महत्व पर अधिकारियों के लिये प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम इस अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करने में एक लंबा रास्ता तय करेंगे। उन्होंने कहा कि वास्तविक समय में बड़ी मात्रा में डेटा को संग्रहीत, संसाधित और विश्लेषण करने की क्षमता ऐसी अंतर्दृष्टि प्रदान करती है जो सेवा वितरण, जवाबदेही और सार्वजनिक विश्वास को बेहतर बना सकती है।

अतिरिक्त सचिव स्कूल शिक्षा परमिंदर पाल सिंह संधू ने भी डिजिटल पहल की अगुवाई करने के लिए एनआईसी पंजाब की पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की। अपने संबोधन में, एनआईसी पंजाब के उप महानिदेशक एवं राज्य समन्वयक श्री आईपीएस सेठी ने आईसीटी पहलों का राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया तथा वांछित उद्देश्यों की प्राप्ति में एनआईसी की ओर से पूर्ण समर्थन एवं प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये, पंजाब एनआईसी के राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (एसआईओ), विवेक वर्मा ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ईकोलैबफाइल्स, ईटीएएल और गवर्नमेंट सिक्योर इंट्रानेट के बारे में जागरूकता पैदा करना था ताकि सरकारी विभागों के बीच सुरक्षित संचार और डेटा हैंडलिंग सुनिश्चित की जा सके।

केन्द्र सरकार ने किसानों-आढ़तियों को परेशान करने के लिये धीमी रफ्तार से लिफ्टिंग की: आप

चंडीगढ़। केन्द्र सरकार के साथ शेलर मालिकों की बैठक पर आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब ने प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि केन्द्र सरकार ने किसानों-आढ़तियों को परेशान करने के लिये धीमी रफ्तार से लिफ्टिंग की। आप नेता पवन कुमार टीनू ने कहा कि आढ़ती-किसान लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी फसल खराब हो रही है, लेकिन केंद्र सरकार कुछ नहीं कर रही है। केन्द्र सरकार इतने दिनों बाद कुंभकरण की नींद से जागी और फिर उन्हें बैठक के लिये बुलाया। यह भी सिर्फ भाजपा का दिखावा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की पंजाब के प्रति नकारात्मक सोच और किसानों के प्रति बदले की भावना के कारण आज ऐसी नौबत आयी है। भाजपा पंजाब के किसानों से किसान आंदोलन का बदला लेना चाहती है। आप प्रवक्ता नील गर्ग ने कहा कि पांच साल पहले आढ़तियों को एमएसपी का ढाई प्रतिशत मिलता था, जिसे केन्द्र सरकार ने कम करते करते आज सिर्फ 45 रुपये कर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सबसे पहले शेलर मालिकों की सबसे बड़ी मांग, जो एफसीआई के गोदामों में पुराना चावल पड़ा है, उसे जल्द खाली करवाये। इसके समाधान के लिये शेलर मालिकों के पास की विकल्प भी है, उस पर भी विचार किया जाये। श्री गर्ग ने कहा कि मुख्य समस्या शेलरों से एफसीआई द्वारा फसल नहीं खरीद पाना है क्योंकि अभी तक मंडियों में जो फसल आई है, उसका 90 प्रतिशत फसल उठा ली गयी और उसका पैसा भी किसानों के खाते में डाल दिया, लेकिन मसला ये है कि खरीदी हुई फसल को कहां रखा जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र ने शेलर मालिकों के साथ आज जो बैठक रखी है वह पहले भी हो सकती थी, लेकिन भाजपा का मकसद पंजाब के किसानों और आढ़तियों को परेशान करना था, इसलिए जानबूझकर ऐसा किया गया। आप प्रवक्ता बिक्रमजीत पासी ने कहा कि ये पूरा का पूरा मामला केंद्र से संबंधित है और केन्द्र ने जानबूझकर यह समस्या पैदा की है। यह पंजाब के किसानों को तबाह करने की भाजपा की बड़ी साज़िश है। आप नेता ने कहा कि केंद्र ने सीसीएल तो जारी कर दिये, लेकिन अभी तक अनाज को रखने के लिये जगह खाली नहीं करवाया गया।

भारतीय सेना द्वारा कैडेटों, छात्र/छात्राओं के लिये आधुनिक हथियारों की प्रदर्शनी

जालंधर। भारतीय सेना द्वारा बुधवार को 600 एनसीसी कैडेटों और विद्यार्थियों के लिये इन्फैन्ट्री के आधुनिक हथियारों की प्रदर्शनी डीएवी इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेकनोलॉजी मे लगायी गयी। कैडेटों का मनोबल बढ़ाने के लिये मेजर जनरल अतुल भदोरिया, विशिष्ट सेवा मेडल, वज्र कोर, ब्रिगेड़ियर अजय तिवारी, सेना मेडल, ग्रुप कमान्डर, एनसीसी जालन्धर, ग्रुप के अन्य कमान अधिकारी और इन्फैन्ट्री ऑफिसर भी शामिल रहे। जनरल अतुल भदोरिया ने कैडेटों से बातचीत भी की और उनके विचार भी जाने तथा भारतीय सशस्त्र बल में सम्मिलित होकर राष्ट्र की सेवा करने का प्रोत्साहन कैडेटों को दिया। कार्यक्रम की शुरूआत केडेटों ने गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा जनरल अतुल भदौरिया को सलामी देकर की। इन्फैन्ट्री बटालियन द्वारा आधुनिक हथियारों का अवलोकन किया गया और केडेटों से बातचीत की गयी। जनरल भदौरिया ने कैडेटों को सम्बोधित करते हुये कहा राष्ट्र के भविष्य के लिये भारतीय सेना कुछ भी करने के लिये हमेशा तैयार है।

हिसार: कूड़े को प्वाइंटों को खत्म करवाकर रेड स्पॉट को ग्रीन स्पॉट में बदलने के निर्देश

हिसार। जिले की सफाई व्यवस्था व प्रॉपर्टी टैक्स बारे नगर निगम सख्त हो गया है। इसके तहत संबंधित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने, सेमिग्रेशन व प्रॉपर्टी टैक्स बारे कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही तय समय सीमा में कार्य न होने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

जिला नगर आयुक्त ने बुधवार को नगर निगम के मुख्य सभागार में बैठक लेकर जिले की सभी यूएलबी को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र में सरकारी विभागों या अन्य प्रॉपर्टी की इंटीग्रेशन जल्द से जल्द पूर्ण करके पोर्टल पर डालें। उन्होंने जिले की सभी यूएलबी को अपने क्षेत्र में आने वाली सरकारी व अन्य प्रॉपर्टी के सेल्फ सर्टिफिकेशन के कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए आदेश दिए। उन्होंने जिले सभी यूएलबी को निर्देश दिए कि वे सरकारी विभाग को सेल्फ सर्टिफिकेशन करवाने के लिए सरकारी विभाग सक्षम प्राधिकारी को इस बारे लिखित में सूचित करके सेल्फ सर्टिफिकेशन करवाने बारे लिखें। जिला नगर आयुक्त ने जिले की सभी यूएलबी को निर्देश दिए कि वे अपनी पालिकाओं के चैक व मैकर की आईडी पर चेक करें कि उनके द्वारा प्रॉपर्टी आईडी सही करने के लिए किए आवेदनों का रिवर्ट करने का सही कारण दिया गया हैं। यदि कोई पॉलिसी का मैंटर हो तो उसको भी विस्तृत रूप से रिवर्ट में जानकारी दें। यदि किसी यूएलबी द्वारा रिवर्ट करने कारण सही नहीं पाया जाता हैं या गलत रिवर्ट किया जाता हैं तो उस अधिकारी या कर्मचारी पर कार्रवाई की जाएगी। जिला नगर आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने जिले की सभी यूएलबी को निर्देश दिया कि अपने-अपने पालिका क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाएं और कूड़े को प्वाइंटों को खत्म करवाकर वहां पर बैंच या गमले रखवाकर रेड स्पॉट को ग्रीन स्पॉट में बदलें। यह कार्य करने के पश्चात रिपोर्ट डीएमसी कार्यालय में भिजवाएं व इसको स्वच्छतम पोर्टल पर अपडेट करें और साथ ही सोशल मीडिया अकाउंट पर भी इस तरह के कार्यो को अपडेट करें। जिला नगर आयुक्त ने जिले की सभी यूएलबी को प्रॉपर्टी टैक्स, जन्म-मृत्यु या अन्य शाखाओं से जुड़े प्राप्त आवेदन आरटीसी की निर्धारित समय अवधि में करने के आदेश दिए। यदि किसी भी यूएलबी की फाइलें आरटीसी से बाहर मिली तो संबंधित अधिकारी व कर्मचारी जिम्मेवार होंगे।

चंदूमाजरा ने की पंजाब सरकार की आलोचना

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के नेता और पूर्व सांसद प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने बुधवार को पंजाब सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह केंद्र के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करने में विफल रही है, जिसके कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रो चंदूमाजरा ने कहा कि अगर राज्य सरकार ने गोदामों से धान की निकासी सुनिश्चित करने के लिए समय पर कदम उठाए होते, तो किसानों को उन कठिनाइयों से बचाया जा सकता था, जिनका वे वर्तमान में सामना कर रहे हैं। उन्होने पिछले कुछ महीनों में किसानों, शेलर मालिकों और अन्य हितधारकों की लगातार शिकायतों के बावजूद सरकार की निष्क्रियता पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पंजाब के किसी भी अधिकारी या मंत्री ने इस मामले में केंद्र सरकार से संपर्क नहीं किया। उन्होंने खुलासा किया कि राज्यपाल और मुख्यमंत्री को कई पत्र भेजे गए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने राज्यपाल से इस मुद्दे को हल करने के लिए केंद्र में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का आग्रह किया।

श्री चंदूमाजरा ने राज्य सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा, मुख्यमंत्री तभी दिल्ली पहुंचे जब बाजार में ताजा धान की आवक से भीड़ उमड़ पड़ी। शेलर मालिकों के भूमि उपयोग के प्रस्तावों को पूरी तरह लागू करने में सरकार की विफलता ने समस्या को और बढ़ा दिया है। प्रो. चंदूमाजरा ने किसानों, आढ़तियों (कमीशन एजेंट) और शेलर को शामिल करते हुए पारंपरिक विपणन प्रणाली को खत्म करने के जानबूझकर प्रयास का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि हितधारकों के इस संयुक्त मोर्चे ने प्रणाली को बाधित करने के प्रयासों का विरोध किया था, लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी ने प्रयासों को बाधित किया। उन्होंने शेलर से चावल न लेने की भी आलोचना की और इसे उनके संचालन को कमजोर करने की चाल बताया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने किसानों को पीआर 126 धान की किस्म उगाने के लिए राजी किया था, लेकिन मुआवजे के तौर पर मात्र 46 रुपये प्रति क्विंटल की पेशकश करना धोखा है। धान के मुद्दे के अलावा, प्रो. चंदूमाजरा ने पंजाब में डीएपी खाद की भारी कमी के बारे में भी चिंता जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि गेहूं की बुआई का मौसम नजदीक आने के साथ ही सहकारी समितियों और खुदरा दुकानों में उर्वरक की अनुपलब्धता किसानों के लिए समस्याएँ और बढ़ा सकती है। उन्होंने राज्य सरकार से धान की खरीद और उर्वरक आपूर्ति दोनों से संबंधित मौजूदा संकटों को तेजी से हल करने का आह्वान किया। प्रो. चंदूमाजरा ने पंजाब के कृषि क्षेत्र को और नुकसान से बचाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।

महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित की है: कटारिया

जालंधर। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने बुधवार को लड़कियों के लिये गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुये कहा कि महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्रों में पूरी तरह से भाग लेने और योगदान देने के लिये अनुकूल माहौल बनाया जाना चाहिये। जालंधर के प्रेम चंद मारकंडा एसडी कॉलेज फॉर विमेन के स्वर्ण जयंती समारोह में बोलते हुये राज्यपाल श्री कटारिया ने समाज की नींव के रूप में लड़कियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने और उनके सपनों को साकार करने के लिये उपकरण प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि महिलाओं में अपार क्षमता है और अगर उन्हें सही दिशा दी जाये, तो वे बड़ी ऊंचाइयों को छू सकती हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारत का इतिहास महिलाओं के योगदान के उदाहरणों से भरा पड़ा है और आज भी महिलायें राजनीति, सेना, पुलिस, खेल और कला जैसे क्षेत्रों में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं की क्षमता से कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहा है। उन्होंने स्वस्थ और प्रगतिशील समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुये सभी से महिलाओं को सशक्त बनाने में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा में कॉलेज के 50 वर्षों के योगदान की प्रशंसा की और भविष्य की सफलता के लिये शुभकामनायें दीं। इस अवसर पर कॉलेज स्मारिका का विमोचन और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत युवा उद्यमियों को सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री कटारिया को कॉलेज की शासी संस्था द्वारा सम्मानित किया गया और विद्यार्थियों द्वारा लगाये गये स्टॉल प्रदर्शित किये गये। कार्यक्रम में उपायुक्त डॉ. हिमांशु अग्रवाल, एसडीएम रणदीप सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एक नजर

'अतीत को संरक्षित कर भविष्य को सुरक्षित रखें' शिखर सम्मेलन आयोजित

गुवाहाटी। अतीत के आधार पर वर्तमान और वर्तमान के आधार पर भविष्य का निर्माण होता है। एनई फोकस ने आज विरासत को संरक्षित करने की दृष्टि से ह्वअतीत को सुरक्षित कर हमारे भविष्य को संरक्षित रखेंह्व शीर्षक से एक सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का आधिकारिक उद्घाटन नाबार्ड के सीजीएम लोकेन डेका ने किया। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड सहयोग कर रहा है। नाबार्ड उद्यमियों की मदद करता रहा है, भले ही सीधे तौर पर नहीं। सम्मेलन में प्रसिद्ध लेखक मयूर बोरा, प्रोफेसर डॉ. संगीता गोगोई, गुवाहाटी विश्वविद्यालय के इतिहास की प्रोफेसर प्रो परमिता दास, उद्यमी अभिजीत पुरकायस्थ, लेखक भास्कर बरदलै और पत्रकार पुलिन कलिता ने भाग लिया। पैनल चर्चा का संचालन पुरातत्व विभाग के उप निदेशक नवजीत देउरी और कॉटन कॉलेज के पुरातत्व विभाग के प्रोफेसर मंजिल हजारिका ने किया। सम्मेलन में प्रमुख लेखक मयूर बोरा ने भाग लिया, जिन्होंने सामुदायिक पर्यटन और प्राचीन विरासत संसाधनों के महत्व और संरक्षण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका के बारे में बात की। व्याख्याता डॉ. संगीता गोगोई ने ताई अहोम और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच ऐतिहासिक संबंधों और समानताओं के बारे में बात की।

उद्यमी अभिजीत पुरकायस्थ ने 'बाट भाओना' के बारे में जानकारी दी, जो ऐतिहासिक पर्यटन को नया आयाम दे सकता है। उन्होंने कहा कि शुवालकुची में दुर्गा पूजा के दौरान नवमी को बाट भाओना का आयोजन किया जाता है। यह ऐतिहासिक ग्रामीण पर्यटन के वाहकों में से एक हो सकता है। लेखक भास्कर बरदलै ने लिपि के महत्व, उसकी प्राचीनता पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में भारत पर्यटन के सहायक निदेशक वीएस कुमारन, सामाजिक न्याय एवं महिला अधिकारिता विभाग के निदेशक उत्पल कुमार मोहंती और विभिन्न कॉलेजों के व्याख्याता उपस्थित रहे। सामाजिक न्याय एवं महिला अधिकारिता विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगी। सम्मेलन को एसबीआई द्वारा प्रायोजित किया गया था और असम सरकार के सांस्कृतिक मामलों के निदेशालय के सहयोग से नाबार्ड द्वारा समर्थित किया गया था।

नेपाल में ओली की पार्टी के मुख्यालय की जमीन का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

काठमांडू। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) को नए पार्टी कार्यालय के लिए एक विवादित व्यापारी से दान में जमीन लेने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस तिल प्रसाद श्रेष्ठ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बुधवार को यह याचिका स्वीकार करके अदालत प्रशासन को रिट के पंजीकरण के साथ आगे बढ़ने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पार्टी के नए कार्यालय निर्माण के लिए नेपाल के सबसे बड़े डिपार्टमेंटल चेन स्टोर के मालिक मिन बहादुर गुरुंग ने दान की थी। सत्तारूढ़ दल एमाले को अदालत से विचाराधीन आरोपी के तरफ से दान लेने की पूरे देश में काफी आलोचना हो रही है। अधिवक्ता ज्ञान बहादुर बस्नेत ने सुप्रीम कोर्ट में रिट दायर करके याचिका में कहा है कि इस भूमि को स्वीकार करना और उसमें पार्टी कार्यालय स्थापित करना भ्रष्टाचार की श्रेणी में ही आएगा। जिस व्यक्ति पर ठगी एवं भ्रष्टाचार का मामला चल रहा हो और जो सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर बाहर हो, उसकी तरफ से सत्तारूढ़ दल को जमीन दान में देना गैर कानूनी है।

सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने पहले इस रिट के पंजीकरण को ही खारिज कर दिया था। बाद में अधिवक्ता बस्नेत ने अपने याचिका के पंजीकरण को ही रद्द किए जाने के खिलाफ कोर्ट में गुहार लगाई। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस तिल प्रसाद श्रेष्ठ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बुधवार को इस फैसले को पलट दिया और अदालत प्रशासन को रिट के पंजीकरण के साथ आगे बढ़ने का निर्देश दिया। इस निर्देश के बाद अदालत प्रशासन ने पुष्टि की है कि रिट को आज ही दर्ज कर ली गई है। प्रधानमंत्री ओली ने खुद ही पिछले हफ्ते अपनी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय का भूमि पूजन किया था। उनके इस निर्णय का पार्टी के कई नेताओं ने सार्वजनिक रूप से विरोध किया है। इस तरह विरोध करने वाले पार्टी के तीन केंद्रीय सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। सत्तारूढ़ के साझेदार दल नेपाली कांग्रेस ने भी ओली के इस कदम का विरोध करते हुए एमाले पार्टी से अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

वडोदरा-अहमदाबाद रेलवे रूट पर कवच सिस्टम के वर्जन 4.0 का सफलतापूर्वक ट्रायल

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा तकनीक कवच की स्थापना में लगातार आगे बढ़ रहा है, जो ट्रेन सुरक्षा और परिचालन दक्षता को काफी हद तक बढ़ाएगी। वडोदरा-अहमदाबाद सेक्शन ऑटोमेटिक सिगनलिंग सेक्शन पर कवच सिस्टम के वर्जन 4.0 का उपयोग करके लोको ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। किसी भी शेष समस्याओं को हल करने के लिए आगे के परीक्षण चल रहे हैं। यह सेक्शन करीब 96 किलोमीटर तक फैला है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि इसी तरह विरार-सूरत-वडोदरा सेक्शन (ऑटोमेटिक सिगनलिंग सेक्शन) 336 किलोमीटर में, 201 किलोमीटर पर परीक्षण पूरा हो चुका है और शेष हिस्से पर काम प्रगति पर है। वडोदरा-रतलाम-नागदा सेक्शन (गैर ऑटोमेटिक सिगनलिंग सेक्शन) 303 किलोमीटर में, 172 किलोमीटर पर लोको ट्रायल पूरा हो चुका है। 54 किमी तक फैले मुंबई सेंट्रल-विरार उपनगरीय सेक्शन पर टावर का निर्माण और ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बिछाने का काम प्रगति पर है। अब तक पश्चिम रेलवे ने महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। कुल 789 किलोमीटर में से 470 किलोमीटर के लिए लोको परीक्षण सफलतापूर्वक किए गए हैं और 90 में से 60 लोकोमोटिव पहले ही कवच प्रणाली से लैस हो चुके हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पश्चिम रेलवे नेटवर्क के 735 किलोमीटर से अधिक हिस्से में इसकी स्थापना और परीक्षण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कवच यह सुनिश्चित करती है कि ट्रेनें अनुमेय गति सीमा के भीतर चलें और गति की रियल टाइम निगरानी प्रदान करती हैं, जिससे लोको पायलटों को नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलती है। यह प्रणाली लोको पायलट के कैब के भीतर सीधे सिगनल पहलुओं और निरंतर गति पर नियंत्रण को प्रदर्शित करके दुर्घटनाओं को रोकने में भी सहायता करती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह ट्रेन की संभावित दुर्घटनाओं को रोकने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है, जिससे नेटवर्क पर समग्र सुरक्षा में सुधार होता है। अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन द्वारा विकसित, कवच को ट्रेन टकरावों को रोकने, खतरे में सिगनल पासिंग से बचने में लोको पायलटों की सहायता करने और निरंतर गति पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह प्रणाली सीईएनईएलईसी के ईएन50126, 50128, 50129 और 50159 (एसआईएल-4) सहित अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करती है तथा 200 किमी प्रति घंटे तक की गति को समायोजित करने के लिए बनाई गई है।

अधिकारी कर्मचारी अपनी कार्यप्रणाली को अद्यतन करें : उपमुख्यमंत्री

अरुण साव ने ली विभागीय कार्यो की समीक्षा बैठक

रायपुर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में आज बुधवार शाम कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उन्होंने शासन की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक प्राथमिकता से पहुँचाने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यालय आने वाले लोगों से अच्छा व्यवहार करने एवं उनके समस्याओं का निराकरण कर उन्हें राहत पहुचाने हेतु निर्देशित किया। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रदेश की ऊजार्धानी कोरबा में संसाधनों की कोई कमी नही है। यहां हर क्षेत्र में कार्य करने की संभावनाएं असीम है। उन्होंने कहा कि शासकीय कार्यालयों का काम अपग्रेड हो गया है। आप सभी अधिकारी कर्मचारी भी अपनी कार्यप्रणाली को अद्यतन करें एवं नई ऊर्जा व सोच के साथ जिले को विकास की दिशा में ले जाने के लिए तत्परता से काम करें।

समीक्षा बैठक में वाणिज्य, उद्योग, व्यापार एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, विधायक पाली-तानाखार तुलेश्वर सिंह मरकाम, विधायक रामपुर फूलसिंह राठिया, महापौर राजकिशोर प्रसाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर, कलेक्टर अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, डीएफओ अरविंद पीएम, कुमार निशांत, प्रभारी सीईओ जिला पंचायत व नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री श्री साव ने सभी शासकीय कार्यालयों में साफ सफाई एवं व्यवस्थित रख रखाव, नगरीय निकायों में प्रकाश व स्वच्छता की पूर्ण व्यवस्था, राजस्व प्रकरणों के निराकरण, सड़को की स्थिति, प्रधानमंत्री आवास, जल जीवन मिशन योजना लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री आवास, महिला बाल विकास सहित अन्य विभागों के विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय योजनाओं की बेहतर क्रियान्वयन हेतु सभी अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने के लिए कहा। अधिकारी के फील्ड में जाने से आपकी टीम कार्य करने के प्रति सचेत होती है। इसके साथ ही आपको योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत पता चलती है। फील्ड जाने पर कार्यों में गति आएगी और समस्याओं का समाधान शीघ्र होगा। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने सभी शासकीय कार्यालय परिसर के अंदर व बाहर स्वच्छता व साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने एवं फाइलों के व्यवस्थित रख रखाव हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही आमजनो से सम्मानजनक व्यवहार कर उन्हें संतोष दिलाने की बात कही। उन्होंने सभी नगरीय निकायों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। इस हेतु सार्वजनिक शौचालयों, सड़कों व नालियों की सफाई, शहर में प्रकाश की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों को स्वच्छता रैंकिंग में अच्छा प्रदर्शन सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों को विशेष प्रयास करने निर्देशित किया। राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने सभी लंबित राजस्व प्रकरणों को गम्भीरता से निराकृत करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण होने से आमजनो को राहत मिलता है। इस हेतु सभी अधिकारी राजस्व प्रकरण के निराकरण में प्रगति लाएं। उन्होंने सभी पटवारियों को मुख्यालय में रहने एवं आमजनों का कार्य पूरा करने के लिए कहा। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को न्यायालयों में किसानों की समस्याओं को समझने और उन्हें पूरी सहूलियत प्रदान करने हेतु निर्देशित किया। जिससे उनका काम समय पर हो एवं उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। उन्होंने जिले में चल रहे सभी सड़क निर्माण व मरम्मत एवं अधोसरंचना निर्माण कार्यो को समयावधि में पूर्ण करने के साथ ही गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के नगरीय निकाय व ग्रामीण क्षेत्र की पीडब्ल्यूडी सड़क, पीएम सड़क, मुख्यमंत्री ग्राम सड़कों के मरम्मत कार्यों को मिशन मोड में पूरा करने के लिए कहा। इस हेतु सभी कार्यो के निविदा का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें।

बिहार में शिक्षकों के लिए छठ की छुट्टी बढ़ी

नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

पटना,संवाददाता। बिहार में अब 6 नवंबर को भी सरकारी स्कूल में छठ की छुट्टी रहेगी, लेकिन सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की मांग है कि दीपावली से छठ पूजा तक छुट्टी दी जाए. मतलब 31 अक्टूबर से 8 नवंबर तक सरकार छुट्टी की घोषणा करे. पिछले साल तक दीपावली से छठ तक छुट्टी रहती थी. यह मांग अब भी नहीं मानी गई है. दीपावली की छुट्टी सिर्फ 1 दिन की है. बता दें कि 5 नवंबर से नहाए खाए के साथ छठ की शुरूआत हो रही है. नहाए खाए और खरना के दिन विद्यालय में छुट्टी नहीं रहने के कारण छठ पर्व करने वाले शिक्षकों ने नाराजगी जाहिर की थी जिसके बाद शिक्षा विभाग ने खरना के दिन भी छुट्टी देने का फैसला किया है.

शिक्षक लगातार शिक्षा विभाग से छठ पूजा में छुट्टी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं. वहीं, शिक्षकों की नाराजगी पर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने आज (23 अक्टूबर) कहा कि विभाग इसको लेकर विचार करेगा. शिक्षकों के साथ उचित कार्रवाई की जाएगी. शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षकों को सिलेबस को ससमय खत्म करने के लिए भी ध्यान देना होगा. बता दें कि 31 अक्टूबर को दीपावली की छुट्टी सिर्फ 1 दिन की है. छठ 5 से 8 नवंबर तक है. छुट्टी 7 और 8 को थी लेकिन अब 6 को भी रहेगी. 5 से छठ पूजा की शुरूआत है. नहाय खाय के दिन स्कूल खुले रहेंगे.

वहीं, छुट्टी के सवाल शिक्षा मंत्री के जवाब के कुछ ही देर बाद विभाग ने छठ की छुट्टी एक दिन बढ़ा दी है. विभाग ने इसको लेकर अधिसूचना जारी किया है जिसमें लिखा है कि 'राज्य के राजकीय/राजकीयकृत एवं अल्पसंख्यक सहायता प्राप्त उर्दू, प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में वर्ष 2024 के लिए निर्धारित अवकाश के अतिरिक्त छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए खरना (लोहण्डा) के लिए दिनांक-06.11.2024 (बुधवार) को अवकाश घोषित किया जाता है'.

बांग्लादेश में मछुआरे कर रहे प्रतिबंध का उल्लंघन, पद्मा नदी में खुलेआम पकड़ी जा रही हिलसा

ढाका। बांग्लादेश की पद्मा नदी में फिलहाल हिलसा (इलिश) मछली पकड़ने पर सरकारी प्रतिबंध है। 13 अक्टूबर को लगाए गए इस प्रतिबंध की अवधि तीन नवंबर तक प्रभावी है। यह सरकारी प्रतिबंध राजबाड़ी में पद्मा नदी के 42 किलोमीटर के क्षेत्र में लगाया गया है। मछुआरे इसे नहीं मान रहे। वह खुलेआम इलिश को पकड़कर बाजार में बेच रहे हैं।

बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून ने अपनी रिपोर्ट में इस पर विस्तार से चर्चा की है। अखबार का कहना है कि इलिशा बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है। साथ ही इससे इलिश की प्रजनन प्रक्रिया खतरे में पड़ गई है। इस प्रतिबंध का मकसद इलिश को प्रजनन काल में सुरक्षित रखना है। मगर सरकार के प्रयास पूरे होते नहीं दिख रहे। सदर उपजिला में उराकांडा और बोरोट एंटारमोर जैसे क्षेत्रों में कानून की अवहेलना करते हुए पद्मा नदी से इलिशा पकड़ी जा रही है। एंटारमोर में नदी पर मछली पकड़ने वाली कई नावें देखी गईं। इनमें तीन से पांच मछुआरों की टीम होती है। यह टीम एक फेरी में 10 से 30 किलोग्राम तक मछली पकड़ती है। नदी तट पर इलिशा को खरीदने के लिए पुरुषों और महिलाओं की भीड़ लगी रहती है। मछुआरों ने खुलासा किया कि लोग 200 से 400 ग्राम वजन वाली इलिश मछली पसंद करते हैं। वह इसे 350 से 400 टका प्रति किलोग्राम की दर से बेचते हैं। के बीच बेचा जा रहा था। हालांकि 700 से 800 ग्राम वजन वाली बड़ी मछलियां 800 से 900 टका के बीच बिक जाती है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, नदी तट पर निगरानी के लिए गठित टास्क फोर्स की मौजूदगी के बावजूद यह अवैध गतिविधि जारी है। मछुआरे भी टास्क फोर्स पर नजर रखते हैं। टास्क फोर्स की टीमें जब क्षेत्र से चली जाती हैं, तभी वह मछली पकड़ने के लिए घरों से बाहर निकलते हैं। इस अवैध गतिविधि पर रोक न लग पाने की बड़ी वजह मत्स्य पालन विभाग के पास कर्मचारियों और वित्तीय संसाधनों की कमी है। सदर उप जिला के मत्स्य अधिकारी मुस्तफा अल राजिब यह स्वीकार भी करते हैं। वह कहते हैं कि टीम को अभियान चलाने के लिए मजिस्ट्रेट पर निर्भर रहना पड़ता है। अगर यह अधिकारी मत्स्य अधिकारियों को मिल जाएं तो अवैध गतिविधि पर अंकुश लगाने में आसानी होगी। दौलतदिया नदी पुलिस चौकी प्रभारी इमरान महमूद तुहिन का कहना है कि पुलिस मछली पालन विभाग की हर समय मदद करती है। उल्लेखनीय है कि हिलसा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह मछली सिर्फ बंगाल कि खड़ी में ही पाई जाती है। वह भी सिर्फ बरसात के मौसम में। खासकर यह अंडा देने के लिए ही नदियों में आती है। इसे मछलियों की रानी भी कहा जाता है। यह मछली बंगाल ,असम और त्रिपुरा में काफी लोकप्रिय है।

गुंडा व निगरानी बदमाशों को थाने में बुलाकर एएसपी ने कराई परेड

धमतरी। शहर व अंचल में पर्व को शांतिमय ढंग से मनाने और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग की तैयारी शुरू हो गई है। पुलिस अधिकारी व जवान गुंडा और निगरानी बदमाशों को थाने में बुलाकर परेड कराई। वहीं दिवाली त्योहार पर शांति पूर्ण ढंग से रहने की कड़ी चेतावनी दी है। सप्ताहभर के भीतर अंचल में दीवाली त्यौहार शुरू हो जाएगा। पर्व के मद्देनजर क्षेत्रों में अशांति फैलाने वाले बदमाशों के ऊपर लगातार धमतरी पुलिस नजर रखी हुई है। 23 अक्टूबर को 30 से 40 की संख्या में सभी गुंडे व निगरानी बदमाशों तथा चाकूबाजी करने वालों को थाना बुलाया गया था। नवपदस्थ एएसपी मणीशंकर चंद्रा ने जिले के थाना क्षेत्र के निगरानी बदमाश, गुंडा बदमाश, माफी बदमाशों को थाने में बुलाकर स्वयं चर्चा कर शांति पूर्ण समाज में रहने के लिए कड़ी चेतावनी दी है। उन्हें यह भी आश्वस्त किया गया है कि वे समाज में रहकर अच्छा कार्य करें। यदि उनका आचरण लगातार अच्छा रहा, तो उन्हें माफी में लाया जा सकता है। थाना क्षेत्रों में अशांति फैलाने वाले बदमाशों के ऊपर लगातार धमतरी पुलिस नजर रखेगी। गुंडा बदमाशों और चाकू बाजी करने वालों की अब खैर नहीं है।

डीएसपी नेहा पवार ने निगरानी गुंडा बदमाशों से चर्चा कर अच्छा कार्य कर समाज में रहने के लिए चेतावनी दिए। भविष्य में अपनी आदतों में सुधार नही किये जाने पर इनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने चेतावनी दिए है। शांति भंग करने वालों को जेल भेजने निर्देशः जिलेभर के सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्रों के बदमाशों तथा अड्डेबाजी करने वाले लोगों के विरुद्ध सघन कार्यवाही करने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। साथ ही थाना क्षेत्र में शांति भंग करने वालों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक व माइनर एक्ट के तहत कार्यवाही कर जेल भेजने कहा गया है। आगामी चुनाव को मद्देनजर रखते हुए थाना क्षेत्रों के संवेदनशील क्षेत्रों तथा व्यस्तम क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग किए जाने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर पेट्रोलिंग के साथ-साथ थाना क्षेत्र के बदमाशों, अड्डे बाजों तथा लड़ाई झगड़ा करने वालों, अवैध गतिविधियों में लिप्त रहने वालों के विरुद्ध लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राजेश मरई, थाना प्रभारी अजुर्नी निरीक्षक सन्नी दुबे, उप निरीक्षक लक्ष्मी कांत शुक्ला, थाना रुद्री से सउनि भीष्म अवस्थी सहित थाना कोतवाली,अजुर्नी, रूद्री थाने के पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

बागमती नदी की जल निकासी अवरोध हटाने की मांग, किसानों ने डीएम को दिया आवेदन

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। बागमती नदी की उपधारा कनौजर घाट, जिला समस्तीपुर के निकट जल निकासी अवरोध को हटाने की मांग को लेकर प्रखंड के मुन्नी बैंगरी पंचायत क्षेत्र और आसपास के ग्रामीणों ने संयुक्त हस्ताक्षर युक्त आवेदन मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी को देकर कार्यवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया निर्माण के कारण जल निकासी बाधित हो गई है, जिससे बन्दरा प्रखण्ड के मुन्नी बैंगरी,हत्था,पटसारा,बन्दरा और गायघाट प्रखंड सुस्ता,जाँता आदि के किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। यह आवेदन राम ललित राय के नेतृत्व में लिखा गया है ।जिसमें कहा गया है कि बागमती की उपधारा, जो कन्नौजर घाट (जिला समस्तीपुर) के पास मुख्य धारा से मिलती है, पुलिया निर्माण कार्य के कारण अवरुद्ध हो गई है। इसके चलते खेतों में अत्यधिक पानी जमा हो गया है, जिससे धान की फसलें प्रभावित हो रही हैं। किसानों ने अपनी फसलों को बचाने के लिए जल निकासी मार्ग को जल्द से जल्द खुलवाने की मांग की है। इस आवेदन पर राम पदारथ राय, कपिल देव राय, संजीव कुमार राय, कौशल किशोर राय समेत दर्जनों किसानों के हस्ताक्षर और निशान अंकित हैं।

कामेंग संस्कृति एवं विरासत संग्रहालय का उद्घाटन

दिरांग (अरुणाचल प्रदेश)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने आज कामेंग संस्कृति एवं विरासत संग्रहालय का उद्घाटन किया। यह एक ऐसा संस्थान है जो अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता एवं विरासत का गवाह है। इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान और गजराज कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग एवीएसएम, वाईएसएम के लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह, एसएम ब्लेज़िंग स्वॉर्ड डिवीजन के मेजर जनरल नीरज शुक्ला और दिरांग विधायक फुरपा चेरिंग तथा अरुणाचल प्रदेश के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

यह संग्रहालय दिरांग के आकर्षक गांव न्युकमदुंग में तवांग की सड़क के किनारे स्थित है और यह सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तथा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अत्याधुनिक संग्रहालय का उद्घाटन भारतीय सेना के ऑपरेशन सद्भावना का हिस्सा है और यह भारत सरकार के वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम से जुड़ा हुआ है। भारतीय सेना की पहल और अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय समुदायों और राज्य सरकार के मजबूत सहयोग से विकसित यह संग्रहालय अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध प्राचीन परंपराओं और विरासत का प्रतीक है। यह स्थानीय समुदायों की शांति, सुरक्षा और एकता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की सहकारी भावना का प्रतीक है। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि क्षेत्र के गहन सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को उजागर करते हुए, कामेंग संग्रहालय संरक्षण के लिए एक आवश्यक संस्थान है जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और उन्हें अतीत की याद दिलाएगा। खांडू ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में सद्भावना परियोजनाओं के माध्यम से संग्रहालय की स्थापना और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए भारतीय सेना की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "उन्होंने बीते 11 सितंबर को नई दिल्ली में एक सम्मेलन के दौरान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा बताए गए विजन को तेजी से लागू करने के लिए भारतीय सेना की सराहना की। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि कामेंग संग्रहालय सीमावर्ती क्षेत्रों को आदर्श गांवों, सीमा पर्यटन और बुनियादी ढांचे के विकास तथा सरकार के 'जीवंत ग्राम कार्यक्रम' के अनुरूप बदलने की भारतीय सेना की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। उन्होंने कामेंग संग्रहालय के उद्घाटन को सीमा क्षेत्र के लिए रेखांकित व्यापक दृष्टिकोण का श्रेय बताया, जो 'सीमा पर्यटन' और 'सांस्कृतिक पुनरोद्धार' के माध्यम से क्षेत्र के समावेश, स्थिरता और आर्थिक विकास पर केंद्रित है। उन्होंने राज्य के लोगों के समग्र विकास और 'अशांत अरुणाचल' के लिए राज्य सरकार के साथ अपने सहयोगात्मक प्रयासों के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद् दिया। उन्होंने डिजिटल कलाकृतियों के साथ संग्रहालय के निर्माण के लिए प्रोफेसर (डॉ.) मानबी सेठ और उनकी भारतीय विरासत संस्थान की टीम की प्रशंसा की और प्राचीन परंपराओं और अरुणाचल के लोगों के समकालीन जीवन के विवरण को कवर करने वाली दुनिया भर की आकर्षक फिल्म का आनंद लेने के लिए मूनलाइट पिक्चर्स के सीईओ प्रवीण चतुर्वेदी की प्रशंसा की।

चार 'आई' भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगे : सीतारमण

फिलाडेल्फिया (अमेरिका), एजेंसी। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि भारत बहुत ही महत्वपूर्ण मोड़ पर है और 2047 में विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य तय किया गया है तथा इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, इंवेस्टमेंट, इन्नोवेशन और इंक्लुशन (बुनियादी ढांचा, निवेश, नवाचार और समावेशिता) चार 'आई' इसको साकार करने के मदद करेंगे।

श्रीमती सीतारमण ने यहां पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन बिजनेस स्कूल में फायरसाइड चैट के दौरान यह बातें कही है। उन्होंने कहा 'जब आप भारत को आगे बढ़ने के तरीकों पर नजर डालते हैं तो भारत बहुत ही महत्वपूर्ण मोड़ पर है। हमने 2047 में विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य तय किया है। बुनियादी ढांचा, जिसमें भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचा शामिल है। निवेश, जिसमें सार्वजनिक और निजी दोनों तरह के निवेश शामिल हैं। नवाचार और समावेशिता: ये 4 'आई' उस कठिन रास्ते को संबोधित करेंगे जिसके माध्यम से हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना चाहते हैं।'

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 51 से अधिक मंत्रालय और विभाग प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) का संचालन करते हैं। पिछले 8 वर्षों में संचयी रूप से 450 अरब डॉलर से अधिक का हस्तांतरण किया गया है। 8 वर्षों में, लगभग चार करोड़ डॉलर की चोरी से बचाई गई है। भारत का यह डिजिटल अनुभव चोरी, धोखाधड़ी वाले लेन-देन और भूतपूर्व खाताधारकों को कम करने का एक शानदार उदाहरण है। यह करदाताओं के पैसे के बारे में ज़िम्मेदार होने में एक बड़ा लाभ दे रहा है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी के लिए विकास, गरीबी हटाने और यह सुनिश्चित करने के बड़े एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं कि दुनिया हम सभी के रहने के लिए एक बेहतर जगह हो। हमने अपने नागरिकों को जो डिजिटल पहुँच प्रदान की है, वह एक बहुत शक्तिशाली साधन है और चूँकि उन्होंने प्रौद्योगिकी को अपनाया है, इसलिए हमने इसके परिणाम देखे हैं।'

उन्होंने कहा कि आज भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था नहीं होता अगर लोगों ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल न किया होता, जो उन्हें मुफ्त में उपलब्ध था। यह लोगों तक विभिन्न अभियानों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी अपनी स्थानीय भाषाओं में भी पहुँचा। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) ने भारत के लोगों तक पहुँच के लोकतंत्रीकरण में क्रांति ला दी है और भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान भी इसकी सराहना की गई। आयुष्मान भारत योजना सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक है। इस योजना के तहत 6.3 करोड़ से अधिक अस्पताल में भर्ती लोगों को सेवा दी गई है। अब यह योजना 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों के लिए उपलब्ध है, चाहे व्यक्ति की पृष्ठभूमि और आर्थिक स्थिति कुछ भी हो।

वित्त मंत्री ने कहा कि अफ्रीकी संघ को जी20 में शामिल करना केवल भारतीय नेतृत्व और कूटनीति के प्रयासों के कारण ही संभव हो पाया। भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज और आकांक्षाओं को अन्य जी 20 देशों के साथ बातचीत के लिए रखा। जी20 अध्यक्षता के दौरान भारत ने 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुसार बहुस्तरीय विकास बैंकों के कामकाज के लिए आगे का रास्ता दिखाने के लिए एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह की स्थापना की। यहाँ तक कि विश्व बैंक ने भी अपनी विकास योजना में भारत द्वारा गठित इस समूह के 30 में से 29 सुझावों को अपनाया है।

न्यायालय ने बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही रोकने वाले एनसीएलएटी के आदेश को किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) के उस फैसले को बुधवार को खारिज कर दिया जिसमें उसने संकटग्रस्त शैक्षणिक प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही पर रोक लगा दी गई थी। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनसीएलएटी के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बायजू को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान को मंजूरी दी गई थी। न्यायालय ने क्रिकेट बोर्ड को 158.9 करोड़ रुपये की निपटान राशि ऋणदाताओं की समिति के पास जमा करने का निर्देश दिया। पीठ ने एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ अमेरिकी कंपनी ग्लास ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की याचिका पर अपना फैसला सुनाया।

न्यायालय ने कहा कि एनसीएलएटी ने शैक्षणिक प्रौद्योगिकी प्रमुख के खिलाफ दिवाला कार्यवाही बंद करते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया और मामले में नए सिरे से निर्णय लेने का आदेश दिया। एनसीएलएटी ने दो अगस्त को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाया निपटान को मंजूरी देने के बाद बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को बंद करने का आदेश दिया था। यह फैसला बायजू के लिए बड़ी राहत लेकर आया, क्योंकि इसने प्रभावी रूप से इसके संस्थापक बायजू रवींद्रन को फिर से नियंत्रक स्थिति में ला दिया था।

एक कंपनी की लिस्टिंग से ही बदला मार्केट सेंटिमेंट

पहले दिन ही लक्ष्य पावरटेक के निवेशकों के पैसे डबल

नई दिल्ली, एजेंसी। एक दिन पहले मंगलवार को हुंडई मोटर की निराशाजनक मेनबोर्ड लिस्टिंग के बाद बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में एक एसएमई कंपनी ने अपने लिस्टिंग से माहौल को काफी हद तक बदल दिया है। आज शेयर बाजार में सिर्फ एक कंपनी की ही लिस्टिंग हुई है लेकिन इस एक कंपनी के शेयर की शुरूआत ही इतनी धमाकेदार हुई, जिससे मार्केट सेंटिमेंट्स को काफी बूस्ट मिला है। इंजीनियरिंग कंसलटेंसी सर्विस देने वाली कंपनी लक्ष्य पावरटेक ने अपने शेयरों की लिस्टिंग के जरिये आज स्टॉक मार्केट में जोरदार दस्तक दी। कंपनी के शेयरों की आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर अपर सर्किट पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों की रकम लगभग डबल हो गई।

आईपीओ के तहत कंपनी में 180 रुपये की कीमत पर शेयर जारी किए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 342 रुपये के स्तर पर हुई। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) निर्णय के मुताबिक एसएमई प्लेटफॉर्म पर किसी भी शेयर की लिस्टिंग अधिकतम 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ ही हो सकती है। इसीलिए लक्ष्य पावरटेक के शेयरों की लिस्टिंग भी आज 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 342 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने जोरदार लिवाली शुरू कर दी, जिससे थोड़ी ही देर में ये शेयर 359.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन ही आईपीओ निवेशको को अपने निवेश पर लगभग दोगुना फायदा हो गया।

उल्लेखनीय है कि लक्ष्य पावरटेक का 49.91 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को इन्वेस्टर्स की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिससे ये ओवरऑल 573.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

वित्त वर्ष 2025 में भारत की वार्षिक जीडीपी 7 से 7.2 प्रतिशत के बीच बढ़ने का अनुमान: डेलॉइट

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2024-2025 में भारत की वार्षिक जीडीपी वृद्धि 7 से 7.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। डेलॉइट की एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूवार्नुमान के अनुरूप वित्त वर्ष 2025 में देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

डेलॉइट इंडिया की डॉ. रुमकी मजूमदार ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था चुनावी अवधि के बाद लचीलेपन के साथ उभर रही है।

'भारत का आर्थिक परिदृश्य, अक्टूबर 2024' में उन्होंने कहा, 'अप्रैल से जून तिमाही में भारत का सकल घरेलू उत्पाद सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि यह पांच तिमाहियों में सबसे धीमी दर थी, लेकिन भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डेलॉइट के मुताबिक आने वाले वर्ष में भी स्थिति ऐसी ही बने रहने की संभावना है।'

अनुमान है कि मुद्रास्फीति में कमी और अनुकूल मानसून के बाद विशेषकर ग्रामीण भारत में कृषि उत्पादन में सुधार से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी। उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होने के साथ विकास में तेजी आने की संभावना है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत को उच्च पूंजी प्रवाह से लाभ हो सकता है। दीर्घकालिक निवेश और रोजगार के अवसरों के रूप में इसका फायदा मिल सकता है, क्योंकि दुनिया भर की बहुराष्ट्रीय कंपनियां परिचालन लागत को और कम करने की कोशिश कर रही हैं।'

सरकार युवाओं की रोजगार क्षमता में सुधार लाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो आर्थिक विकास के लिए बेहतर माहौल पैदा करता है।

देश वित्त वर्ष 2027-2028 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का दूसरी तिमाही का मुनाफा पांच गुना होकर 335.21 करोड़ रुपये

Godrej | PROPERTIES

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ पांच गुना होकर 335.21 करोड़ रुपये रहा। गत वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में कंपनी का शुद्ध लाभ 66.80 करोड़ रुपये रहा था। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कुल आय दोगुना होकर 1,346.54 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 605.11 करोड़ रुपये थी। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

उसना चावल से एक्सपोर्ट ड्यूटी हटाई गई, केंद्र की ओर से नोटिफिकेशन जारी

राइस एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने चावल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए उसना चावल यानी उबले चावल (परबॉयल्ड राइस) पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी को खत्म कर दिया है। पिछले सप्ताह ही हाई लेवल मिनिस्टीरियल पैनल ने इस आशय का निर्णय लिया था??। अब इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। चावल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए पिछले महीने ही उसना चावल पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी को 20 प्रतिशत से घटा कर 10 प्रतिशत किया गया था। लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमत में आई गिरावट और देश में पहले से मौजूद चावल के पर्याप्त भंडार को देखते हुए सरकार ने उसना चावल पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी को पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

कुछ दिनों पहले ही इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरईएफ) ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मिलकर चावल पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी को खत्म करने की मांग की थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने हाई लेवल मिनिस्टीरियल फाइनल का गठन किया। इस मिनिस्टीरियल पैनल ने उसना चावल पर लगने वाली 10 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी को खत्म करने का फैसला लिया। आईआरईएफ का कहना है कि भारत के पास चावल का पर्याप्त भंडार पहले से मौजूद है। इसी तरह इस खरीफ सीजन में चावल की बंपर पैदावार हुई है?, जिसके कारण जल्द ही देश के चावल भंडार में जबरदस्त बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

आईआरईएफ की ओर से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को बताया गया कि फिलहाल देश में ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के तहत 235 लाख टन चावल का विशाल स्टॉक मौजूद है। इसके अलावा इस सीजन में भी 275 लाख टन अतिरिक्त चावल के बाजार में आने की उम्मीद है। इस तरह देश में चावल का विशाल भंडार इकट्ठा हो जाएगा। ऐसे में चावल उत्पादक किसानों और चावल के कारोबारियों को तभी राहत मिल सकती है, जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल के निर्यात के लिए उन्हें बंदिशों से मुक्त होकर काम करने का मौका मिले।

आईआरईएफ की ओर से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को दिए गए ज्ञापन में ये भी कहा गया था कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमत में लगातार गिरावट आई है। दूसरी ओर, एक्सपोर्ट ड्यूटी की वजह से भारतीय चावल अंतरराष्ट्रीय बाजार में तुलनात्मक तौर पर महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल को प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य पर पेश करने से ही निर्यात के मोर्चे पर सफलता मिल सकती है। इन्हीं बातों को सामने रखते हुए आईआरईएफ ने केंद्र सरकार से 10 प्रतिशत की एक्सपोर्ट ड्यूटी को खत्म करने की मांग की थी।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि उसना चावल से एक्सपोर्ट ड्यूटी खत्म कर देने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय चावल की कीमत में गिरावट आएगी, जिससे चावल के निर्यात में तेजी आएगी। ऐसा होने से किसानों का तो फायदा होगा ही, चावल के कारोबारियों की भी आय बढ़ेगी और सरकार के गोदामों में चावल के भंडारण और रखरखाव पर होने वाले खर्च में भी कमी आएगी।

इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन ने सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि उसना चावल को ड्यूटी फ्री करने से विशेष रूप से अफ्रीकी देशों में इसका निर्यात बढ़ सकेगा। इसके साथ ही दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में भी भारतीय चावल की खेप पहुंच सकेगी। इन दोनों ही क्षेत्रों के देश कीमत को लेकर काफी संवेदनशील माने जाते हैं। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमत में गिरावट आने के बाद इन देशों ने भारत से चावल लेने की जगह थाईलैंड, वियतनाम और पाकिस्तान जैसे देशों से चावल लेना शुरू कर दिया। अब एक्सपोर्ट ड्यूटी खत्म होने के बाद भारत का चावल भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी कीमत पर बेचा जा सकेगा, जिससे चावल खरीदने वाले देशों में भारतीय चावल की खपत बढ़ेगी।

एक नजर

जेएलआर ने बेंगलुरू में 'ओपन इनोवेशन हब' खोला

नई दिल्ली, एजेंसी। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) बेंगलुरू में 'ओपन इनोवेशन हब' खोला है। स्टार्टअप के साथ मिलकर काम करने की उसकी पहल के तहत इसे खोला गया है। जेएलआर ने बुधवार को बयान में कहा, इस पहल का मकसद अगली पीढ़ी के उत्पादों व सेवाओं का विकास करना है जो कंपनी के भविष्य के ग्राहक अनुभवों को समझने में मदद करेगी। टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाले प्रमुख ब्राण्ड ने बेंगलुरू में 'ओपन इनोवेशन हब' खोला है। ब्रिटेन, अमेरिका, इजराइल और ब्राजील में कंपनी की पहल की सफलता के बाद इसे देश में 'हब' खोला गया। बयान के अनुसार, भारतीय 'हब' कृत्रिम मेधा, डेटा व एनालिटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) और सेंसर तथा उपकरणों सहित गहन प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करेगा। जेएलआर के निदेशक (नवाचार) इगोर मुराकामी ने कहा, 'भारत का तेजी से बढ़ता स्टार्टअप क्षेत्र, जेएलआर की स्थापित मौजूदगी और टाटा समूह के साथ घनिष्ठ संबंध देश को नवीनतम नवाचार केंद्र के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।' उन्होंने कहा कि वैश्विक सहयोग के जरिये यह पहल वाहन विनिमार्ता को अगली पीढ़ी की प्रतिभा और प्रौद्योगिकियों से जोड़ रही है। जेएलआर ने अप्रैल 2022 में 'ओपन इनोवेशन प्रोग्राम' पेश किया था और इसके तहत खोला गया यह उसका पांचवां 'हब' है। इस कार्यक्रम के जरिये वैश्विक स्तर पर 2,500 से अधिक स्टार्टअप के साथ जुड़ा गया जिसके परिणामस्वरूप अब तक 33 औपचारिक सहयोग किए गए हैं।

प्रणव चावड़ा जे पी मॉर्गन चेस बैंक इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त

मुंबई, एजेंसी। जे पी मॉर्गन चेस बैंक इंडिया ने प्रणव चावड़ा को अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की बुधवार को घोषणा की। अमेरिकी बैंकिंग प्रमुख जे पी मॉर्गन की इकाई ने कहा, उसे भारत में बैंकिंग इकाई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में चावड़ा की नियुक्ति के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी मिल गई है। आधिकारीक बयान के अनुसार, चावड़ा 2019 में जे पी मॉर्गन में शामिल हुए और वाणिज्यिक बैंकिंग खंड का नेतृत्व किया। अब उनकी जिम्मेदारियों का विस्तार किया जा रहा है और वह कॉर्पोरेट बैंकिंग इकाई का भी नेतृत्व करेंगे। जे पी मॉर्गन के एशिया प्रशांत के उपाध्यक्ष कौस्तुभ कुलकर्णी ने कहा, 'हमारी बैंकिंग इकाई के सीईओ के रूप में प्रणव का अनुभव तथा स्थानीय बाजार की गहरी समझ उन्हें कॉर्पोरेट बैंकिंग व्यवसाय को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगी।'

सूक्ष्म वित्त संस्थान अंधाधुंध कर्ज देने से बचें: वित्तीय सेवा सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने बुधवार को कहा कि छोटी राशि के कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों (एमएफआई) ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन उन्हें अंधाधुंध ऋण देने से बचना चाहिए। यहां 'सा-धन' के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'हम सभी को इस मामले में सावधान रहना चाहिए। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) या संयुक्त रूप से कर्ज लेने वाले समूहों (जेएलजी) को बिना सोचे विचारे या जोखिम से निपटने के लिए नियमों का कड़ाई से पालन किये बिना ऋण देने से इस क्षेत्र को नुकसान होगा।' उन्होंने कहा कि जो कुछ भी उनकी भुगतान करने की क्षमता को प्रभावित करेगा, वह वास्तव में एमएफआई को नुकसान पहुंचाएगा। सचिव ने कहा, 'इसीलिए, हमें इस बात में बहुत सावधान रहना चाहिए कि हम क्या, कब और कैसे कर्ज देते हैं। इसका कारण उनकी वित्तीय साक्षरता सीमित हैङ्कहमें वास्तव में उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास करना चाहिए। आवश्यक वित्त प्रदान करें और उनकी मदद भी सुनिश्चित करें ताकि वे फलें-फूलें और आगे बढ़ें।' नागराजू ने कहा कि स्वयं सहायता समूह को बैंक से जोड़ने के कार्यक्रम के तहत 77 लाख से अधिक समूह हैं। उनके पास 2.6 लाख करोड़ रुपये का बकाया ऋण है। इससे लगभग 10 करोड़ गरीब परिवारों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त रूप से कर्ज लेने वाले समूह भी 4.4 लाख करोड़ रुपये की बकाया कर्ज राशि के साथ लगभग आठ करोड़ गरीब परिवारों को लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। नागराजू ने कहा कि सरकार महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य से लखपति दीदी योजना भी लागू कर रही है। इस योजना का उद्देश्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को महिला उद्यमियों में बदलना है ताकि वे अपना कारोबार स्थापित करने और उसे आगे बढ़ाने में सक्षम हो सकें।

ईवी विनिमार्ता अतुल ग्रीनटेक ने एक्साइड एनर्जी सॉल्यूशंस के साथ किया समझौता

मुंबई, एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक वाहन विनिमार्ता कंपनी अतुल ग्रीनटेक ने लिथियम-आयन बैटरी की आपूर्ति के लिए एक्साइड एनर्जी सॉल्यूशंस (ईईएसएल) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की बुधवार को जानकारी दी। एजीपीएल ने बयान में कहा, 'समझौते के तहत अतुल ऑटो की अनुषंगी कंपनी अतुल ग्रीनटेक प्राइवेट लिमिटेड, ईईएसएल की गुजरात के प्रांतिज स्थित विनिर्माण सुविधा से लिथियम-आयन बैटरी पैक की आपूर्ति करेगी। साथ ही ईईएसएल द्वारा कर्नाटक के बेंगलुरू स्थित विनिर्माण सुविधा में उत्पादन शुरू करने के बाद बैटरी की आपूर्ति करेगी।' अतुल ऑटो लिमिटेड के निदेशक विजय केडिया ने कहा, 'घरेलू स्तर पर निर्मित लिथियम-आयन सेल के एकीकरण के साथ यह समझौता ज्ञापन न केवल भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है, बल्कि इलेक्ट्रिक परिवहन में टिकाऊ व अभिनव भविष्य के लिए मंच भी तैयार करता हैङ्क जिससे देश आगे बढ़ेगा।'

मेहंदी से बाल हो गए हैं ड्राई तो आप भी ट्राई कर सकती हैं ये होममेड हेयर मास्क

आमतौर पर लोग सफेद बालों को कलर करने के लिए मेहंदी का इस्तेमाल करते हैं। मेहंदी के इस्तेमाल से बालों को अच्छा कलर तो मिल जाता है और कुछ दिनों के लिए बालों के सफेद दिखने की समस्या भी कम हो जाती है। लेकिन कई बार मेहंदी लगाने के बाद बाल ड्राई होने लगते हैं और ड्राई बाल मुख्य रूप से हेयर फॉल का कारण भी बनते हैं। अक्सर मेहंदी अप्लाई करते समय हम कुछ गलतियां करते हैं जिसकी वजह से बाल ज्यादा ड्राई हो जाते हैं। जैसे मेहंदी से पहले बालों में तेल न लगाना और रूखे बालों में ही मेहंदी लगाना।

जब हम रूखे बालों में ही मेहंदी का इस्तेमाल करने लगते हैं तो मेहंदी लगाने के बाद बाल और ज्यादा रूखे और बेजान हो जाते हैं। अगर आपके बाल भी मेहंदी के बाद ज्यादा ड्राई हो जाते हैं तो आप इनकी ड्राइनेस कम करने के लिए बालों में कुछ होममेड हेयर मास्क अप्लाई कर सकती हैं। ये हेयर मास्क वैसे तो पूरे तरह से प्राकृतिक हैं और इनका बालों में कोई भी साइड इफेक्ट नहीं है लेकिन बालों में ये हेयर मास्क अप्लाई करने से पहले आप विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें क्योंकि सभी के बालों का प्रकार अलग होता है और किसी भी सामग्री का असर आपके बालों पर अलग तरीके से हो सकता है।

बालों में मेहंदी लगाने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

यदि आप बालों में मेहंदी अप्लाई करती हैं तो आपको सबसे ज्यादा ध्यान में रखने वाली बात ये है कि मेहंदी लगाने से पहले किसी भी ऑयल जैसे जैतून या नारियल के तेल का इस्तेमाल करें। मेहंदी बालों से हटाने के तुरंत बाद शैम्पू न करें बल्कि कम से कम 12 घंटे बाद ही बालों को शैम्पू करें। शैम्पू के बाद आप कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें, क्योंकि मेहंदी बालों को ड्राई कर सकती है।

बालों में मेहंदी के बाद होममेड हेयर मास्क क्यों जरूरी है

यदि आप मेहंदी से ड्राई हो चुके बालों में होममेड हेयर मास्क अप्लाई करती हैं तो ये 20 मिनट से भी कम समय में आपके बालों को ढेर सारे लाभ प्रदान करने में मदद करता है। हेयर मास्क आपके बालों को मुलायम और हाइड्रेटिंग बनाने के साथ बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देने, बालों में चमक जोड़ने और यहां तक कि बालों के झड़ने को कम करने में भी मदद करते हैं। आइए जानें मेहंदी का बालों में इस्तेमाल करने के बाद आप कौन से हेयर मास्क का इस्तेमाल अपने बालों में कर सकते हैं।

ब्राउन शुगर और ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

ब्राउन शुगर बालों के लिए एक बेहतरीन एक्सफोलिएंट है जो आपके स्कैल्प से उन मृत त्वचा कोशिकाओं और किसी भी बचे हुए अवशेष के निर्माण से छुटकारा पाने में मदद करता है। वहीं जैतून का तेल हमेशा सूखे बालों के इलाज के लिए प्राकृतिक कंडीशनर के रूप में उपयोग किया जाता है। यह बालों को नमी प्रदान करके बालों की ड्राइनेस को कम करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

शुगर - 2 बड़े चम्मच
जैतून का तेल- 1 बड़ा चम्मच

हेयर मास्क बनाने और इस्तेमाल का तरीका

- एक बाउल में चीनी और तेल को एक साथ मिलाकर हेयर मास्क तैयार करें।
- इस हेयर मास्क को अपने बालों में ऊपर से नीचे तक लगाएं।
- हेयर मास्क को अपने बालों पर 15-20 मिनट के लिए लगा रहने दें।
- बालों को शॉवर कैप से ढककर रखें।
- 15 -20 मिनट के बाद बालों को अच्छी तरह से शैम्पू करें और शैम्पू के बाद बालों में कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें।

नारियल तेल का हेयर मास्क

नारियल तेल बालों की ड्राईनेस को कम करने में मदद करता है और मेहंदी से ड्राई हो चुके बालों को भी शाइन प्रदान करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

शहद - 1 बड़ा चम्मच
नारियल तेल - 1 बड़ा चम्मच

बनाने और इस्तेमाल का तरीका

- एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच नारियल का तेल और 1 बड़ा चम्मच शहद डालकर आपस में अच्छी तरह से मिलाएं।
- मिश्रण को एक बर्तन में निकाल लें और इसे गर्म करें ताकि शहद और नारियल का तेल एक दूसरे में अच्छी तरह से मिक्स हो जाए।
- मिश्रण को वापस बाउल में डालें और ठंडा होने दें। फिर, अपने बालों पर ऊपर से नीचे तक मास्क लगाएं और अपने पूरे बालों पर पूरी तरह से अप्लाई करें। यदि आपकी जड़ें आमतौर पर काफी ऑयली हैं, तो केवल मध्य लंबाई से नीचे तक मास्क लगाएं।
- बची हुई नमी को बनाए रखने के लिए शॉवर कैप लगाएं।
- 20 मिनट के बाद अपने बालों को गर्म पानी से धो लें और हमेशा की तरह शैम्पू और कंडीशनर करें।
- अगर आपके बाल मेहंदी लगाने के बाद रूखे हो गए हैं तो आपको बालों की ज्यादा देखभाल करने की जरूरत है। इसके लिए यहां बताए हेयर मास्क अप्लाई करें। लेकिन इन मास्क का इस्तेमाल करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

वेडिंग गिफ्ट जा रही हैं खरीदने तो इन जरूरी बातों को रखें खास ख्याल

शादियों का सीजन शुरू हो गया है, ऐसे में सिर्फ कपड़े-गहने ही नहीं बल्कि गिफ्ट की भी खरीदारी शुरू हो जाती हैं। खासकर अगर शादी घर के किसी सदस्य की हो तो इस बात को सोचना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है कि आखिर गिफ्ट में दूल्हा और दुल्हन को क्या दिया जाए? बता दें कि इंडियन वेडिंग में महंगे तोहफे देने का रिवाज काफी पुराना है, लेकिन अब समय काफी बदल गया है, ऐसे में बजट के साथ-साथ जरूरत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

वहीं कुछ लोग वेडिंग गिफ्ट खरीदारी में समय अधिक चला जाता है। दरअसल, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि लोग गिफ्ट को लेकर काफी कंफ्यूजन रहते हैं, ऐसे में हम पहले डिसाइड कर लें, तो पैसे और समय दोनों को बचाया जा सकता है। इसलिए वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी करते वक्त कुछ बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

वेडिंग गिफ्ट सेलेक्शन

वेडिंग गिफ्ट में क्या दें, यह सबसे बड़ा सवाल होता है। आप इसे बारे में दूल्हा या फिर दुल्हन से सवाल भी नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा दूसरों से पूछने पर वो अलग से आपको आइडिया दे सकते हैं। इस तरह कंफ्यूजन काफी बढ़ जाता है, इसलिए बेहतर है कि आप खुद तय करें कि शादी के बाद दूल्हा और दुल्हन को किन चीजों को जरूरत अधिक पड़ती है। उसे ध्यान में रखते हुए गिफ्ट की खरीदारी करें। इसके अलावा गिफ्ट इस उम्मीद से ना दें, आपको वापस मिल सकता है। गिफ्ट अच्छा और जरूरत को ध्यान में रखकर दें।

कैश रजिस्टरी का ऑप्शन चुने

वेडिंग गिफ्ट के तौर पर कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी से पहले आप चाहें तो कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। दरअसल, आज कल डेस्टिनेशन का ट्रेंड चल पड़ा है। ऐसे में साथ में गिफ्ट ले जाना काफी ओल्ड फैशन हो सकता है। आप चाहें तो कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। कैश रजिस्ट्री कराने से न्यूली मैरिड कपल अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार चीजें खरीद सकती हैं। वहीं कपल भी चाहें तो इस कैश को आने वाले समय के लिए सेव भी कर सकते हैं।

खरीदारी से पहले बजट सेट करें

वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी से पहले बजट तय कर लें। दरअसल, कई बार मार्केट में खरीदने कुछ जाते हैं और खरीदकर कुछ लाते हैं। मार्केट में चीजें की तरह-तरह होती हैं, जिसे लेकर कंफ्यूजन काफी होता है। अगर आप बजट सेट करने से आप कंफ्यूज नहीं होंगे और उतनी ही कीमत में आप गिफ्ट खरीदकर लाएंगे। इस तरह आप फिजूलखर्ची से भी बच सकती हैं।

ऑफलाइन और ऑनलाइन चेक करें

कई बार हम वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी आखिरी समय में करते हैं, ऐसे में आप चाहे तो ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों का ऑप्शन चुन सकती हैं। दरअसल, घर की शादी में काफी तैयारी करनी पड़ती है।

ऑफलाइन खरीदारी में काफी समय चला जाता है, ऐसे में आप समय को बचाना चाहती हैं तो ऑनलाइन खरीद सकती हैं। वहीं अगर आप ने तय कर लिया कि आपको दूल्हा और दुल्हन को गिफ्ट में क्या देने वाली हैं तो उसे ऑनलाइन पहले चेक कर लें। इसके बाद समय है तो ऑफलाइन खरीदारी कर सकती हैं।

क्वालिटी जरूर करें चेक

अक्सर ऐसा देखा होगा कि लोग शादी के गिफ्ट के तौर पर एक नहीं कई चीजें देते हैं। हालांकि, जब बाद में उसे चेक करें तो कई चीजें खराब या फिर इस्तेमाल के योग्य नहीं होती। इससे छवि खराब होती है, इसलिए एक साथ कई सारी चीजें तोहफे में देने के बजाय एक ही चीज सेलेक्ट और उसे गिफ्ट करें। कोशिश करें कि खरीदारी करते वक्त वेडिंग गिफ्ट को अच्छी तरह चेक कर लें। उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए।

शादियों का सीजन चल रहा है और जिनकी शादी होने वाली है, उन्होंने अभी से इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। शादी की तैयारियां केवल शॉपिंग पर खत्म नहीं होती हैं, बल्कि जल्द न्यूली वेड कपल बनने की तैयारी कर रहे जोड़े अपने रूम को सजाने और संवारने के बारे में भी बातें करते हैं।

ऐसा होना चाहिए न्यूली वेड कपल का बेडरूम

दुल्हन का आगमन हजारों खुशियां लेकर आता है। हिंदू धर्म में तो दुल्हन को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। ऐसे में देवी लक्ष्मी का गृह प्रवेश परिवार में सुख और समृद्धि लेकर आए, इसके लिए घर में जुड़ने वाली नई सदस्या का खुश रहना बहुत जरूरी है। किसी को भी सबसे ज्यादा सुकून उसके अपने कमरे में मिलता है, इसलिए न्यूली वेड कपल का कमरा सेट करते वक्त कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासतौर पर वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा कैसा होना चाहिए, इस परएस्ट्रोलॉजर एवं वास्तु एक्सपर्ट कहती हैं, 'न्यूली वेड कपल के कमरे की दिशा, रंग और उसमें रखे सामान का वास्तु के हिसाब से होना बहुत जरूरी है। इससे उनका रिश्ता बेहतर बनता है और परिवार के लिए भी सब कुछ शुभ होता है।'

बेडरूम की दिशा

वास्तु एक साइंस है और 'वे ऑफ आर्किटेक्चर' है। इसमें दिशाओं का विशेष महत्व होता है।' इसलिए वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा साउथ-ईस्ट दिशा में होना चाहिए और घर की सबसे ऊपर वाली मंजिल में होना चाहिए। हालांकि, कई बार वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा सही दिशा में नहीं होता है। ऐसे में वास्तु दोष को दूर करने के लिए कमरे में बेड की सेटिंग इस तरह होनी चाहिए कि दुल्हन का सिर साउथ में और पैर नॉर्थ में हो। इस दौरान ध्यान रखें कि पैर एकदम दरवाजे के सामने नहीं होने चाहिए। अगर इस दिशा में सोने की व्यवस्था नहीं हो पा रही हैं तो ईस्ट की ओर सिर किया जा सकता है। लेकिन जब भी आपको कंसीव करना हो तो अपने सोने की जगह को बदल लें।

बेड कैसा होना चाहिए

सोशल डेकोरेशन को भूल कर आपको लकड़ी का ही बेड अपने लिए चुनना चाहिए। 'मेटल में कोल्ड एनर्जी होती होती है और वुड में वॉर्म एनर्जी होती है। न्यूली वेड कपल्स को वॉर्म एनर्जी की जरूरत होती है।' इसके साथ ही, इस बात का ध्यान रखें कि बेड में अगर बॉक्स भी है तो उसमें कोई भी कबाड़ न रखें और न ही कोई धारदार चीज रखें। यहां तक की बेड पर पड़ा गद्दा भी सिंगल होना चाहिए।

कैसा होना चाहिए कमरे में शीशा

शीशा आपका प्रतिबिंब बनाता है। किसी भी चीज को डबल करना और एनर्जी को फैलाना शीशे की प्रॉपर्टी होती है। इसलिए शीशे का सही दिशा में होना जरूरी है। सोते वक्त शीशे में आप नजर न आएं इसके लिए हमेशा शीशा बेड के बगल में होना चाहिए।

कमरे का डेकोरेशन कैसा होना चाहिए

कमरे के डेकोरेशन में सबसे ज्यादा लोग फोटो फ्रेम्स का इस्तेमाल करते हैं। न्यूली वेड कपल्स को भी अपने कमरे में हमेशा ऐसी तस्वीरें लगानी चाहिए, जो उन्हें खुशी दें। भगवान की तस्वीर कभी न लगाएं, सोलो व्यक्ति की तस्वीर न लगाएं और जंगली जानवरों की तस्वीरें भी न लगाएं। कपल अपनी भी तस्वीर लगा सकते हैं।

कमरे का रंग कैसा होना चाहिए

अपना फेवरेट कलर ही कमरे की दीवारों पर कराएं। हो सके तो कमरे में कहीं न कहीं लाल रंग का इस्तेमाल जरूर करें। क्योंकि यह रंग एनर्जी को बढ़ाता है और कपल के बीच के प्रेम संबंधों को मधुर बनाता है। ज्यादा लाल रंग न इस्तेमाल करें क्योंकि इससे कंसीव करने में दिक्कत आती है और लड़ाई झगड़े भी होते हैं।

घर पर बनाएं मूंग दाल डोसा

साउथ इंडियन खाने का अपना अलग ही मजा है। स्वादिष्ट होने के साथ-साथ दक्षिण भारतीय व्यंजन हेल्दी भी हो सकते हैं, क्योंकि उनमें तेल की मात्रा कम से कम होती है। इडली, डोसा, सांभर, रसम, वड़ा, अप्पम, लेमन राइस जैसे अन्य कई व्यंजनों को देखकर आपके मुंह भी पानी आता होगा? दूसरी सबसे अच्छी बात यह है कि आप इनका आनंद सुबह नाश्ते, ब्रंच, लंच, स्नैक्स और डिनर में भी ले सकते हैं।

आज हर शहर में आप साउथ इंडियन फूड का आनंद ले सकते हैं। इतना ही नहीं, घर पर भी इन्हें बनाया जा सकता है। अब बात करें डोसा की, तो आज हम आपके लिए डोसा की रेसिपी लेकर आए हैं, लेकिन यह आम डोसा नहीं, बल्कि मूंग दाल से बनने वाला डोसा है। इसे आप केवल दो मिनट में बना भी सकते हैं।

बनाने का तरीका

- मूंग दाल का डोसा बनाने के लिए पहले जरूरी सामग्री को इकट्ठा कर लें। मूंग दाल को कुछ देर पहले भीगोकर रखें। उसके बाद एक मिक्सी में भीगी हुई मूंग दाल, थोड़ा-सा पानी, अदरक और हरी मिर्च डालकर ग्राइंड कर लें।
- जब बैटर तैयार हो जाए तो उसे एक भगोने में निकाल कर रख लें। अब तैयार बैटर में स्वादानुसार नमक और दो चम्मच चावल का आटा डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- अब एक तवा गर्म करें और उस पर यह बैटर फैला लें। थोड़ी देर सेकने के बाद बैटर के ऊपर हल्का-सा तेल डालें और फिर आलू का मसाला डालने की बजाय उसमें बारीक कटा प्याज, टमाटर और धनिया डालें।
- इसे कुछ सेकंड सेकने के बाद डोसा फोल्ड करें और एक प्लेट पर निकाल लें। स्वादिष्ट टमाटर और नारियल की चटनी के साथ मूंग दाल के इस डोसे को सर्व करें।
- घर पर मूंग दाल का डोसा बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने में आपको केवल दो मिनट लगेंगे। आइए जानें इसकी आसान रेसिपी

सामग्री

1 कप मूंग दाल
1 इंच अदरक
2 चम्मच चावल का आटा,
1 हरी मिर्च
आधा कप पानी,
स्वादानुसार नमक
1 बारीक कटा प्याज
1 बारीक कटा टमाटर
1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हुआ धनिया

विधि

- भीगी हुई मूंग दाल को एक मिक्सी में डालें और उसमें अदरक और हरी मिर्च डालकर ग्राइंड करें।
- बैटर को एक भगोने में निकालें और उसमें चावल का आटा और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।
- अब एक तवा गर्म करें और उसमें तैयार बैटर फैलाएं। ऊपर से हल्का-सा तेल डालें और कुछ देर सेक लें।
- अब इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर और धनिया डालें। डोसा को फोल्ड कर एक प्लेट में निकालें और चटनी के साथ सर्व करें।

सिर्फ सेहत ही नहीं, घर चमकाने के काम भी आता है जैतून का तेल

जैतून तेल का इस्तेमाल सेहत और ब्यूटी से जुड़ी परेशानियों को दूर करने के लिए किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि यह घर की सफाई में भी मददगार है। जी हां, जैतून के तेल से आप घर की साफ-सफाई भी कर सकते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि किस तरह जैतून के तेल का इस्तेमाल आपके घर की छोटी-छोटी प्रॉब्लम को दूर करता है।

लकड़ी के फर्श को करें साफ

1 चम्मच ऑलिव ऑयल और 1/2 चम्मच व्हाइट विनेगर को मिक्स करके उसे अपनी घर की फर्श को साफ करें। यह आपके फर्श को नए जैसा चमका देगा और इससे फर्श के दाग-धब्बे भी आसानी से साफ हो जाएंगे।

पुराने फर्नीचर को रखें नए जैसा

लकड़ी के फर्नीचर की अलग सही तरीके से देखभाल न की जाए तो वह खराब होने लगते हैं। ऐसे में आप कपड़े पर हल्का-सा जैतून का तेल लगाकर लकड़ी के फर्नीचर को साफ करें। उसके बाद सूखे कपड़े के फर्नीचर साफ करें। इससे आपका पुरानी वुडन फर्नीचर भी नया लगेगा।

बर्तनों को चमकाएं

रसोई में खाना बनाते हुए कई बार बर्तन जल जाते हैं। ऐसे में सबसे पहले उसपर व्हाइट विनेगर और बेकिंग सोडा डालकर बर्तन को साफ करें। फिर उसपर जैतून का तेल और नमक डालकर स्क्रब की मदद से साफ करें। इससे आपका बर्तन बिल्कुल साफ हो जाएगा।

जूट फर्नीचर की सफाई

जूट के फर्नीचर में गंदगी आसानी से नहीं निकलती और उसकी शाइन खोने लगती है। वैक्यून क्लीनर से सफाई करने के बावजूद भी वह अच्छी तरह साफ नहीं होते। ऐसे में आप कपड़े पर जैतून का तेल लगाकर फर्नीचर की सफाई करें। इससे उसकी धूल-मिट्टी भी आसानी से निकल जाएगा और नया भी लगने लगेगा।

श्रृंखला में वापसी करने के लिए टीम का सही चयन करना होगा भारत को

पुणे, एजेंसी। पहले मैच में अप्रत्याशित हार से आहत भारत को अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला में वापसी करनी है तो उसे गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे मैच में सही तरह से चयन करके संतुलित टीम मैदान पर उतारनी होगी।

भारत बेंगलुरु में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में केवल 46 रन पर आउट हो गया था। उसने दूसरी पारी में अच्छा खेल दिखाया लेकिन इसके बावजूद उसे आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी शीर्ष पर है लेकिन पहले मैच में हार के कारण उसे कुछ अंक गंवाने पड़े।

अगले महीने पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाने से पहले रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की प्राथमिकता न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

यहां एमसीए स्टेडियम की पिच को भारत की स्थिति को देखकर तैयार किया गया है। इस पर घास नहीं है और इसे काली मिट्टी से तैयार किया गया है जिस पर न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों को बेंगलुरु जैसी उछाल नहीं मिलेगी।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों विलियम ओरूर्के, मैट हेनरी और टिम साउदी ने पहले मैच में भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था। ऐसे में भारत टर्निंग विकेट तैयार कर सकता है लेकिन अतीत में उसका यह दांव उल्टा भी पड़ चुका है।

ऑस्ट्रेलिया ने आठ साल पहले यहां टर्निंग विकेट पर भारत को 333 रन से हराया था। इसी टीम ने पिछले साल इंदौर में खेले गए मैच में भारतीय टीम नौ विकेट से पराजित किया था।

शुभमन गिल वापसी करने के लिए तैयार है तथा केएल राहुल और सरफराज खान में से किसी एक को उनके लिए जगह खाली करनी होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर राहुल को अधिक मौके दिए जाने के पक्ष में हैं लेकिन सरफराज ने बेंगलुरु में दूसरी पारी में 150 रन बनाकर अपना पक्ष मजबूत कर दिया है।

भारत को सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। कोहली ने 2019-20 के सत्र में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां 254 रन की नाबाद पारी खेली थी और वह उससे प्रेरणा लेकर बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन भले ही राहुल का पक्ष ले रहा हो लेकिन यह बल्लेबाज पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहा है। दूसरी तरफ सरफराज ने ईरानी कप में मुंबई की तरफ से नाबाद 222 रन बनाने के बाद बेंगलुरु में तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद 150 रन की शानदार पारी खेली थी।

ऋषभ पंत ने मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान कुछ समय के लिए विकेटकीपिंग की थी और यह देखना होगा कि वह दूसरे टेस्ट मैच के लिए पूरी तरह से फिट होते हैं या नहीं।

भारत की समस्या बल्लेबाजी तक ही सीमित नहीं है। उसकी गेंदबाजी में भी कुछ समस्या हैं विशेषकर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का लगातार खराब प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में टीम प्रबंधन आकाशदीप को मौका दे सकता है जिन्होंने मंगलवार को बल्लेबाजी का भी जमकर अभ्यास किया।

पिच से अगर स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलती है तो रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा इसका पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। वाशिंगटन सुंदर को भी टीम में शामिल किया गया है। उन्हें अगर अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है तो इससे भारत की बल्लेबाजी भी मजबूत होगी। जहां तक न्यूजीलैंड की बात है तो उसकी तरफ से पहले टेस्ट मैच में रचिन रविंद्र ने शतक जमाकर अंतर पैदा किया था लेकिन उसकी टीम अन्य बल्लेबाजों से भी उपयोगी योगदान की उम्मीद कर रही होगी।

टीम इस प्रकार हैं:

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, वाशिंगटन सुंदर।

न्यूजीलैंडः टॉम लैथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, मार्क चैपमैन, विल यंग, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर, रचिन रवींद्र, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), अजाज पटेल, मैट हेनरी, टिम साउदी,, विलियम ओरूर्के, जैकब डफी।

मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे शुरू होगा।

ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी थिएम ने संन्यास लिया

फेडरर, नडाल ने उन्हें 'शानदार करियर' के लिए बधाई दी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने डोमिनिक थिएम को उनके संन्यास पर बधाई दी, क्योंकि ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी ने एर्स्टे बैंक ओपन में लुसियानो डाडेरी के खिलाफ पहले दौर में हारकर अपने पेशेवर करियर को समाप्त कर दिया।

ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी ने 2020 यूएस ओपन में एक प्रमुख खिताब जीता। वह तीन अन्य स्लैम के फाइनल में भी पहुंचे, 17 एटीपी एकल खिताब जीते; करियर की सर्वोच्च एटीपी रैंकिंग नंबर 3 हासिल की; और छह साल के बेहतर हिस्से के लिए शीर्ष 10 में शामिल रहे।

फेडरर ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, एक शानदार करियर का अंत हो गया। बधाई डोमी। चाहे कोई भी सतह हो, आपने हमेशा अपने शानदार बैकहैंड से मुझे हराने का एक तरीका ढूंढ लियाह्व उन्होंने कहा, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपने इसे शालीनता और खेल भावना के साथ किया।

थिएम ने फेडरर के खिलाफ अपने सात एटीपी हेड2हेड मुकाबलों में से पांच जीते। उनकी एकमात्र चैंपियनशिप भिड़ंत 2019 परीबा ओपन में हुई, जहां ऑस्ट्रियाई ने अपना एकमात्र एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता।

नडाल, जिन्होंने अपनी सीरीज 10-6 से जीती (थिएम ने चार क्ले-कोर्ट जीत हासिल की) ने भी एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की, जिसमें कई लोगों की तरह ही भावना साझा की गईः 'डैंके डोमी'।

थिएम ने 'बिग थ्री' - नोवाक जोकोविच, ह्यनडाल और ह्यफेडरर के खिलाफ एक दुर्जेय, यहां तक कि चौंकाने वाला रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने बिग थ्री के खिलाफ 16-19 के रिकॉर्ड के साथ करियर समाप्त किया, जिसमें उन्होंने 46 प्रतिशत मैच जीते।

उन्होंने फेडरर पर 5-2 की बढ़त हासिल की (जिसमें 2016 में स्टटगार्ट में घास पर जीत भी शामिल है, (संयोग से थिएम की सबसे खराब सतह); एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, जोकोविच (ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी ने टूर पर नौसिखिया रहते हुए अपने पहले पांच मैच गंवाए थे); और नडाल के खिलाफ 6-10 से हारे (जिसमें स्पेन के खिलाड़ी पर उनकी पसंदीदा लाल मिट्टी पर चार जीत शामिल हैं)।

अपने करियर के अंतिम प्रो मैच में, थिएम ने पहले सेट में शानदार प्रदर्शन किया, खासकर अपने ट्रेडमार्क बैकहैंड के साथ। लगातार पॉइंट जीते गए। थिएम न केवल दुनिया के 42वें नंबर के खिलाड़ी के साथ बने रहने में सक्षम थे, बल्कि ब्रेक के साथ बढ़त भी हासिल की। हालांकि, डाडेरी ने स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया, जिसके बाद दोनों खिलाड़ी अपनी सर्विस बचाने में सफल रहे। टाई-ब्रेक में, थिएम के पास पहले से ही 4-2 की बढ़त और 6-5 पर एक सेट पॉइंट था। डाडेरी ने वापसी की और पहला सेट 7-6 (6) से अपने नाम किया। डाडेरी ने दूसरे सेट की शुरूआत ब्रेक के साथ की और इस बढ़त को अपने हाथ से जाने नहीं दिया। अंत में, यह 7-6 (6), 6-2 से इतालवी खिलाड़ी के लिए था और थिएम को पेशेवर टेनिस से विदाई में सनसनी से वंचित कर दिया गया।

मैच प्वाइंट के बाद लोअर ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी के लिए खड़े होकर तालियां बजाई गईं और प्रशंसकों द्वारा तैयार कोरियोग्राफी ने भी यूएस ओपन विजेता का सम्मान किया। औरः जिस रैकेट से उन्होंने विएनर स्टैडथैल में अपनी आखिरी गेंदें मारी थीं, उसे मैच के तुरंत बाद एक डिस्प्ले केस में रख दिया गया था और अब स्टैडथैल के हॉल एफ में 'आधिकारिक टेनिस अनुभव' प्रदर्शनी में इसकी प्रशंसा की जा सकती है।

थिएम ने भावुक भाषण में प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया, पिछले कुछ महीने में मैंने बहुत से अच्छे अलविदा कहे हैं, लेकिन आज मैं सभी सनसनीखेज वर्षों के लिए आपको धन्यवाद कहना चाहता हूं। मैं इस करियर का केवल एक हिस्सा हूं।

आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाख आधिकारिक यात्रा पर युगांडा पहुंचे

एनटेबे, (युगांडा), एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाख मंगलवार को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर युगांडा पहुंचे।

एंटेबे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रेस से बात करते हुए बाख ने कहा, आखिरकार युगांडा आकर मैं बहुत खुश हूं। युगांडा लगातार चैंपियन बना रहा है और यहां आकर अच्छा लग रहा है।

युगांडा के खेल राज्य मंत्री पीटर ओगवांग, युगांडा ओलंपिक समिति (यूओसी) के अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे और पेरिस ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी सहित अन्य लोगों ने बाख का स्वागत किया।

बाख ने उन देशों के बारे में भी बात की, जहां अच्छी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो एथलीटों को ओलंपिक जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं से पहले बेहतर तैयारी करने में मदद करती हैं। युगांडा के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि देश के पास अच्छे पहाड़ी क्षेत्र होने का भी लाभ है, जहां चेप्टेगी जैसे शीर्ष एथलीट प्रशिक्षण लेते रहे हैं और पदक जीतते रहे हैं।

उन्होंने कहा, सभी देशों को युगांडा जैसा लाभ नहीं मिलता। और कुछ देशों को एथलीटों के प्रशिक्षण के स्थान के बारे में अलग-अलग लाभ मिलते हैं।

टेस्ट रैंकिंग में कोहली से आगे निकले पंत

दुबई, एजेंसी। ऋषभ पंत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बल्लेबाजों के लिए टेस्ट रैंकिंग में अपने सुपरस्टार भारतीय साथी विराट कोहली को पीछे छोड़कर छठे स्थान पर पहुंच गये। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 99 रन बनाए थे जिससे उन्हें रैंकिंग में तीन स्थान का फायदा हुआ। दूसरी तरफ कोहली 70 रन बनाने के बावजूद एक पायदान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गए हैं।

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा दो पायदान नीचे गिरकर श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्ने के साथ संयुक्त 15वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं।

न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र (36 पायदान ऊपर 18वें स्थान पर) और डेवोन कॉनवे (12 पायदान ऊपर 36वें स्थान पर) ने बल्लेबाजी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई जबकि उनके साथी मैट हेनरी (दो पायदान ऊपर नौवें स्थान पर) गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड की भारतीय धरती पर लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज विल ओरूर्के दो पायदान ऊपर 39वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली को इंग्लैंड के खिलाफ दो पारियों में 11 विकेट लेने का फायदा मिला है। उन्होंने 17वें स्थान पर फिर से गेंदबाजी रैंकिंग में अपनी जगह बनाई। उनके साथी स्पिनर साजिद खान को 22 स्थान का फायदा हुआ और वह 50वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। उनके बाद रविचंद्रन अश्विन का नंबर आता है जबकि रविद्र जडेजा पहले की तरह सातवें स्थान पर बने हुए हैं।

केएल राहुल को पता होगा कि उन्हें बड़े रन बनाने हैं : गंभीर

पुणे, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के दूसरे टेस्ट से पहले, मुख्य कोच गौतम गंभीर ने केएल राहुल का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें यकीन है कि दाएं हाथ का यह बल्लेबाज बड़े रन बनाने के बारे में जानता है। उन्होंने यह भी कहा कि टीम प्रबंधन के विचार प्लेइंग इलेवन को आकार देते हैं, न कि सोशल मीडिया की आलोचना। बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की आठ विकेट की हार में राहुल ने दोनों पारियों में शून्य और 12 रन बनाए।

सरफराज खान के शानदार 150 रन बनाने और शुभमन गिल के पुणे में खेलने के लिए फिट होने के साथ, राहुल पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव बढ़ रहा है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी यात्रा के साथ। गंभीर ने कहा, ह्वदेखिए, सबसे पहले, सोशल मीडिया का कोई मतलब नहीं है। आप सोशल मीडिया या उस मामले के लिए सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों को नहीं चुनते हैं, यहां तक कि विशेषज्ञ क्या कह रहे हैं। टीम प्रबंधन और नेतृत्व समूह क्या सोचते हैं, यह बहुत महत्वपूर्ण है। आखिरकार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का मतलब है जजमेंटह्व दूसरी ओर, गिल गर्दन की जकड़न के कारण बेंगलुरु टेस्ट से बाहर हो गए थे और अब वे पुणे टेस्ट के लिए वापस आएंगे। ह्व हालांकि गंभीर ने माना कि प्लेइंग इलेवन का चयन अभी नहीं हुआ है, क्योंकि भारत तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से पिछड़ने के बाद वापसी करना चाहता है।

(पंत) वह बिल्कुल ठीक हैं, कल विकेटकीपिंग करेंगे। शुभमन गिल गर्दन में चोट के कारण ही पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। बांग्लादेश के खिलाफ जिस तरह से उनका प्रदर्शन रहा है, जाहिर है कि वे प्लेइंग इलेवन में वापस आएंगे। ह्वअभी तक बाकी प्लेइंग इलेवन का फैसला नहीं हुआ है। हम कल सुबह प्लेइंग इलेवन का फैसला करेंगे, यह देखते हुए कि हम किस संयोजन के साथ जाना चाहते हैं। आखिरकार, हम जिस भी संयोजन के साथ जाएंगे, वह इस टेस्ट मैच को जीतने का एक तरीका होगा।

भारत ने ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को वापस बुलाकर सबको चौंका दिया था, और गंभीर ने कहा कि यह सामरिक कारणों से था। हमें लगा कि शायद उनके पास प्लेइंग इलेवन में चार या पांच बाएं हाथ के खिलाड़ी भी होने चाहिए। अगर हम एक और गेंदबाज चाहते हैं जो बाएं हाथ के बल्लेबाजों से गेंद को दूर ले जा सके, तो यह हमेशा हमारे लिए भी उपयोगी होगाह्व ह्वलेकिन हमने तय नहीं किया है कि हमारी प्लेइंग इलेवन में कौन होगा। हमारा मानना है कि शायद (न्यूजीलैंड) मध्य क्रम में दो ओपनिंग बल्लेबाज, एक बाएं हाथ का बल्लेबाज और रचिन (रवींद्र) हैं।

एक नजर

न्यूजीलैंड के चाड बोवेस ने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाया

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज चाड बोवेस ने बुधवार को केवल 103 गेंद पर दोहरा शतक जड़कर लिस्ट ए क्रिकेट में नया रिकॉर्ड बनाया। बोवेस ने खेल के इस प्रारूप में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया जो इससे पहले भारत के नारायण जगदीसन और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड के नाम दर्ज था। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज बोवेस ने फोर्ड ट्रॉफी में कैंटरबरी की तरफ से ओटागो के खिलाफ खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। वह आखिर में 110 गेंद पर 205 रन बनाकर आउट हुए जो लिस्ट ए क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर भी है। जगदीसन और हेड ने 114 गेंदों में अपने-अपने दोहरे शतक पूरे किए थे। हेड ने 2021-22 में मार्श कप में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेलते हुए, जबकि तमिलनाडु के जगदीसन ने 2022 विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ 277 रन की पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी।

मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स के 71वें संस्करण का आयोजन नवंबर में

मकाऊ, एजेंसी। मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स के 71वें संस्करण का आयोजन 14 से 17 नवंबर तक किया जाएगा। मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स आयोजन समिति (एमजीपीओसी) ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उक्त घोषणा की। इस साल के ग्रैंड प्रिक्स में सात इवेंट, मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स-एफआईए एफआर वर्ल्ड कप, मकाऊ जीटी कप-एफआईए जीटी वर्ल्ड कप, मकाऊ गुआ रेस-कुम्हो एफआईए टीसीआर वर्ल्ड टूर इवेंट ऑफ मकाऊ, मकाऊ मोटरसाइकिल ग्रैंड प्रिक्स-56वां संस्करण, ग्रेटर बे एरिया जीटी कप (जीटी4), मकाऊ रोडस्पोर्ट चैलेंज और मकाऊ रोडस्पोर्ट-मकाऊ एसएआर एस्टेब्लिशमेंट कप, शामिल हैं। एमजीपीओसी ने कहा कि मकाऊ के प्रमुख वार्षिक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन के रूप में, इस साल ग्रैंड प्रिक्स निवासियों और आगंतुकों को कार्यक्रम के आसपास कई गतिविधियों के साथ जीवंत माहौल में डूबने का मौका देगा। रेसिंग संस्कृति को और अधिक बढ़ावा देने के लिए, 71वीं मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य मकाऊ निवासियों को विभिन्न तरीकों से ग्रैंड प्रिक्स गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

कायदे-आजम ट्रॉफी 26 अक्टूबर से, अठारह टीमें लेंगी हिस्सा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को प्रमुख घरेलू प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता 2024-25 कायदे-आजम ट्रॉफी के अंतिम कार्यक्रम की घोषणा की है। टूनामेंट 26 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसका फाइनल 19 दिसंबर को होगा। एक बड़े बदलाव में, इस साल के टूनामेंट में 16 क्षेत्रों में फैली 18 टीमें हिस्सा लेंगी, लाहौर और कराची में दो-दो टीमें हैं। पिछले साल, सिर्फ. आठ टीमों ने टूनामेंट खेला था, जबकि पिछले चार सालों में टूनामेंट में सिर्फ. छह प्रतिभागी ही शामिल हुए थे। कराची व्हाइट्स पिछला चैंपियन हैं। घरेलू संचालन के निदेशक अब्दुल्ला नियाजी ने एक बयान में कहा, कायदे-आजम ट्रॉफी पाकिस्तान में घरेलू क्रिकेट का शिखर है क्योंकि यह सिर्फ. एक टूनामेंट नहीं है बल्कि एक ऐसा आयोजन भी है जो देश भर में अपार प्रतिभाओं को सामने लाता है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए तैयार करता है। हमेशा की तरह, हम खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर अपनी क्षमता दिखाने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए सर्वश्रेष्ठ संभव मंच प्रदान करना जारी रखेंगे क्योंकि वे देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेलेंगे। उन्होंने कहा, इससे पहले हमने चैंपियंस वन-डे कप का सफल आयोजन किया था और हम अपने घरेलू ढांचे को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। कायदे-ए-आजम ट्रॉफी का सफल आयोजन इस प्रतिबद्धता का केंद्र बिंदु है।

डोमिनिक थिएम ने वियना में पहले दौर में हार के साथ टेनिस को अलविदा कहा

वियना, एजेंसी। डोमिनिक थिएम ने अर्स्टे बैंक ओपन के पहले दौर में लुसियानो डाडेरी से 7-6 (6), 6-2 से हार के साथ अपने पेशेवर टेनिस करियर को अलविदा कहा। अमेरिकी ओपन में 2020 के चैंपियन थिएम ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि इस टूनामेंट के बाद वह टेनिस से संन्यास ले लेंगे। वह पिछले कुछ समय से कलाई की चोट से जूझ रहे हैं। ऑस्ट्रिया के इस खिलाड़ी ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने अच्छी शुरूआत की और पहले सेट में एक समय वह 4-2 से आगे चल रहे थे लेकिन इसका फायदा नहीं उठा पाए। जब वह सेंटर कोर्ट से बाहर निकल रहे थे तो दर्शकों ने तालियों के साथ उनको विदाई दी। थिएम तीन ग्रैंड स्लैम, 2018 और 2019 फ्रेंच ओपन और 2020 ऑस्ट्रेलियाई ओपन मे उपविजेता भी रहे थे।

ब्रिज ओलंपियाड में भारतीय टीमों की अच्छी शुरूआत

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीमों ने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में शुरू हुए 16वें विश्व ब्रिज खेल यानी ब्रिज ओलंपियाड में अच्छी शुरूआत की। पहले दिन की समाप्ति पर भारतीय टीम ओपन वर्ग में 12वें स्थान पर थी। भारतीय महिला टीम 24 टीमों में से 15वें स्थान पर है। मिश्रित वर्ग में भारतीय टीम 29 टीमों के बीच में स्थान पर है। भारतीय सीनियर टीम 24 टीमों के बीच सबसे आगे है। इस प्रतियोगिता का आयोजन चार वर्गों ओपन, महिला, मिश्रित और सीनियर में किया जा रहा है। प्रत्येक सदस्य देश हर वर्ग में अपनी एक टीम उतार सकता है। ओपन वर्ग में 24 टीम भाग ले रही हैं जिन्हें 17-17 टीम के दो वर्ग में बांटा गया है।

एमएलबी ने देश के सबसे बड़े हिटर को खोजने के लिए शिखर धवन को शामिल किया

मुंबई, एजेंसी। मेजर लीग बेसबॉल और डिज्नी स्टार ने लगातार दूसरे साल भारत में बेसबॉल के विकास को दशार्ने वाली एक रियलिटी स्पोर्ट्स सीरीज बनाने के लिए सहयोग किया है। 'हॉटशॉट्स' दुनिया के दो सबसे लोकप्रिय बैट-एंड-बॉल खेलों के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवाल का जवाब देता हैः क्या भारत के कुछ बेहतरीन शौकिया क्रिकेटर छक्के मारने जितना होम रन मार सकते हैं? 'हॉटशॉट्स' देश के 10 सर्वश्रेष्ठ शौकिया बल्लेबाजों की हिटिंग क्षमता का परीक्षण करता है, जिसमें विजेता को 15 लाख रुपये का शीर्ष पुरस्कार दिया जाता है। चार एपिसोड की इस सीरीज में शिखर धवन, पूर्व भारतीय क्रिकेटर, एडम जोन्स, 5 बार ऑल-स्टार स्लगर, जिन्होंने अपना ज्यादातर एमएलबी करियर बाल्टीमोर ओरिओल्स के साथ बिताया, और स्टार स्पोर्ट्स के कमेंटेटर जतिन सप्रू शामिल हैं। शिखर और एडम मिलकर 10 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करते हैं, जिनमें से सभी की बेसबॉल में रुचि होने की दिलचस्प कहानियाँ हैं, ताकि वे अपने जीवन के सबसे लंबे हॉट शॉट लॉन्च करके रोमांचक फाइनल राउंड में पुरस्कार जीत सकें। 'हॉटशॉट्स' पिछले साल के 'इंडियन बेसबॉल ड्रीम्स' का अनुसरण करता है, जिसे डिज्नी स्टार के प्लेटफॉर्म पर भी प्रसारित किया गया था और जिसमें 2023 में एमएलबी ड्राफ्ट के पहले राउंड में चुने जाने वाले पहले-पीढ़ी के भारतीय अमेरिकी अर्जुन निम्माला की प्रेरक वास्तविक जीवन की कहानी बताई गई थी।

आदित्य रॉय कपूर ने रिलेशनशिप को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अपनी फिल्मों के लिए कम लेकिन अपने रिलेशनशिप को लेकर लगातार चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में आदित्य बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर के टॉक शो व्हाट वीमेन वांट में रिलेशनशिप को लेकर कई खुलासे किए।

आदित्य का कथित तौर पर इस साल की शुरुआत में अनन्या पांडे से ब्रेकअप हो गया था। फिल्म आशिकी में उनकी भूमिका सभी को पसंद आई। हालांकि, इस फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए परेशान आशिक के किरदार से वह खुद को संबंधित नहीं मानते।

जब शो के दौरान करीना ने पूछा कि आपकी तीन सबसे पसंदीदा खूबियां क्या हैं?, तो आदित्य ने बिना कोई देरी के कहा, मैं बहुत हैंडसम हूं, मैं आकर्षक हूं। इसके बाद करीना ने आदित्य ने पूछा कि बहुत सी महिलाएं आपके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में जानना चाहती हैं। इस पर आदित्य ने कहा, क्या चिल करना भी कोई स्टेटस है? आगे आदित्य ने कहा, मैं चिलर हूं।

आदित्य रॉय कपूर ने अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहा, एक फिल्म जिसने मेरे करियर की दिशा बदल दी, वह थी आशिकी। ऐसा नहीं है कि मैं उस किरदार से इसलिए जुड़ा क्योंकि वह एक शराबी था। करीना ने आदित्य से पूछा कि वह रिश्ते में घोस्टिंग से कैसे निपटते हैं। आदित्य ने कहा कि वह उस शख्स को ब्लॉक करना पसंद करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनन्या और आदित्य करीब दो साल तक साथ रहने के बाद कुछ समय पहले अलग हो चुके हैं। 2022 में, अनन्या और आदित्य के रिलेशनशिप में होने की खबरें हर जगह फैली हुई थीं, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर आर्कषित किया।

अपनी छवि को पीआर की बनावट कहने पर बोलीं सारा

सारा अली खान हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। वह इंडस्ट्री की उन चुनिंदा स्टार किड्स में से हैं, जो अक्सर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने कुछ फिल्मों में अपने अभिनय के लिए वाह-वाही भी बटोरी है। सारा ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म केदारनाथ से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद से अब तक अपने छह साल के अभिनय करियर में वह फिल्मों के अलावा उनके मस्तीभरे व्यवहार और फैशन सेंस की वजह से भी उन्होंने काफी चर्चा बटोरी है। उनकी एक खास छवि बनी है, जिसे लेकर कई बार कहा जाता है कि ये उनकी पीआर टीम के द्वारा बनाई गई है।

सारा, बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और मशहूर अभिनेत्री अमृता सिंह की बेटी हैं। इस वजह से कई बार वो ट्रोलर्स के निशाने पर भी होती हैं, जो उन्हें नेपोटिज्म को लेकर ट्रोल करते हैं। हालांकि, हार्पर बाजार से बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने खुद का बचाव करते हुए अपनी छवि को लेकर कही जा रही बातों पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी छवि कुछ भी हो सकती है, लेकिन ये पीआर द्वारा बनाई गई नहीं है।

इस बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या ये एक सोचा-समझा फैसला था कि उन्हें काफी समान दिखाया जाए। इस पर जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी खास तरह की छवि बनाने की कोई कोशिश नहीं की है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने कुछ लोगों की निराशा के लिए, खुद की छवि बनाने में कोई ऊर्जा खर्च की है। यह कुछ ऐसा है, जो मैं कैमरे के लिए करूंगी, जहां मैं किरदारों का निर्माण करती हूं। असल जिंदगी में मैं बस वही हूं, जो मैं हूं, फिर चाहे वो पांच जोड़ी शॉर्ट्स पहनकर जिम जाने वाली लड़की हो या एथलीजर पहनकर एयरपोर्ट जाने वाली।

सारा ने इस दौरान अपने बचपन को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका और उनके भाई इब्राहिम अली खान का पालन-पोषण लोगों की अपेक्षा से अलग तरीके से हुआ। उन्होंने कहा कि मां अमृता के साथ उनका बचपन सामान्य जीवन की तरह गुजरा। अभिनेत्री ने कहा,हम वीडियो गेम खेलने या फूड कोर्ट में खाने के लिए मॉल जाते थे। यही वह जीवन है, जिसकी मैं बड़ी होकर आदी हो गई थी। आज, मैं अपने काम की सराहना करती हूं, लेकिन जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं, तो जिम, कैफे, यात्रा करना पसंद करती हूं।मैं बस अपने व्यक्तित्व को बहुत गंभीरता से नहीं लेती और मैं वही करती हूं, जो मुझे अच्छा लगता है।

बता दें कि सारा आखिरी बार नेटफ्लिक्स की फिल्म मर्डर मुबारक और ऐ वतन मेरे वतन में नजर आई थीं। ऐ वतन मेरे वतन में उनके अभिनय को फैंस ने काफी पसंद भी किया। इन दिनों सारा अपनी आगामी फिल्म मेट्रो इन दिनों, स्काई फोर्स और ईगल को लेकर व्यस्त हैं।

कुशाल टंडन ने की शिवांगी जोशी के साथ रिश्ते में होने की बात

अभिनेता कुशाल टंडन ने अभिनेत्री शिवांगी जोशी के साथ रिलेशनशिप को लेकर हामी भर दी है। शिवांगी और कुशाल टंडन को कई बार एक साथ देखा जाता था, लेकिन दोनों ने कभी अपने रिलेशन को लेकर हां नहीं की। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कुशाल ने शिवांगी के साथ रिश्ते में होने की बात कंफर्म की है। कुशाल ने इंटरव्यू में कहा कि दोनों इस रिश्ते में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं।

मां मुझे शादीशुदा देखना चाहती हैं

इंटरव्यू में कुशाल टंडन ने शिवांगी जोशी से शादी के बारे में पूछने के बाद ही इस बारे में बात की है। कुशाल ने कहा, मैं अभी शादी नहीं करूंगा लेकिन मैं प्यार में हूं। हम इस रिश्ते को बहुत ही धीरे-धीरे आगे ले जा रहे हैं। मेरी मां मुझे शादीशुदा देखना चाहती हैं, उनका बस चले तो मेरी आज ही शादी करवा दें।

मेरे माता-पिता ने लड़की तलाश रोक दी

कुशाल टंडन ने अपनी शादी को लेकर कहा कि शादी कब होगी अभी कंफर्म नहीं है, लेकिन कभी भी कुछ भी हो सकता है। कुशाल ने कहा, और वैसे देखा जाए तो कुछ भी हो सकता है, कभी भी। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी लेडीलव मिल गई है, हमारा मैच बिल्कुल सही है। कुशाल टंडन ने कहा कि एक अच्छी लड़की की तलाश अब मेरे माता पिता की तरफ से रोक दी गई है।

बरसातें धारावाहिक में किया था साथ में काम

शिवांगी जोशी को टीवी धारावाहिक बरसातें- मौसम प्यार का में साथ में देखा गया था। कुशाल और शिवांगी की जोड़ी को इस शो से काफी प्यार मिला था। शो बाद उनकी ऑफ स्क्रीन केमिस्ट्री ही काफी अच्छी रही। कुशाल को एक हजारों में मेरी बहना है में देखा गया था। शिवांगी जोशी को सबसे पहले ये रिश्ता क्या कहलाता है सीरियल में देखा गया था।

दिनेश विजान की फिल्म में नजर आ सकते हैं सिद्धार्थ-कियारा

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने साल 2023 की शुरुआत में शादी कर ली थी। दोनों ने इससे पहले साल 2021 में आई सुपरहिट फिल्म 'शेरशाह' में साथ काम किया था। इसके बाद वे किसी भी फिल्म में साथ नहीं दिखे। हालांकि अब लगता है कि यह जोड़ी एक बार फिर से पर्दे पर दिख सकती है। इस फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है। फिल्म दिनेश विजान की प्रोडक्शन कंपनी मैडॉक फिल्म्स बनाने वाली है। ये वही कंपनी है, जिसने 'स्त्री 2' बनाई है, जिसने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस कर लिया। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट की मानें तो सिद्धार्थ और कियारा ने इस फिल्म के लिए मैडॉक फिल्म्स के साथ बातचीत शुरू कर दी है। ये एक टिपिकल बॉलीवुड लव स्टोरी नहीं होगी। इस फिल्म में रोमांस के साथ फैंटेसी एलिमेंट्स का भी तड़का लगाया जाएगा, जो इसे बाकियों से अलग बनाएगा। हालांकि फिल्म के प्लॉट को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली। मैडॉक ऑडियंस के लिए एक फ्रेश और इंटरेस्टिंग फिल्म बना रही है। 'शेरशाह' की बात करें तो विष्णुवर्धन के डायरेक्शन में बनी फिल्म कारगिल वॉर के हीरो भारतीय सेना अधिकारी कैप्टन विक्रम बत्रा पर बेस्ड थी। फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी थी।

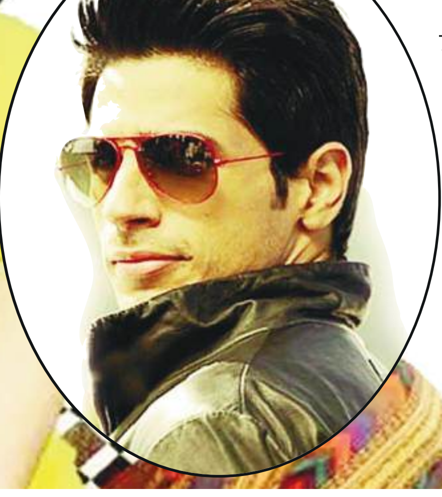

'अल्फा' की शूटिंग के लिए कश्मीर पहुंचीं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट अभिनीत और यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'अल्फा' बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। आलिया भट्ट इस एक्शन थ्रिलर में शरवरी के साथ मुख्य भूमिका में हैं। दोनों अभिनेत्रियां पिछले कुछ महीनों से इसकी शूटिंग कर रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया शेड्यूल जारी हुआ और अभिनेत्री एक बार फिर कश्मीर लौटी हैं। कश्मीर से अभिनेत्री की कुछ अनदेखी तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में आलिया अपनी प्राकृतिक सुंदरता बिखेरती हुई नजर आ रही हैं। 18 अक्टूबर, 2024 को, कश्मीर में आलिया भट्ट की मेजबानी करने वाले होटल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री की शानदार तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में आलिया नेवी ब्लू पैंट के साथ एक सफेद कार्डिगन पहने हुए दिखाई दे रही थीं, जिसके साथ उन्होंने गले में एक सफेद मफलर पहना हुआ था। उन्होंने बिना मेकअप के लुक अपनाया और एक हाथ में हैंडबैग पकड़े हुए अपने बालों को बन में स्टाइल किया है। तस्वीर में एक और व्यक्ति उन्हें एक एंटीक चीज भेंट करते हुए दिखाई दे रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, 'आलिया भट्ट, आपकी मेजबानी करना खुशी की बात थी! आपकी उपस्थिति ने कश्मीर की सुंदरता में एक अतिरिक्त चमक ला दी। हम आपकी अगली यात्रा का इंतजार कर रहे हैं।'

अगस्त की शुरुआत में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ कश्मीर में शूटिंग कर रही थीं, जहां दोनों ने अपने इंस्टाग्राम पर एक दिल को छू लेने वाली तस्वीर शेयर की थी। वह दोनों एक नदी के पास एक खूबसूरत जगह पर कैमरे से दूर सर्दियों की जैकेट पहने हुए, एक-दूसरे को गले लगाते हुए नजर आई थीं। उन्होंने पोज देते हुए अपने हाथों से दिल का आकार बनाया। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, 'लव, अल्फा!' 'अल्फा' का निर्देशन शिव रवैल ने किया है और आदित्य चोपड़ा ने इसे प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं, आलिया संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में भी नजर आएंगी।

कार्तिक आर्यन की सफलता में इनकी है अहम भूमिका

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर काफी चर्चा में हैं। उनके फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इंडस्ट्री में बाहर से आकर अपने लिए एक मुकाम बनाना किसी भी कलाकार का एक सपना होता है, जिसे कार्तिक ने अपनी मेहनत और लगन से पूरा किया है। हालांकि, कार्तिक ने अपनी इस सफलता में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दो अन्य लोगों को दिया है। ये दो लोग कोई और नहीं हैं, बल्कि अभिनेता ने अपनी मां और अपनी बहन को अपनी सफलता में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया है।

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 का जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। हाल में ही वह प्रमोशन के लिए इंदौर में थे, जहां अभिनेता से उनकी सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले लोगों को लेकर सवाल पूछा गया है। इसके जवाब में कार्तिक ने बिना देरी करते हुए अपनी मां और बहन का नाम लिया। अभिनेता ने कहा,मेरे मामले में, यह मेरी मां और बहन हैं। इस बातचीत के दौरान भूल भुलैया 3 अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म को लेकर कई संकेत भी दिए, जिससे ये साफ होता है कि इस बार फिल्म काफी डरावनी और मजेदार होने वाली है। कार्तिक ने कहा, ऐसी कई चीजें हैं, जो इस किस्त को पिछले दो से अलग बनाती हैं। इस नए किस्त में, दर्शकों को और भी ज्यादा डरावनी चीजें देखने को मिलेंगी। दिग्गज अभिनेत्रियां विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी तीसरे भाग का हिस्सा होंगी – सिर्फ उनके नाम ही फिल्म में चार चांद लगा देते हैं। कार्तिक आर्यन ने इस बातचीत के दौरान अपनी फिल्मी सफर को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका सफर काफी चढ़ाव-उतार वाला रहा। इस दौरान अभिनेता ने इस बात पर जोर दिया कि संघर्षों पर काबू पाना किसी के लिए भी अपना रास्ता बनाने के लिए काफी जरूरी है। उन्होंने अपनी पहली फिल्म, प्यार का पंचनामा से शुरु हुए अपने सफर को याद करते हुए कहा कि सोनू के टीटू की स्वीटी से उनके करियर में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया और फिर लोग उन्हें पहचानने लगे। अभिनेता ने इस दौरान आगे कहा कि इस फिल्म में भूल भुलैया 2 की भी कुछ चीजें शामिल की जाएंगी। हालांकि, उन्होंने साफ करते हुए कहा कि फिल्म की कहानी बिलकुल नई होने वाली है, जिसमें कई अप्रत्याशित मोड़ और उतार-चढ़ाव देखने को मिलने वाले हैं।

मुन्नाभाई 3 लेकर आएंगे राजकुमार हिरानी

राजकुमार हिरानी की मुन्नाभाई फ्रेंचाइजी के प्रशंसक वर्षों से इसके तीसरे भाग की मांग कर रहे हैं। हिरानी और संजय दत्त दोनों ही अपनी अन्य व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं को पूरी करने में व्यस्त हैं। हालांकि, हिरानी की इच्छा सूची में सबसे ऊपर मुन्नाभाई 3 का नाम है। राजकुमार हिरानी ने हाल ही में कहा कि उनके पास फिल्म की पांच आधी-अधूरी स्क्रिप्ट है। हिरानी ने कहा, मैंने एक स्क्रिप्ट पर छह महीने बिताए, इंटरवल तक पहुंचा, और यह उससे आगे नहीं बढ़ पाया। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण कारक यह है कि अगली किस्त पिछली फिल्मों से बेहतर होनी चाहिए।